● वर्ष-3
● अंक-192
रायपुर, बुधवार
20 मार्च 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

पेज-6›› तेज गर्मी में भी नहीं होगी डिहाइड्रेशन...

तमिलनाडु में भाजपा और पीएमके के बीच हुआ गठबंधन

हैदराबाद। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) तमिलनाडु में लोकसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल हो गई, जिससे उसके पूर्व सहयोगी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) को बड़ा झटका लगा जो एस रामदास के नेतृत्व वाली पार्टी के साथ एक समझौते पर मुहर लगने की उम्मीद है। ऐसे समय में जब चुनाव केवल कुछ ही हफ्ते दूर हैं और कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और वामपंथी दल एक-दूसरे के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रहे हैं, भाजपा और अन्नाद्रमुक 19 अप्रैल से शुरू होने वाले मेगा मुकाबले में आगे बढ़ने के लिए अपने रास्ते तलाशने वाले थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को तमिलनाडु के सलेम में एक रैली को संबोधित किया। सार्वजनिक बैठक में पीएमके संस्थापक एस रामदास सहित गठबंधन दलों के नेताओं ने भाग लिया। जिस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 मार्च को एक अन्य महत्वपूर्ण निर्वाचन क्षेत्र कोयंबटूर में एक चुनावी रैली को संबोधित करने के लिए तमिलनाडु में थे, उस दिन पीएमके-भाजपा ने चुनावों के लिए अपने गठबंधन की घोषणा की। भाजपा 2024 के चुनावों में अपने दम पर 370 से अधिक सीटें और गठबंधन के रूप में कम से कम 400 सीटें जीतने की उम्मीद कर रही है। ऐतिहासिक उपलब्धि को छूने के उद्देश्य से, भाजपा ने तमिल मनीला कांग्रेस, अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम (एएमएमके) और अब पीएमके को एनडीए में शामिल कर लिया है।

पीएमके के शामिल होने से एनडीए को क्या फायदा होगा?

1989 में एस रामदास द्वारा स्थापित पीएमके, उत्तरी तमिलनाडु की एक प्रमुख जाति, वन्नियार समुदाय पर एक मजबूत प्रतिनिधित्व और पकड़ रखती है। वन्नियार, जिन्हें वन्निया कुल क्षत्रिय के नाम से भी जाना जाता है, राज्य में सबसे पिछड़े वर्गों (एमबीसी) में आने वाली 35 से अधिक जातियों में से हैं। वे वेल्लोर, रानीपेट, कुड्डालोर, कांचीपुरम, चेंगलपेट, तिरुवल्लूर और विल्लुपुरम जैसे जिलों में प्रभावी हैं, जिन्हें वन्नियारों का गढ़ माना जाता है। मंगलवार को एनडीए की घोषणा के अनुसार, पीएमके तमिलनाडु में 10 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। यह देखते हुए कि भाजपा दक्षिणी राज्य में एक प्रमुख खिलाड़ी नहीं है, पीएमके के शामिल होने से भगवा पार्टी को वह बढ़ावा मिल सकता है जो वह चाहती है। एनडीए को आगामी चुनावों में वोट शेयर हासिल करने की उम्मीद है, नए गठबंधनों के साथ, एन मन, एन मक्कल की पीठ पर सवार होकर, भाजपा तमिलनाडु प्रमुख के अन्नामलाई द्वारा की गई पदयात्रा, जिसने जमीन पर भाजपा के लिए महत्वपूर्ण समर्थन हासिल किया।

1998 के लोकसभा चुनावों में पीएमके ने जयललिता और बीजेपी से हाथ मिलाया और 4 सीटें जीतीं और राज्य में 6% से अधिक वोट प्राप्त किए। एनडीए गठबंधन ने तमिलनाडु में 30 सीटें जीतीं और पार्टी नेता दलित एझिल्मलाई अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में मंत्री बने। 1999 में जब जयललिता ने वाजपेयी सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया और डीएमके और बीजेपी से हाथ मिला लिया तो पीएमके ने उनका साथ नहीं दिया। 1999 के लोकसभा चुनावों में पार्टी ने 5 लोकसभा सीटें और 8त्न से अधिक वोट जीते।

26 मार्च 2009 को पीएमके ने यूपीए का साथ छोड़कर एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले मोर्चे का हाथ थाम लिया। 2014 में, पीएमके ने भाजपा के साथ गठबंधन में लोकसभा चुनाव लड़ा और उसके उम्मीदवार अंबुमणि रामदास धर्मपुरी लोकसभा सीट से विजयी हुए। पीएमके ने 2021 के विधानसभा चुनावों में एआईएडीएमके और बीजेपी के साथ गठबंधन में 5 सीटें जीतीं। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या नए सहयोगी तमिलनाडु में 2024 के लोकसभा चुनावों में प्रभावशाली प्रदर्शन करने में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की मदद करेंगे।

शक्ति पर घमासान! विपक्ष को नुकसान

राहुल की गलती 400 पार में होगी मददगार?

नई दिल्ली। प्रवचन में दिए गए पहले पाठों में से एक यह है कि आप जो कहते हैं उस पर ध्यान दें। और अगर चुनाव नजदीक हों तो जांच की जरूरत और भी बढ़ जाती है। यही कारण है कि कई लोग आश्चर्यचकित रह जाते हैं कि राहुल गांधी के शब्द उनके और उनकी पार्टी के लिए मुश्किलें क्यों पैदा कर रहे हैं। ताजा गलती मुंबई में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के भव्य समापन समारोह में हुई। गांधी शायद यह कहना चाहते थे कि भाजपा चुनाव जीतने और नेताओं को अपने साथ शामिल होने के लिए डराने के लिए प्रवर्तन निदेशालय, केंद्रीय जांच ब्यूरो और ईवीएम का इस्तेमाल कर रही है। लेकिन अंत में उन्होंने जो कहा – हिंदू धर्म में, शक्ति है, और हम उस शक्ति से लड़ रहे हैं– ने भाजपा को विपक्ष के खिलाफ बड़ा हथियार दे दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राहुल गांधी के बयान को बड़ा मुद्दा बना लिया है।

राहुल ने क्या कहा

राहुल गांधी ने रविवार को 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के समापन के अवसर पर मुंबई के शिवाजी पार्क में आयोजित एक रैली में कहा था, ''हिन्दू धर्म में शक्ति शब्द होता है। हम शक्ति से लड़ रहे हैं...एक शक्ति से लड़ रहे हैं। अब सवाल उठता है कि वह शक्ति क्या है? जैसे किसी ने यहां कहा कि राजा की आत्मा ईवीएम में है। सही है...सही है कि राजा की आत्मा ईवीएम में है... हिंदुस्तान की हर संस्था में है। ईडी में है, सीबीआई में है, आयकर विभाग में है।'' विवाद बढ़ने पर राहुल गांधी ने सफाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनकी बातों का अर्थ बदलने की कोशिश की है, जबकि उन्होंने जिस शक्ति का उल्लेख किया था उसका 'मुखौटा' प्रधानमंत्री खुद हैं। उन्होने यह दावा भी किया कि जिस शक्ति के खिलाफ वह लड़ने की बात कर रहे हैं उसने सभी संस्थाओं और संवैधानिक ढांचे को अपने चंगुल में दबोच लिया है।

मोदी ने बनाया सियासी मुद्दा

राहुल के बयान को लेकर मोदी अपनी हर सभा में विपक्ष पर वार कर रहे हैं। मोदी ने विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन पर मुंबई की रैली में 'शक्ति' के विनाश का बिगुल फूंकने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके लिए हर मां-बेटी 'शक्ति' का स्वरूप है और वह उनके लिए अपनी जान की बाजी लगा देंगे। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में लड़ाई 'शक्ति के विनाशकों' और 'शक्ति के उपासकों' के बीच है तथा चार जून को स्पष्ट हो जाएगा कि कौन 'शक्ति' का विनाश करने वाले हैं और किसे 'शक्ति' का आशीर्वाद प्राप्त है। उन्होंने कहा कि आज भी मैं शक्ति की उपासना करता हूं, देश के कोटि-कोटि लोग हिंदू धर्म की इस शक्ति के उपासक हैं। मेरे लिए देश की नारी शक्ति, इसी शक्ति का प्रतिबिंब है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि 'इंडी अलायंस' के लोग इस 'शक्ति' को 'कुचलना और तबाह' करना चाहते हैं।

सियासी नफा-नुकसान

राहुल गांधी के बयान को भाजपा ने एंटी हिंदू बताना शुरू कर दिया है। जाहिर सी बात है कि हिंदू धर्म में देवी को शक्ति का रूप माना जाता है। ऐसे में भाजपा साफ तौर पर कह रही है कि विपक्ष सनातन धर्म का बार-बार अपमान करता है। लोकसभा चुनाव में भाजपा को विपक्ष और खासकर के राहुल गांधी के खिलाफ बड़ा हथियार मिल गया है। भाजपा राहुल गांधी के बयान के सहारे हिंदुत्व के पिच पर बैटिंग करेगी। यह कहीं ना कहीं विपक्षी दलों के लिए मुश्किलें बढ़ाने वाली हो सकती है। विपक्ष को भी पता है कि हिंदुत्व की राजनीति में बीजेपी को महारत हासिल है और इस तरीके का बयान उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। यही कारण है कि विपक्ष फिलहाल राहुल गांधी के इस बयान को लेकर चुप्पी साधे हुए है। वह इस बयान को बहुत ज्यादा तूल देने के पक्ष में नहीं है।

उप्र में भाजपा की तीसरी सूची जारी, मेरठ से अरुण गोविल, पीलीभीत से वरुण की जगह जितिन प्रसाद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को लेकर भाजपा ने अपने 51 प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। इनमें से ज्यादातर को इस बार के चुनाव में भी रिपीट किया गया है। उत्तर

प्रदेश की कुल 80 सीटों में से भाजपा ने अपने सहयोगी दलों को पांच सीटें दी हैं। ऐसे में बाकी की बची हुई सीटों को लेकर पार्टी में चर्चा जारी है। माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश में जिन सीटों को लेकर प्रत्याशियों के नाम का ऐलान होना है उनमें से कई का टिकट कट सकता है। सबसे ज्यादा चर्चा बृजभूषण शरण सिंह की है। वह काफी लंबे समय से विवादों में है। ऐसे में कैसरगंज लोकसभा सीट से उनकी पत्नी या बेटी को टिकट दिया जा सकता है। बाराबंकी से हाल में ही टिकट लौटाने वाले उपेंद्र रावत की जगह नया चेहरा भाजपा उतार सकती है।

मेरठ सीट को लेकर रामायण के एक्टर अरुण गोविल के नाम की चर्चा है। इसके अलावा कैंट से विधायक अमित अग्रवाल भी टिकट की रेस में है। गाजियाबाद सीट से एक बार फिर से भाजपा वीके सिंह के नाम पर मोहर लगा सकती है। हालांकि अनिल अग्रवाल और अनिल जैन का भी नाम चर्चाओं में है। इलाहाबाद सीट से रीता बहुगुणा जोशी को इस बार टिकट मिलने की संभावना नहीं है। ऐसे में पूर्व नौकरशाह संजय मिश्रा और योगी सरकार में मंत्री नंद गोपाल नंदी की पत्नी अभिलाषा नंदी भी चर्चाओं में है। भाजपा के लिए लंबे समय से गाज़ीपुर सीट से चुनाव लड़ते आ रहे वर्तमान में जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की जगह उनके बेटे अनुभव सिन्हा को टिकट दिया जा सकता है। गाज़ीपुर सीट हमेशा की तरह इस बार भी चर्चाओं में रहने वाला है।

शरद के फोटो-नाम के इस्तेमाल नहीं कर पाएगा अजित गुटः सुको

शरद को मिला तुरही बजाता आदमी का चुनाव चिन्ह

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरद पवार गुट को लोकसभा और विधानसभा दोनों चुनावों के लिए एनसीपी एससीपी नाम और तुर्रा उड़ाने वाले आदमी के प्रतीक का उपयोग करने की अनुमति दी। अदालत ने भारतीय चुनाव आयोग को शरद पवार गुट के चुनाव चिन्ह तुरही बजाता हुए शख्स %को आधिकारिक तौर पर बंद करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने अजीत पवार गुट को किसी भी चुनाव प्रचार सामग्री में राकांपा संस्थापक शरद पवार के नाम या तस्वीर का उपयोग करने से भी रोक दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि आप (अजित पवार गुट) अब एक अलग राजनीतिक दल हैं, इसलिए उनकी तस्वीर आदि का उपयोग क्यों करें। अब अपनी पहचान के साथ जाएं... आपने उनके साथ नहीं रहने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि अब अपने कार्यकर्ताओं को नियंत्रित करना आपका काम है। जब चुनाव आता है तो आपको उनके नाम की जरूरत होती है और जब चुनाव नहीं होते तो आपको उनकी जरूरत नहीं होती। शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी विभाजित हो गई थी। चुनाव आयोग ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को असली एनसीपी बताते हुए चुनाव चिन्ह दे दिया था।

प्रमुख समाचार

मालगाड़ियां चल रही तो यात्री ट्रेनें क्यों नहीं चल सकती: हाईकोर्ट

बिलासपुर. हाईकोर्ट ने यात्री ट्रेनों को लगातार रद्द किए जाने के मामले में सुनवाई करते हुए रेलवे बोर्ड को केंद्र शासन से इस बारे में निर्देश लेकर जानकारी पेश करने कहा है. कोर्ट ने रेलवे से यह भी पूछा है कि मालगाड़ियां उसी रूट पर लगातार चलाई जा रही हैं तो यात्री ट्रेनें क्यों नहीं चल सकती. पटरियों की खराब होने की बात है तो यात्री ट्रेनें तो चल ही नही रहीं तो मेंटेनेंस क्यों नहीं हो रहा है. मामले की अगली सुनवाई गुरुवार 21 मार्च को होगी. बिलासपुर के कमल कुमार दुबे ने हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका लगाई है, जिसमें कहा गया है कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में यात्री गाड़ियां लगातार रद्द की जा रही हैं. यात्रियों को अनेक अवसरों पर अचानक ही मालूम चलता है कि यह एक्सप्रेस या पेसेंजर ट्रेन अब नहीं जाएगी. इसके साथ ही कई बार बीच रस्ते में ही ट्रेन सस्पेंड की जाती है. इसकी वजह से हजारों की संख्या में आने जाने वाले यात्रियों को बेहद परेशान होना पड़ता है. लंबे समय से रेलवे इसी तरह का व्यवहार करते आ रहा है. याचिका में कहा गया है कि दूसरी ओर मालगाड़ियां उसी रूट पर लगातार चलाई जा रही हैं.

चुनाव आयोग के अधीन हुआ पुलिस विभाग, अधिसूचना जारी

रायपुर. लोकसभा चुनाव-2024 के संचालन के लिए राज्य सरकार के समस्त पुलिस अधिकारी निर्वाचन आयोग में प्रतिनियुक्ति पर माने जाएंगे और आयोग के नियंत्रण में रहेंगे. इस संबंध में छत्तीसगढ़ शासन के गृह विभाग द्वारा मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर, अटलनगर से मंगलवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है. लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा के प्रावधान के अनुसरण में और भारत निर्वाचन आयोग के परिपत्र में दिए गए निर्देशों को दृष्टिगत रखते हुए लोकसभा चुनाव-2024 के संचालन के लिए राज्य सरकार द्वारा पदाभिहीत समस्त पुलिस अधिकारी, ऐसे निर्वाचन की अपेक्षा करने वाली अधिसूचना दिनांक से शुरु होकर और ऐसे निर्वाचन के परिणामों के घोषित किए जाने की तारीख को समाप्त होने वाली अवधि के लिए निर्वाचन आयोग में प्रतिनियुक्ति पर माने जाएंगे. तद्नुसार, ऐसे पुलिस अधिकारी उस अवधि के दौरान निर्वाचन आयोग के नियंत्रण, अधीक्षण और अनुशासन के अधीन होंगे.

उपेंद्र की नाराजगी हुई दूर, भाजपा के ऑफर को किया मंजूर

नई दिल्ली। बिहार एनडीए में सीट-बंटवारे के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के प्रमुख उपेन्द्र कुशवाहा नाराज बताए जा रहे हैं। उपेन्द्र कुशवाहा दो लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों पर अपनी दावेदारी ठोक रहे थे। हालांकि, उन्हें सिर्फ एक सीट दिया गया। अब बताया जा रहा है कि मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के साथ समझौता हो गया है। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और बिहार के पार्टी प्रभारी विनोद तावड़े ने कुशवाहा से मुलाकात की और उनकी पार्टी को एक एमएलसी सीट की पेशकश की। सूत्रों ने बताया कि रामबली चंद्रवंशी के सदस्यता खोने के बाद बिहार एमएलसी की एक सीट खाली थी। बैठक के बाद तावड़े ने ट्वीट किया कि यह पहले से ही तय था कि 1 लोकसभा सीट के साथ-साथ 1 विधान परिषद सीट, जो अब खाली है, आरएलएम को आवंटित की जाएगी। आज मैंने राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष श्री उपेन्द्र कुशवाहा जी से मुलाकात की और इस प्रतिबद्धता पर कायम रहने का आश्वासन दिया।

अरुणाचल भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा-रणधीर

नई दिल्ली। केंद्रीय विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश पर चीन के हालिया दावों को बेतुका करार देते हुए कहा कि राज्य हमेशा भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है और रहेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल की टिप्पणी चीनी सेना के उस बयान के दो दिन बाद आई है जिसमें कहा गया था कि अरुणाचल प्रदेश चीन के क्षेत्र का स्वाभाविक हिस्सा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि हमने चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता द्वारा भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश के क्षेत्र पर बेतुके दावों को आगे बढ़ाते हुए की गई टिप्पणियों पर ध्यान दिया है। इस संबंध में आधारहीन तर्क दोहराने से ऐसे दावों को कोई वैधता नहीं मिलती है। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और रहेगा। इसके लोगों को हमारे विकास कार्यक्रमों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से लाभ मिलता रहेगा। जयसवाल ने कहा कि चीनी पक्ष को कई मौकों पर इस सुसंगत स्थिति से अवगत कराया गया है। पीएलए के दावे भारत द्वारा 9 मार्च को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की राज्य यात्रा पर बीजिंग की आपत्ति को खारिज करने के बाद आए थे।

युद्ध के लिए तैयार की गयी भारतीय सेना की नई यूनिट एसटीईएजी

नई दिल्ली। सिग्नल टेक्नोलॉजी इवैल्यूएशन एंड एडाप्टेशन ग्रुप (एसटीईएजी) अपनी तरह की पहली इकाई है जो एआई, मशीन लर्निंग, सॉफ्टवेयर-डिफाइंड रेडियो, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम, 6जी नेटवर्क और अन्य जैसी भविष्य की संचार प्रौद्योगिकियों का अनुसंधान और मूल्यांकन करेगी। यह प्रौद्योगिकी विकसित करने के भारतीय सेना के प्रयासों का हिस्सा है। भविष्य के युद्ध के लिए तैयार होकर, भारतीय सेना ने अपनी तरह का पहला, सिग्नल टेक्नोलॉजी इवैल्यूएशन एंड एडाप्टेशन ग्रुप (एसटीईएजी) स्थापित किया है। यह भविष्य के युद्धक्षेत्र को ध्यान में रखते हुए प्रौद्योगिकी विकसित करने के सेना के प्रयासों का हिस्सा है। अधिकारियों के हवाले से समाचार एजेंसी ने कहा कि उन प्रौद्योगिकियों का समर्थन करना आवश्यक है जो वायर्ड और वायरलेस सिस्टम की पूरी श्रृंखला को कवर करती हैं। सिग्नल टेक्नोलॉजी मूल्यांकन और अनुकूलन समूह या स्ङ्खश्वत्र इलेक्ट्रॉनिक एक्सचेंज, मोबाइल संचार, सॉफ्टवेयर-परिभाषित रेडियो, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, 5जी और 6जी नेटवर्क, क्वांटम तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन जैसी भविष्य की संचार प्रौद्योगिकियों का अनुसंधान और मूल्यांकन करेगा।

अमित शाह का एएनआई के साथ साक्षात्कार

सीएए भाजपा के लिए संवेदना का मुद्दा है

मोदी सरकार सभी पात्र शरणार्थियों को नागरिकता देगी : अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को समाचार एजेंसी एएनआई पॉडकास्ट को दिए गए इंटरव्यू में भारत सरकार द्वारा हाल ही लागू किए गए नागरिकता संशोधन अधिनियम के बारे में विपक्षी दलों द्वारा फैलाए जा रहे झूठ के तथ्यों को सामने रखा और इस अधिनियम के असली उद्देश्य को देश की जनता के साथ साझा किया। साथ ही उन्होंने कई विषयों पर बेबाकी से अपनी राय रखी। **(भाग-3)**

उन्होंने कहा कि सीएए अनुच्छेद 14 का उल्लंघन नहीं करता है क्योंकि इसमें विभाजन से प्रभावित व्यक्तियों और अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश में धार्मिक उत्पीड़न का सामना करने वाले लोगों के बीच स्पष्ट अंतर के साथ उचित वर्गीकरण शामिल है। यह कानून भारत में शरण चाहने वालों से संबंधित है और पूरी तरह से संवैधानिक है।

श्री शाह ने सीएए पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने के लिए जम्मू-कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती की आलोचना की और कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कानून पर रोक नहीं लगाई है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में न्याय मांगने जाना और सुप्रीम कोर्ट का न्याय देना दोनों अलग विषय हैं। श्री शाह ने अनुच्छेद 370 को लेकर भी उन पर निशाना साधा और कहा कि इसे 1951 में भी अदालत में चुनौती दी गई थी लेकिन इसका इस्तेमाल तब तक जारी रहा जब तक कि इसे भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने रद्द नहीं कर दिया। श्री शाह ने महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे को भी चुनौती दी कि वह अपना रुख स्पष्ट करें कि सीएए लागू किया जाना चाहिए या नहीं। वह अल्पसंख्यक वोट चाहते हैं और इसलिए वे तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे हैं।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने असदुद्दीन ओवैसी द्वारा सीएए को卐मुस्लिम विरोधी卐 बताए जाने पर इसके पीछे के तर्क पर सवाल उठाते हुए जवाब दिया। उन्होंने तर्क दिया कि चूंकि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश इस्लामिक देश घोषित हैं, इसलिए उन देशों में मुस्लिमों के साथ धार्मिक उत्पीड़न नहीं हो सकती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सीएए में एनआरसी का कोई प्रावधान नहीं है, किसी की नागरिकता रद्द करने जैसे प्रावधान शामिल नहीं हैं और अगर विपक्ष इस कानून पर चर्चा चाहता है तो सरकार किसी भी कानून को लागू करने से पहले और बाद में संसद में चर्चा की जाती है। वहीं इस कानून के विरोध में अगर कृषि कानून की तरह कोई दंगे होते हैं तो श्री शाह ने स्पष्ट किया कि सीएए कानून कभी वापस नहीं लिया जायेगा। हमारे देश में भारतीय नागरिकता सुनिश्चित करना

हमारा संप्रभु अधिकार है, हम इससे कभी समझौता नहीं करेंगे। श्री शाह ने उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर-पूर्व का विकास किया है और कहा कि केंद्र सरकार ने उत्तर-पूर्व को जोड़ने के लिए हवाई अड्डे, रेलवे और राजमार्ग बनाए हैं। सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया कि उत्तर-पूर्व में बिजली, पानी कनेक्शन, एलपीजी कनेक्शन, शौचालय सुविधाएं, स्वास्थ्य सुविधाएं और शैक्षणिक संस्थान खोले जा रहे हैं।

श्री शाह ने स्पष्ट किया कि नागरिकता संशोधन अधिनियम के माध्यम से नागरिकता प्राप्त करने वाले लोगों की कोई अलग पहचान नहीं होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें भारत के हर आम नागरिक की तरह नागरिकता सूची में जोड़ा जाएगा और समान अधिकार होंगे। वे चुनाव लड़ सकते हैं और सांसद, विधायक, मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री बन सकते हैं। श्री शाह ने सीएए पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान का जवाब देते हुए सुझाव दिया कि राहुल गांधी को जनता को यह बताना चाहिए कि वह क्यों मानते हैं कि सीएए देश के खिलाफ है। श्री शाह ने यह भी कहा कि सीएए कोई राजनीतिक कदम नहीं है, बल्कि इसे राष्ट्रहित में लागू किया गया है। उन्होंने सवाल किया कि अगर विपक्ष को लगता है कि इसका राजनीतिकरण हो गया है तो उन्होंने अपने शासन के दौरान इसे लागू क्यों नहीं किया। श्री शाह ने उल्लेख किया कि भारतीय जनता पार्टी ने कभी भी जनादेश का दुरुपयोग नहीं किया है और कहा कि सरकार ने हमेशा देश के विकास के लिए काम किया है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने तीन तलाक, सीएए और धारा 370 को लेकर विदेशी मीडिया द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए पूछा कि क्या विदेशों में तीन तलाक, मुस्लिम पर्सनल लॉ जैसे कानून हैं या धारा 370 के समान प्रावधान हैं क्या? श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के पिछले 10 साल का रिकॉर्ड ए ग्रेड रहा है और उनके पास 15 अगस्त 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित भारत बनाने और अगले 25 साल की योजना का भी सपना है।

दंतेवाड़ा बीजापुर के सीमावर्ती इलाके में मुठभेड़, एक नक्सली ढेर

दंतेवाड़ा। किरंदुल थाना क्षेत्र के पुरंगेल गमपुर जंगलों में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में सुरक्षाबल के जवानों ने एक नक्सली को ढेर कर दिया। जवानों ने नक्सली का शव बरामद किया और शिनाख्त करने की कोशिश की जा रही है। दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने मुठभेड़ की पुष्टि की है।

बीजापुर दंतेवाड़ा सीमावर्ती इलाके में मुठभेड़ के दौरान कई नक्सलियों के घायल होने की संभावना पुलिस ने जताई है। दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने मीडिया को बताया, 18 मार्च को दंतेवाड़ा और बीजापुर के सीमावर्ती क्षेत्र में किरंदुल थाना क्षेत्र के पुरंगेल गमपुर के जंगल में सशस्त्र नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। जिसके बाद संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी।

एसपी गौरव राय ने कहा डीआरजी, बस्तर फाइटर्स दंतेवाड़ा और सीआरपीएफ 111, 230, 231 बटालियन की यंग प्लाटून की संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। इस दौरान पुलिस और नक्सलियों के बीच हुए मुठभेड़ में एक पुरुष नक्सली को मार गिराने में दंतेवाड़ा पुलिस को सफलता मिली है।

मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने घटनास्थल के आस पास सर्चिंग की। इस दौरान जवानों ने एक पुरुष नक्सली का शव बरामद किया। पुलिस ने एक बंदूक, भारी मात्रा में गोला बारूद और दैनिक उपयोग की सामग्री भी जब्त की है। सुरक्षबलों की टीम आसपास के जंगल में सर्चिंग अभियान जारी रखे हुए है।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर मुठभेड़ में चार नक्सली ढेर

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र बॉर्डर पर गढ़चिरौली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में चार माओवादी मारे गए हैं। चारों माओवादी तेलंगणा स्टेट कमेटी के बताए जा रहे हैं।

यह मुठबेड़ कोलामारका के जंगल में हुई। निरीक्षक शिव पाटिल ने घटना की पुष्टि की है। फिलहाल, मौके पर पुलिस की टीम मौजूद है। जहां पर नक्सलियों द्वारा इस्तेमाल किए गए लान्चर और बंदूकें भी बरामद हुई हैं। पुलिस ने जानकारी दी है कि सर्चिंग के दौरान और भी नक्सली लाश मिलने की संभावना है।

एसपी गढ़चिरौली नीलोत्पल ने जानकारी देते हुए बताया कि गढ़चिरौली के कोलामरका पहाड़ों के पास सी60 और सीआरपीएफ क्यूएटी की कई टीमों के संयुक्त अभियान में चार नक्सलियों के शव बरामद किए गए।

इन नक्सलियों के पास से एक एके47, एक कार्बाइन और दो देशी पिस्तौल समेत नक्सली साहित्य और सामान भी बरामद हुआ है। नक्सलियों पर महाराष्ट्र सरकार ने 36 लाख रुपये का नकद इनाम घोषित कर रखा था। नक्सल विरोधी अभियान जारी है।

युवा कुर्मी समाज पाटन राज ने किया युवाओं का सम्मान

दुर्ग। पाटन राज मनवा कुर्मी समाज युवा कार्यकारिणी द्वारा जनपद के सामने बने आडिटोरियम में प्रतिभा सम्मान समारोह के साथ होली मिलन का आयोजन रखा था जिसने प्रतिभा सम्मान में शिक्षा के क्षेत्र में पंदर से हितेश वर्मा सहायक प्राध्यापक कुर्मी गुंडरा से निखिल वर्मा सहायक भोमिकीविद खनिज विभाग छत्तीसगढ़ी फिल्मी दुनिया से अभिनेता नवागांव से जागेश वर्मा खेल के छेत्र में मर्रा से धीरेंद्र वर्मा अंतरराष्ट्रीय योग प्लेयर अरसनारा से कुमारी संगम वर्मा गोल्डमेडलिस्ट कराटे फुटबाल स्टेट प्लेयर दरबार मोखली से देविका बंछोर वाइल्डलाइफ पंछी संरक्षण एवम फोटो ग्राफी के छेत्र में मर्रा से राजू वर्मा बठेना से वीडियोग्राफी एवम फोटोग्राफी कुमारी काजल वर्मा व्यापार के क्षेत्र में उतई से वर्मा बोरवेल प्रेम वर्मा मोरध्वज वर्मा पाटन से वर्मा कपड़ा एवं जुता दुकान शरद वर्मा पाटन से वर्मा चाय दुकान संजू वर्मा पाटन से वर्मा वि मार्ट उमेश वर्मा पाहंदा झा से गीतांजलि स्पोर्ट हितेश वर्मा कृषि पशुपालन के छेत्र में कसही से मुकेश बंछोर पंदर से संतोष वर्मा संजू वर्मा गायन के क्षेत्र में खर्रा से शिल्पा वर्मा त्रकारिता एवं टीवी चैनल के छेत्र में करगा से सुभम वर्मा खर्रा से पत्रकार टिकेंद्र वर्मा खम्हरिया से पत्रकार प्रवीण मडरिया सेलूद से पत्रकार बलराम वर्मा अशोगा से पत्रकार भेद वर्मा राजनीति समाज सेवा के छेत्र में देवादा से सरपंच उर्वशी वर्मा बठेना से सरपंच साधना वर्मा चंगोरी से सरपंच यामिनी वर्मा सरपंच कसही से राकेश आडिल दरबार मोखली से सरपंच आशीष बंछोर अखरा से समाज सेवक केदार कश्यप खोपली से रंजना वर्मा अमरीका वर्मा चित्रकारी में छाटा से मानसी वर्मा स्वास्थ्य विभाग पाहंदा झा से डा हर्षा वर्मा सातरा से मानसी वर्मा देश सेवा के लिए पूर्व सैनिक दरबार मोखली से संदीप बंछोर गभरा से अमित वर्मा छाटा से उदय वर्मा कंस्ट्रक्शन के छेत्र में बेलोदी से भूपेंद बघेल पंदर से रोशन वर्मा कुर्मी गुंडरा से टोकेंद वर्मा बोरिद से प्रवीन वर्मा गुजरा से प्रमोद वर्मा के अलावा अन्य प्रतिभावान युवक युवतियों का सम्मान अतिथियों के द्वारा मोमेंटो भेट कर किया ।

आडील ने अपने उद्बोधन में बताया की बहुत विषम परिस्थिति में संघर्ष कर जो उच्च मुकाम हासिल किए है ऐसे बच्चो के सम्मान के साथ उनके माता पिता का सम्मान किया किया गया इस कार्यक्रम का उदेस्य प्रतिभा को सामने लाने के साथ साथ अन्य युवकों को उत्साहित करने का प्रयास है योंकि मां बाप बहुत कष्ट सहकर अपनी इच्छाओं को त्याग कर अपने बच्चो के सपनो को पूरा करने अपनी सारी ऊर्जा लगा देते है ये कार्यक्रम सम्मान समारोह के साथ मोटिवेशनल है हर छेत्र में युवा अपनी अलग छाप छोड़ सकते है और अपनी जीवन शैली बदल सकते है।

होली मिलन कार्यक्रम में एकता फाग मंडली बकली धमतरी की मनमोहक प्रस्तुति हुई जिसमे सभी स्वजातीय जमकर झूमे सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष कुर्मी समाज सीता राम वर्मा अध्यक्षता कार्यवाहक राज प्रधान पाटन राज ओमप्रकाश वर्मा विशेष अतिथि पूर्व राज प्रधान पाटन राजगण अमरचंद वर्मा राजाराम नायक जवाहर वर्मा मेहतर वर्मा थे कार्यक्रम में विशेष रूप से युवा कार्यकारिणी के सदस्य राकेश आडिल संतोष वर्मा सुनील वर्मा अज्जू वर्मा टोकेंद्र वर्मा दुष्यंत वर्मा शेखर वर्मा विपिन बंछोर योगंत वर्मा धीरेंद वर्मा हेमंत वर्मा उदय वर्मा आशीष वर्मा रिंकू वर्मा सिवा जी वर्मा सोमन वर्मा काजल ज्योति बृजेंद्र वर्मा डिकेंड वर्मा जवाहर वर्मा आशीष बंछोर संदीप बंछोर नीलमणि वर्मा जीतेश वर्मा त्रिभुवन वर्मा प्रवीण वर्मा पुरेंद वर्मा सुरेंद वर्मा मनोज वर्मा निक्कू वर्मा संदीप वर्मा महिला अध्यक्ष कामिनी धुरंधर के आलावा युवा एवम महिला कार्यकारिणी के सभी सदस्य उपस्थित थे।

हादसों से बचने के लिए शुरू हुई अनूठी पहल

■ गौ समित ने गोवंशों के गले में पहनाया रेडियम बेल्ट

सक्ती। सक्ती जिले मे रोजाना एक न एक गोवंशों के साथ लगातार सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। कई हादसों में लोगों और गोवंशों की मौत हो चुकी है। सड़क हादसों को रोकने के लिए गौ सेवा समिति सक्ती और यातायात पुलिस ने गोवंशों को रेडियम बेल्ट पहनाया है। गौ सेवकों के साथ यातायात प्रभारी कमल किशोर महतो ने भी गोवंशों को रेडियम बेल्ट पहनाया। उन्होंने गौ सेवा समिति के सेवा कार्य की सराहना की और प्रशासन से रेडियम बेल्ट उपलब्ध कराने की बात कही।

गौरतलब है कि गौ सेवा समिति सक्ती विगत कई वर्षों से निस्वार्थ भाव से गौ सेवा कर रही है। समिति के गौ सेवक सड़क हादसों में घायल गोवंशों का इलाज करते हैं। उन्हें सुरक्षित जगह पर पहुंचाया जाता है, जहां उनकी देखरेख की जा सके। बीते दिनों जिला मुख्यालय के बेरीवाली मंदिर मार्ग में गौ सेवको के द्वारा 50 से अधिक गोवंशों को रेडियम बेल्ट बांधा था, ताकि सड़क दुर्घटनाओं मे कमी आ सके।

यातायात जिला प्रभारी सक्ती कमल किशोर महतो ने कहा कि गोवंशों की सुरक्षा करना हमारा प्रथम कर्तव्य है। आज देखा जा रहा है की गोवंशों को पशु पालकों के द्वारा खुला छोड़ देने से सड़क में वे अपना निवास बनाते जा रहे हैं, जिससे सड़क दुर्घटना बढ़ती जा रही है। गोवंश दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे है। साथ ही छोटे वाहन चालक भी सड़क दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं, जिससे सैकड़ों लोगों की मृत्यु हो रही है। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि गाय माता का स्वरूप है, उन्हें सड़कों मे खुला ना छोड़ें। आपके आसपास दुर्घटना होने पर तत्काल इसकी सूचना पशु धन विकास विभाग को और गौ सेवा समिति को दे।

गौ सेवा समिति सक्ती उपाध्यक्ष अनुराग चौबे ने लोगों से अपील की है कि आप सभी कम से कम एक रेडियम बेल्ट (रक्षा कवच) अपने पास के गोवंशों को बांधे, जिससे हम उन्हें रोड में होने वाले एक्सीडेंट से बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि रात में गोवंशों का एक्सीडेंट ज्यादातर देखने को मिलता है। क्योंकि रात में गोवंश रोड पर रहते हैं। गाड़ी चालक गोवंशों को दूर से नहीं देख पाते और गोवंश को टक्कर मारकर निकल जाते हैं। इस रेडियम बेल्ट की वजह से हम गोवंश का एक्सीडेंट होने से बचा सकते हैं। किसी भी प्रकार से मदद कर हम गौमाता को सुरक्षित कर सकते हैं। आपका छोटा सा योगदान गोवंश को सुरक्षित रख सकता है।

धान बेचने के बाद पैसे के लिए दर दर भटक रही महिला किसान

कर्ज से परेशान परिवार कर गया पलायन

मुंगेली। जिले के लोरमी क्षेत्र की एक महिला किसान ने धान तो बेचा, लेकिन अब तक उसके खाते में धान के पैसे नहीं आए। महिला पैसे पाने के लिए चिलचिलाती धूप में दफ्तरों के चक्कर काट रही है। हद तो तब पार हो गई, जब कर्ज के बोझ तले दबे उनके परिवार के लोग पलायन कर गए। अब पीड़ित महिला किसान ने कलेक्टर राहुल देव को ज्ञापन सौंपकर गुहार लगाई है।

दरअसल, पूरा मामला मुंगेली जिले के लोरमी क्षेत्र के फुलवारी कला गांव से जुड़ा है। यहां की रहने वाली खेलन बाई नामक महिला किसान कलेक्टर से लिखित में शिकायत दर्ज कराया है, जिसमें कहा है कि उन्होंने धान उपार्जन केंद्र उजियारपुर में 23 जनवरी 2024 को 28 क्विंटल 40 किलो धान बेचा है। जिसकी कुल राशि 61997 ।20 रुपये मेरे खाते में आना है। लेकिन अभी तक नहीं आया है। जिसके चलते आर्थिक समस्याओं का सामना करना तो पड़ ही रहा है, वह बेचे गए धान के पैसे पाने के लिए बैंक से लेकर दफ्तरों का चक्कर काट रही है। लेकिन समस्या का निराकरण नहीं हो पाया है।

वहीं महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि वे लोग कर्ज से लदे हैं और धान की राशि नहीं मिलने के कारण उनके परिवार के लोग पलायन कर रोजी-रोटी कमाने चले गए।

हालांकि, नोडल अधिकारी संतोष ठाकुर से इस मामले को लेकर जब बातचीत की गई तो उन्होंने कहा कि हो सकता है कुछ तकनीकी दिक्कत की वजह से ऐसी स्थिति निर्मित हुई होगी। वे इसके बारे में जानकारी लेकर मामले का कैसे निराकरण होगा, वे इस दिशा में काम करेंगे।

रामानुजगंज एकलव्य आवासीय विद्यालय में बच्चों के स्वास्थ्य से खिलवाड़

बलरामपुर। रामानुजगंज के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में बच्चों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। यहां बच्चों को भोजन के दौरान मिलने वाले अचार के डिब्बे से मरे हुआ मेंढक निकलने के बाद हड़कंप मच गया है। जिसके बाद एकलव्य विद्यालय प्रबंधन पर कई सवाल भी उठ हो रहे हैं।

रामानुजगंज में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में तब हंगामा मच गया, जब भोजन के समय मिक्स अचार के डिब्बे में से अचार की जगह मरा हुआ मेंढक निकला। इसके साथ ही एक्सपायर हो चुके बेसन से बच्चों के लिए पकौड़े बनाकर उन्हें खिलाने की बात भी सामने आई है। हालांकि, यह मामला कितने दिन पहले का है, इसकी जांच कराने और कार्रवाई की बात अधिकारी कह रहे हैं।

एकलव्य विद्यालय की घटना सामने आने के बाद रामानुजगंज एसडीएम देवेन्द्र प्रधान ने कहा, इस मामले की जांच कराई जाएगी। यह मामला कब का है, इसका पता अभी लगाया जा रहा है। जांच में दोषी पाए जाने वाले लोगों पर कार्रवाई किया जाएगा।

एसडीएम देवेन्द्र प्रधान ने कहा एक वाट्सएप वीडियो के माध्यम से मुझे जानकारी मिली है। इसमें जांच कराकर दोषी के विरुद्ध कार्रवाई किया जाएगा।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में भोजन को लेकर बच्चे पहले भी शिकायत कर चुके हैं। लेकिन भोजन को लेकर मिल रही शिकायतों पर अधिकारियों ने कोई संज्ञान नहीं लिया। इसी वजह से आवासीय विद्यालय में लापरवाही और देख रेख के अभाव की वजह से दोबारा ऐसी घटना सामने आई है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

कोर्ट के आदेश के बाद अवैध शराब पर चलाया बुलडोजर

बेमेतरा। बेमेतरा पुलिस ने अवैध शराब पर बुलडोजर चलाया है। दरअसल, पुलिस ने कोर्ट के आदेश बाद 216 प्रकरण में जब्त एक हजार 783 लीटर शराब को नष्ट किया गया। पुलिस ने बेमेतरा जिले के विभिन्न थाना/चौकी में आबकारी एक्ट के प्रकरणों में जब्त शराब को कोर्ट में जमा किया गया था। कोर्ट के आदेश बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट उमेश उपाध्याय, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अनिता कोसिमा रावटे और मोहम्मद जहांगीर तिगाला की उपस्थिति में थाना दाढ़ी के 52 प्रकरण में 307 लीटर 360 एमएल, पुलिस चौकी मारो के 10 प्रकरण में 36 लीटर 180 एमएल, थाना नवागढ के 28 प्रकरण में 91 लीटर 620 एमएल, चौकी कंडरका में 22 प्रकरण में 76 लीटर 860 एमएल, थाना नांदघाट के 34 प्रकरण में 99 लीटर 900 एमएल, चौकी खंडसरा के 21 प्रकरण में 315 लीटर 660 एमएल, थाना बेरला के 49 प्रकरण में 855 लीटर 820 एमएल, कुल 216 प्रकरण में 1 हजार 783 लीटर 400 एमएल शराब को बुलडोजर चलाकर नष्ट किया गया। इन शराब को पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बरामद किया था।

छात्रों पर मधुमक्खियों का हमला, 15 अस्पताल में भर्ती

कोरबा। कोरबा जिले के करतला स्थित स्वामी आत्मानंद विद्यालय में सुबह के समय मधुमक्खियों के झुंड ने अचानक विद्यार्थियों पर हमला कर दिया। इस घटना में 15 विद्यार्थी मूर्छित हो गए। फौरी तौर पर इन सभी को करतला के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। जहां पर उन्हें उपचार दिया गया। प्राचार्य त्रिलोक सिंह ने बताया कि प्राथमिक चिकित्सा के बाद सभी विद्यार्थियों को छुट्टी दे दी गई। बताया जा रहा है कि मंगलवार की सुबह नौ बजे लगभग जब स्कूल लगा। इस दौरान मधुमक्खियों के झुंड ने अचानक स्कूल में मौजूद छात्रों पर हमला कर दिया। इसके बाद बच्चों के बीच चीख पुकार मच गई। शिक्षकों को समझ नहीं आ रहा था कि आखिर हो क्या रहा है। सभी बच्चे और टीचर इधर-उधर भागने लगे। यह नजारा लगभग आधा घंटे तक चलता रहा। किसी तरह बच्चे स्कूल के कमरों में गए और अपनी जान बचाई। लेकिन लगभग 15 छात्र-छात्राओं पर मधुमक्खियों ने हमला घायल कर दिया। इसके बाद तत्काल सभी को करतला स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

आचार संहिता लगने के बाद से पुलिस अलर्ट, लाख रुपये जप्त

राजनांदगांव। आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 के मद्देनजर निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए एमसीपी लगाकर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की लगातार चेकिंग किया जा रही है। इस दौरान शहर के पुराना गंज चौक में पुलिस ने एक युवक के पास से 28 लाख रुपये जब्त किए हैं। घटना सोमवार रात की है, जहां चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक कार से 28 लाख रुपये बरामद किया है। सोमवार देर रात को पुराना गंज चौक राजनांदगांव में एमसीपी लगाकर वाहन चेकिंग के दौरान एक सफेद रंग की मारूति स्वीप्ट कार क्रमांक सीजी 14 सी0-0850 को रोक कर चेक करने पर उक्त वाहन में बैठे दीपक कुमार साहू के कब्जे से 28 लाख रूपये बरामद हुए। इस संबंध वैध कागजात पेश नहीं कर पाने पर बरामद नकदी रकम की सूचना आयकर विभाग राजनांदगांव को दी गई। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में एएसपी राहुल देव शर्मा ने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

कवर्धा में बारिश के बाद नेशनल हाइवे कीचड़ में बदला

कवर्धा। छत्तीसगढ़ में बेमौसम बरसात से लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार रात हुई मुसलाधार बारिश के चलते निर्माणाधीन कवर्धा-बिलासपुर नेशनल हाईवे 130 ए कीचड़ में बदल गया है। यहां से गुजरने वाली गाड़ियां कीचड़ में फंसी हुई है, जिसके चलते एनएच 130 ए में आवागमन रुक गया है। निर्माणाधीन कवर्धा-बिलासपुर नेशनल हाईवे 130 ए से गुजरने वाली गाड़ियां कीचड़ में फंसी है। कुछ गाड़ियां तो स्लिप कर दुर्घटनाग्रस्त भी हो गई है, जिसके चलते सोमवार रात से जाम की स्थिति बनी हुई है। यहां सड़क पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लगी हुई है। कीचड़ की वजह से लोग अपनी ही गाड़ियों में ही फंसकर रह गए हैं। जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। छत्तीसगढ़ के कई जिले में पिछले तीन दिनों से बारिश हो रही है। इस बेमौसम बरसात से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। तीन दिनों से लगातार हुई बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है।

नाली पर बने दुकानों पर चला बुलडोजर

जशपुर। तपकरा-लवाकेरा मुख्य मार्ग में

नाली निर्माण में अवरोध बने दर्जन भर से अधिक पक्के बेजा कब्जा को आज प्रशासन ने बुलडोजर की मदद से हटा दिया। एक दिन पहले ही तपकरा मुख्य मार्ग पर नाली के अभाव को लेकर महिलाओं ने चक्काजाम आंदोलन कर विरोध-प्रदर्शन किया था। इसी विरोध के मद्देनजर आज राजस्व और पुलिस अधिकारियों ने बेजाकब्जा को बल पूर्वक हटा दिया। यहां के बड़े व्यापारियों को राजस्व विभाग ने कई बार नोटिस जारी कर बेजाकब्जा हटाने की खातिर सख्त निर्देश दिए गए थे, लेकिन बेजाकब्जा नहीं हट पा रहा था। प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि तपकरा मुख्य मार्ग पर यह अभियान दूसरे दिन भी जारी रहेगा।

मेकाज में शुरू हुई थोरैकोस्कोपी की जांच, बस्तर संभाग को मिलेगा लाभ

जगदलपुर। मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में थोरैकोस्कोपी मशीन की जांच शुरू की गई है। इस जांच से न सिर्फ बस्तर संभाग बल्कि आसपास के राज्यों से आने वाले मरीजों को भी इसका लाभ मिलेगा। इस जांच को कराने के लिए मरीजों को पहले रायपुर, विशाखापत्तनम या फिर हैदराबाद जाना पड़ता था, लेकिन अब यही इलाज मेकाज में निशुल्क उपलब्ध हो सकेगा।

थोरैकोस्कोपी मशीन के बारे में जानकारी देते हुए असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर अमर दीप टोप्पो ने जानकारी देते हुए बताया कि मेकाज के डीन डॉक्टर यूएस पैकरा के साथ ही अधीक्षक डॉक्टर अनुरूप साहू को धन्यवाद देते हुए बताया कि थोरैकोस्कोपी का उपयोग इमेजिंग परीक्षण (जैसे छाती का एक्स-रे या सीटी स्कैन) पर देखे गए असामान्य क्षेत्र को देखने के लिए किया जा सकता है।

इसका उपयोग लिम्फ नोड्स, असामान्य फेफड़े के ऊतकों, छाती की दीवार, या फेफड़े की परत (फुस्फुस) के बायोप्सी नमूने लेने के लिए भी किया जा सकता है। इसका उपयोग आमतौर पर मेसोथेलियोमा और फेफड़ों के कैंसर वाले लोगों के लिए किया जाता है, इस मशीन का उपयोग मेकाज में शुरू किया गया है। बस्तर संभाग में मेडिकल कॉलेज में इसकी शुरुआत हो चुकी है। इससे पहले मरीजों को रायपुर, विशाखापत्तनम के साथ ही हैदराबाद जाना पड़ता था।

थोरैकोस्कोपी मशीन का उपयोग मरीजों के छाती में भरे पानी को दूरबीन के माध्यम से देखने के साथ ही छाती में भरे मवाद के साथ ही हवा को भी इस मशीन के माध्यम से देखा जा सकता है।

इस मशीन के शुरू होने से बस्तर संभाग के जितने भी निचले तबके ले मरीजों के साथ ही ओड़िसा, तेलंगाना , कोरापुट के अलावा आसपास के मरीजों को इसका लाभ मिलेगा। यह इलाज जहां बाहर 20 से 25 हजार रुपये में होगा, यह बस्तर में निशुल्क होगा। मरीजों का उपचार करने में डॉक्टर अमरदीप टोप्पो, डॉक्टर गरिमा धुव, डॉक्टर जितेंद्र नागरची, डॉक्टर मनोज चंद्रा, डॉक्टर आयुष ताम्रकर, डॉक्टर विनीता के अलावा स्टाफ नर्स मनीषा जुबले आदि कर सकते हैं।

मेकाज से रायपुर रेफर हुए सीएसपी जगदलपुर

जगदलपुर नगर पुलिस अधीक्षक की देर रात तबियत खराब होने के कारण उन्हें मेकाज में भर्ती किया गया। मामले की जानकारी लगते ही पुलिस अधीक्षक भी देर रात अस्पताल पहुंचे, जहां मंगलवार की सुबह उन्हें बेहतर उपचार के लिए रायपुर रेफर कर दिया गया।

मामले के बारे में जानकारी देते हुए आला अधिकारियों ने बताया कि उदित पुष्कर आईपीएस जो वर्तमान में नगर पुलिस अधीक्षक जगदलपुर के पद पर पदस्थ है, सोमवार की रात अचानक से उनके सीने में दर्द होने के कारण मौके पर तैनात जवानों ने आला अधिकारियों को सूचना देते हुए मेकाज में भर्ती किया गया।

डाक मतपत्र, ईडीसी एवं ईटीपीबीएस से मताधिकार का प्रयोग कराने कर्मचारियों को दिया गया प्रशिक्षण

राजनांदगांव। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल की उपस्थिति में कलेक्टोरेट कार्यालय के शक्तिकक्ष में आज डाक मतपत्र, ईडीसी एवं ईटीपीबीएस से मताधिकार का प्रयोग कराने के संबंध में अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अग्रवाल ने कहा कि डाक मतपत्र, ईडीसी एवं ईटीपीबीएस निर्वाचन का कार्य महत्वपूर्ण है। इसे जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करना है। उन्होंने जिले के कर्मचारियों को निर्वाचन ड्यूटी प्रमाण पत्र (ईडीसी) जारी करने के निर्देश दिए। इसके संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए। जिससे कोई समस्या नहीं आएगी। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने मतदानकर्मियों के डाकमत पत्र से मताधिकार प्रयोग करने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सेवा निर्वाचकों को ईटीपीबीएस पोर्टल से डाक मतपत्र जारी करने की विधि बताई। उन्होंने अच्छे से रजिस्टर में एण्ट्री तथा निर्धारित प्रारूप में फार्म भरवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डाक मतपत्र के लिए प्रशिक्षण केन्द्रों में सुविधा केन्द्र स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने निर्वाचन कार्य में तैनात पुलिस विभाग के कर्मचारी के लिए भी डाक मतपत्र जारी करने कहा। उन्होंने परिवहन विभाग के अधिकारी को निर्वाचन के दौरान लगे वाहनों के ड्राईवर एवं अन्य कर्मचारियों का भी डाक मतपत्र जारी करने कहा। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री सीएल मारकण्डेय, डिप्टी कलेक्टर सरस्वती बंजारे सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को झटका, भाजपा में शामिल हुए 1500 से ज्यादा कांग्रेसी

राजिम। लोकसभा चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। आज करीब 1600 कांग्रेस के कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए। सभी ने फिंगेश्वर में आयोजित विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा की सदस्यता ली। राजिम विधायक रोहित साहू के नेतृत्व में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के समक्ष भाजपा की सदस्यता ली। प्रदेश अध्यक्ष ने भगवा गमछा पहनाकर व मिठाई खिलाकर भाजपा में प्रवेश कराया। इनमें दो जिला पंचायत सदस्य सहित सैकड़ों पंच सरपंच शामिल हैं। कार्यक्रम में मंत्री टंक राम वर्मा, महासमुंद लोकसभा सह प्रभारी व पंडरिया विधायक भावना बोहरा, लोकसभा प्रत्याशी रूपकुमारी चौधरी सहित हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महापौर का जाति प्रमाण पत्र अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने किया निलंबित

कोरबा। महापौर राजकिशोर प्रसाद के जाति प्रमाण पत्र को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने निलंबित कर दिया, इसके साथ ही किसी भी प्रकार के हितलाभ के लिए उपयोग करने पर प्रतिबंधित कर दिया गया है। प्रसाद ने वर्ष 2019 में हुए नगर निगम चुनाव के दौरान उक्त जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया था। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा जारी आदेश में उल्लेखित है कि तहसीलदार कोरबा द्वारा पांच दिसंबर 2019 को अनुमोदित अस्थाई जाति प्रमाण पत्र को प्रथम दृष्ट्या संदेहास्पद एवं कपट पूर्वक प्राप्त करने के कारण अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए अंतिम जांच होने तक निलंबित करने तथा अनावेदक राजकिशोर प्रसाद द्वारा किसी भी प्रकार के हित लाभ के लिए उपयोग नहीं किए जाने संबंधी आदेश जारी करने के निर्देश सक्षम अधिकारी को दिया गया है। उक्त आदेश के तहत राजकिशोर प्रसाद द्वारा अस्थाई जाति प्रमाण पत्र को किसी भी प्रकार के हितलाभ के लिए उपयोग करने के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। गौरतलब है कि भाजपा पार्षद ऋतु चौरसिया द्वारा राजकिशोर प्रसाद के अन्य पिछड़ा वर्ग के अस्थाई जाति प्रमाण पत्र को चुनौती दी गई थी।

छग मदरसा बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षाएं अब 14 मई से

रायपुर। छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड रायपुर द्वारा आयोजित हाईस्कूल, हायर सेकेण्डरी पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा 2024 तथा उर्दू अदीब, उर्दू माहिर प्रमाण-पत्र परीक्षा 2024 अब 14 मई 2024 से प्रारंभ होगी। लोकसभा निर्वाचन की घोषणा के बाद पूर्व में जारी समय-सारिणी में संशोधन किया गया है। छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड के प्रभारी सचिव पी.पी. द्विवेदी ने बताया है कि प्रदेश में तीन चरणों में मतदान की घोषणा की गई है। मतदान की तिथियों को दृष्टिगत रखते हुए परीक्षा समय-सारिणी में संशोधन किया गया है। छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षाऐं 14 मई 2024 से प्रारंभ होकर 27 मई 2024 तक जारी रहेगी। परीक्षा का समय प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक निर्धारित है। राज्य के विभिन्न जिलों में परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। हाईस्कूल पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा के अंतर्गत 14 मई को विशिष्ट उर्दू, 16 मई को विज्ञान, 18 मई को सामाजिक विज्ञान, 20 मई को गणित, 22 मई को सामान्य अंग्रेजी/सामान्य संस्कृत, 24 मई को सामान्य हिन्दी के प्रश्न-पत्र होंगे। हायर सेकेण्डरी पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा के तहत 14 मई को सामान्य हिन्दी/सामान्य अंग्रेजी, 16 मई को भूगोल, रसायन, लेखा शास्त्र, 18 मई को अर्थ शास्त्र, गणित, जीव विज्ञान, 20 मई को राजनीति शास्त्र, 22 मई को विशिष्ट उर्दू, 24 मई को समाज शास्त्र, 27 मई को इतिहास, भौतिकी, व्यवसाय अध्ययन के पर्चे होंगे।

छात्राओं ने जाना निवेश के महत्व व वित्तीय निवेश

रायपुर। गुरुकुल महिला महाविद्यालय कालीबाड़ी के वाणिज्य परिषद एवं कंप्यूटर परिषद के संयुक्त तत्वाधान में छात्राओं के लिए दो दिवसीय वित्तीय साक्षरता विषय पर कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्था व एक्सिस बैंक द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित चैतन्य किट्टू ने छात्राओं को निवेश के महत्व, वित्तीय निवेश का अवसर, प्रतिभूति बाजार में निवेश करने की प्रक्रिया और पूर्ण आवश्यकता, प्राथमिक बाजार में कैसे निवेश करना चाहिए इसकी जानकारी दी।

इलेक्टोरल बॉन्ड केस में भाजपा की मान्यता हो खत्म: दीपक बैज

पीएम केयर फंड की भी मांगी जानकारी

रायपुर। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले देश की सियासत इलेक्टोरल बॉन्ड केस में गर्मा गई है। कांग्रेस ने इस मुद्दे को बड़ा सियासी हथियार बनाते हुए बीजेपी पर बड़ा पलटवार किया है। पार्टी ने इसे चुनावी मुद्दा बनाते हुए भारतीय जनता पार्टी की मान्यता को ही खत्म करने की मांग उठा दी है। बीजेपी पर हमलावर होते हुए कांग्रेस यहीं नहीं रुकी। पार्टी ने कहा कि पीएम केयर फंड की जानकारी को भी सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

दीपक बैज ने आरोप लगाया कि इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए भारतीय जनता पार्टी ने देश की बड़ी बड़ी कंपनियों से चंदा लिया और बदले में उनको बड़ी बड़ी छूट और काम दिलवाए। बैज ने आरोप लगाया कि बीजेपी ने ईडी और आईटी के छापों के जरिए व्यापारिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। कंपनी जब दबाव में आ गई तब उनसे इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए भारी भरकम राशि की वसूली की गई।

कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी बड़े बड़े ठेके देने के नाम पर कंपनियों से घूस लेने का काम करती है। पहले छापे मारे जाते हैं फिर फिर उनसे पैसे चंदे के नाम पर वसूला जाता है। पार्टी ने मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट पीएम केयर फंड की जानकारी भी सार्वजनिक करे। सारी जानकारी जब सामने आएगी तो बीजेपी का भ्रष्टाचार खुल कर सामने आ जाएगा।

राजीव भवन में बुलाए गए प्रेस कांफ्रेंस के दौरान दीपक बैज ने चुनावी चंदे से जुड़े कुछ

आंकड़े भी गिनाएं। पार्टी ने मीडिया को बताया कि तीस चंदा देने वाली कंपनियों में से 14 कंपनियों पर छापे की कार्रवाई की गई। बैज ने कहा कि जिन कंपनियों पर छापे की कार्रवाई हुई उनको पार्टी के लिए दान देने के लिए मजबूर किया गया।

कांग्रेस पार्टी ने मीडिया के सामने रखे आंकड़े

मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रा- कंपनी ने 800 करोड़ से अधिक इलेक्टोरल बॉन्ड में पैसे दिए। अप्रैल 2023 में कंपनी ने 140 करोड़ डोनेट किया और बाद उन्हें 14,400 करोड़ की ठाणे-बोरीवली टनल प्रोजेक्ट बनाने की जिम्मेदारी मिल गई।

जिंदल स्टील एंड पावर- कंपनी ने 7 अक्टूबर 2022 को इलेक्टोरल बॉन्ड में 25 करोड़ रुपए दिए और सिर्फ 3 दिन बाद वह 10 अक्टूबर 2022 को गारे पाल्मा 4/6 कोयला खदान हासिल करने में कामयाब रही।

हेटेरो फार्मा और यशोदा अस्पताल- फार्मा और अस्पताल दोनों ने इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से चंदा दिया।

शिरडी साईं इलेक्ट्रिकल्स- इनकम टैक्स विभाग ने दिसंबर 2023 में शिरडी साईं इलेक्ट्रिकल्स पर छापा मारा और जनवरी 2024 में उन्होंने इलेक्टोरल बांड के माध्यम से 40 करोड़ का दान दिया।

फ्यूचर गेमिंग एंड होटल्स- कंपनी ने 1200 करोड़ से अधिक का सबसे ज्यादा दान फ्यूचर गेमिंग एंड होटल्स ने दिया। 2 अप्रैल 2022 को ईडी ने फ्यूचर पर छापा मारा। 5 दिन बाद यानि 7 अप्रैल को उन्होंने इलेक्टोरल बॉन्ड में 100 करोड़ रुपए का दान दिया। अक्टूबर 2023 आईटी विभाग ने फ्यूचर पर छापा मारा और उसी महीने में कंपनी ने इलेक्टोरल बॉन्ड में 65 करोड़ रुपए का दान दिया।

वेदांता कंपनी- कंपनी को 3 मार्च 2021 को राधिकापुर पश्चिम प्राइवेट कोयला खदान मिला। अप्रैल 2021 में उन्होंने चुनावी बांड में 25 करोड़ रुपए का दान दिया।

मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रा- कंपनी को अगस्त 2020 में 4,500 करोड़ का जोजिला सुरंग प्रोजेक्ट मिला। अक्टूबर 2020 में उन्होंने इलेक्टोरल बॉन्ड बांड में 20 करोड़ रुपए का दान दिया।

मेघा कंपनी- कंपनी को दिसंबर 2022 में बीकेसी बुलेट ट्रेन स्टेशन का कॉन्ट्रैक्ट मिला, और उन्होंने उसी महीने 56 करोड़ रुपए का दान दिया।

कांग्रेस में फूटा लेटर बम, पूर्व महासचिव का कोषाध्यक्ष पर 5 करोड़ के गबन का आरोप

रायपुर। साल 2023 में छत्तीसगढ़ की सत्ता से जाने के बाद कांग्रेस के सितारे इन दिनों गर्दिश में चल रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर ईओडब्ल्यू की एफआईआर के बाद अब कांग्रेस पार्टी के ही पूर्व महामंत्री अरुण सिंह सिसोदिया ने अपनी ही पार्टी के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल और बड़े नेताओं के खिलाफ जमकर आरोप लगाए हैं। मामले की जानकारी होने पर दीपक बैज ने कहा कि जो भी शिकवा शिकायत या आरोप है उसे पार्टी फोरम पर रखें। पूर्व महामंत्री अरुण सिंह सिसोदिया ने इसका खुलासा करते हुए पीसीसी चीफ दीपक बैज, राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखा है। सिसोदिया ने कहा कि एड के नाम पर धन के खर्चे को लेकर कांग्रेस आलाकमान को चिट्ठी लिखी गई है। पत्र में पूर्व महामंत्री अरुण सिसोदिया ने कांग्रेस कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल पर कांग्रेस के कोष से 5 करोड़ 89 लाख गबन का आरोप लगाया है। पत्र में ये लिखा गया कि कांग्रेस कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा के बेटे की कंपनी टेसू मीडिय लैब गाजियाबाद की कंपनी को 5 करोड़ 89 लाख रुपये भुगतान करने का आरोप लगाया। साथ ही ये भी लिखा है कि इसके लिए तत्कालीन पीसीसी चीफ मोहन मरकाम व प्रभारी महामंत्री की अनुमति भी नहीं ली गई, और ना ही कोई जानकारी दी गई। अरुण सिसोदिया ने कहा जो लोग कांग्रेस की हार के जिम्मेदार है, कांग्रेस कार्यकर्ताओं में निराशा है। उनकी निराशा को आशा में बदलने के लिए ये पत्र लिखा है। हार के जिम्मेदार लोगों को सक्रिए राजनीति से बाहर करने की मांग की है। पूर्व महामंत्री अरुण सिसोदिया ने पत्र में रामगोपाल अग्रवाल को पार्टी से बाहर करने की मांग की है। लेटर में ये भी लिखा है कि संगठन को किसी भी तरह की आर्थिक सहायता नहीं दी जाती थी। 5 से 10 हजार रुपये के लिए भी तत्कालीन छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा से भी कई बार इसके लिए मांग की गई लेकिन किसी तरह की मदद संगठन को नहीं मिली। जिससे कार्यकर्ताओं में काफी निराशा थी, और यहीं निराशा हार का कारण बनी।

कांग्रेस पर भाजपा अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने कसा तंज

प्रत्याशी तय नहीं कर पा रही कांग्रेस, ये चिंतन का विषय

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के अभी तक प्रत्याशी घोषित नहीं किये जाने पर भाजपा अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने कांग्रेस पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक उंगली बीजेपी की तरफ करती हैं तो तीन उंगली कांग्रेस की तरफ उठता है। कांग्रेस अभी तक प्रत्याशी तय नहीं कर पा रही है। ये कांग्रेस के लिए चिंतन का विषय है। इसके साथ ही किरण सिंहदेव ने प्रदेश के पांच संभागों में कांग्रेस की प्रेस कांफ्रेंस पर निशाना साधा है।

छत्तीसगढ़ बीजेपी के सहप्रभारी नितिन नबीन तीन दिनों के दौरे पर रहेंगे। नितिन नबीन के दौरे को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने कहा कि सभी कमेटियों की बैठक क्रमवार होगी। आगामी रणनीतियों पर चर्चा की जाएगी। कार्यकर्ता सम्मेलन प्रदेश भर में तेज गति से चल रहा है। 5 वर्षों में जो विकास के कार्य ठप पड़े थे वो चालू हो गया है। सभी कार्यकर्ता लोकसभा की दृष्टि से कार्य कर रहे हैं।

पांच संभागों में कांग्रेस की प्रेस वार्ता पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा कि कांग्रेस जिस मुद्दे को लेकर प्रेस वार्ता कर रही है। उसमें परेशानी क्या है, अच्छी प्रक्रिया है। सबको मालूम रहेगा किस पार्टी को कौन कितना सहयोग कर रहा है। कांग्रेस की छटपटाहट है। मोदी सरकार ने पारदर्शिता सरकार दी है। सरकार की हर काम की जानकारी आम जनता तक जाती है।

कलेक्टर गौरव सिंह ने स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

दिए आवश्यक निर्देश, ड्यूटी में आए कर्मचारियों को यथासंभव सुविधा मिले

रायपुर। रायपुर कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह ने सेजबहार स्थित शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय और बीटीआई मैदान शंकर नगर स्थित शासकीय स्कूल में लोकसभा निर्वाचन के लिए बनाए गए स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। साथ ही आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने चुनाव सामग्री के वितरण के लिए बनाई गई व्यवस्था का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पोस्टल बैलेट के संबंध में सारी व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाए, जिन अधिकारियों कर्मचारियों को डाक मतपत्र दिया जाना है, उनकी अंतिम सूची बना ली जाए और समय सीमा के भीतर वितरण किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि सेकंड रेंडमाइजेशन, कमिसनिंग, डाक मतपत्रों के वितरण और वोटर स्लीप के संबंध में टाइम टेबल बना कर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जहां मतगणना होनी है वहीं पर ईवीएम की कमिशनिंग भी की जानी है।

ड्यूटी में आए कर्मचारियों को यथासंभव

सुविधा मिले और कोई तकलीफ ना हो। पोस्टल बैलेट के संबंध में सारी व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाए। रायपुर एसपी संतोष सिंह ने कहा कि स्ट्रांग रूम में तीन स्तर की बेरिकेडिंग की जानी है यह अच्छी तरीके से की जाए ताकि निर्वाचन कार्य सुचारु सरूप से सम्पन्न हो। उन्होंने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने को कहा। साथ ही सामाग्री वितरण सहित अन्य निर्वाचन कार्य के समय स्ट्रांग रूम के आसपास के मार्गों में यातायात सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिए।

बलौदाबाज़ार विधानसभा के लिए सामग्री वितरण केंद्र सत्यनारायण अग्रवाल शासकीय महाविद्यालय तिल्दा और धरसींवा विधानसभा क्रमांक 47, रायपुर नगर पश्चिम विधानसभा क्रमांक 49, रायपुर उत्तर विधानसभा क्रमांक 50 को सामग्री वितरण बी टी आई शंकर नगर से किया जायेगा। साथ ही रायपुर नगर दक्षिण विधानसभा क्रमांक 51, आरंग विधानसभा क्रमांक 52 और अभनपुर विधानसभा क्रमांक 53 के लिए सामग्री वितरण केंद्र शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय सेजबहार होगा। सामग्री वापसी केंद्र बलौदाबाज़ार विधानसभा के लिए कृषि उपज मंडी बलौदाबाज़ार और अन्य सभी विधानसभा क्रमांक 47,48,49, 50,51,52,53 के लिए शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय सेजबहार होगा। विधानसभा केंद्र बलौदबाजार के किए स्ट्रॉंग रूम कृषि उपज मंडी बलौदबाजार तथा अन्य विधानसभा क्रमांक 47,48,49, 50,51,52,53 के लिए शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, सेजबहार रायपुर होगा।

अरुण सिसोदिया के लेटर पर नितिन नबीन का तंज

■ **कहा- ऐसा कोई सगा नहीं जिसे भूपेश ने ठगा नहीं, जिस पार्टी ने सीएम बनाया उसी पार्टी के खजाने पर हाथ साफ किया**

रायपुर। कांग्रेस के पूर्व महामंत्री अरुण सिसोदिया के लेटर को लेकर भाजपा प्रदेश सह प्रभारी नितिन नबीन ने कांग्रेस पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई सगा नहीं जिसे भूपेश ने ठगा नहीं। इस लाइन को हम कहते थे और यह चरितार्थ हुआ है। जिस पार्टी ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया उसमें भी हाथ साफ किया। प्रदेश अध्यक्ष को शिकायत हुई है। यदि निर्णय लेंगे तो उनकी कुर्सी जाएगी। भूपेश और उनके लोगों ने कांग्रेस के खजाने में भी हाथ साफ किया है।

दीपक बैज द्वारा भाजपा की मान्यता रद्द करने की मांग को लेकर नितिन नवीन ने कहा कि अब उनको यही लगेगा कि भाजपा की मान्यता रद्द होगी तभी वह जीवित हो पाएंगे। हमारी पार्टी न्यायालय का सम्मान

करती है। हम न्यायालय के निर्णय के साथ जाते हैं। उन्होंने जनता को ठगने का काम किया। जनता ने उन्हें पूरी तरीके से जवाब दिया है।

राजनांदगांव मामले को लेकर सह प्रभारी ने कहा कि सीएम हाउस से इतना प्यार था, ना कार्यकर्ता से मिले, ना जनता से मिले। अब तो उन्हें झेलना पड़ेगा। उनके पास कोई जवाब नहीं है। ना कार्यकर्ता के पास जाने लायक बचे हैं। ना जनता के बीच जाने लायक बचे हैं। राजनांदगांव में कार्यकर्ताओं ने इसलिए सवाल उठाया। तथाकथित कांग्रेस के लोग आज खुद के कटघरे में खड़े हैं।

कोरबा और बस्तर लोकसभा सीट जीतने की रणनीति पर उन्होंने कहा कि हम 11 की 11 सीटों को टारगेट कर रहे हैं। मोदी की झोली में 400 सीट जानी है। जिसमें छत्तीसगढ़ की 11 की 11 सीट जाएगी। हर सीटों के लिए हमने रणनीति बनाई है। हमारे कार्यकर्ता मुस्तैदी से लोकसभा चुनाव में लग चुके हैं। छत्तीसगढ़ में ऐतिहासिक जीत मोदी जी और विष्णु देव साय की होगी।

इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर नितिन नबीन ने कहा कि कांग्रेस को ऐसा लगता है कि बीजेपी की मान्यता खत्म होगी तब ही वह जीवित हो पाएंगे। न्यायालय का जो भी निर्णय होता है बीजेपी उसका सम्मान करती है। उनका बॉन्ड जो जनता के साथ था वह दिखा। जनता को बुरी तरीके से ठगा इसलिए जनता ने जवाब दिया।

रेलवे स्टेशन से बैरिकेड्स हटाने विकास उपाध्याय ने सौंपा ज्ञापन

रायपुर। रेलवे स्टेशन परिसर में लगे बेरिकेड्स को हटाने के लिए पूर्व कांग्रेस विधायक विकास उपाध्याय ने रेलवे अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा है। लोगों की परेशानियों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि अगर आने वाले समय में बेरिकेड्स को नहीं हटाया गया तो हम इसके लिए उचित प्रयास करेंगे।

रेल मंडल प्रबंधक को ज्ञापन सौंपने के बाद रायपुर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी विकास उपाध्याय ने मीडिया से चर्चा में कहा कि रायपुर रेलवे स्टेशन रोजाना हजारों लाखों लोग आते जाते हैं। बेरिकेड्स लगाए जाने से लोगों को रेलवे स्टेशन में आने-जाने में परेशानी होती है, जिसकी वजह से लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। अगर आने वाले समय में इसे नहीं हटाया जाएगा, तो हम इसके लिए उचित प्रयास करेंगे।

कांग्रेस के पूर्व विधायक ने इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर बीजेपी के आरोप पर कहा कि उसमें ऐसे लोग शामिल हैं, जो भ्रष्टाचार में संलिप्त रहे हैं। भाजपा का चंदा बढ़ता जा रहा है। दुनिया जान चुकी है कि बॉन्ड के नाम से पैसा किसने खाया। टीएमसी को सबसे ज्यादा पैसे मिले। चुनाव के समय टीएमसी भाजपा के साथ मिल जाती है।

बागी विधायकों की पार्टी में वापसी को लेकर विकास उपाध्याय ने कहा हम सभी को समाहित करके चलते हैं, और हमारे ही लोग हैं, जो नाराज होकर पार्टी से गए थे। उस समय स्थितियां अलग थी। जिनमें साहस नहीं है, वह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं। जो गए हैं, वह कांग्रेस पार्टी के ही नेता है। जो साहसी हैं, जिनमें हिम्मत है, जो लड़ना चाहते हैं, वह कांग्रेस पार्टी में आएंगे।

शिवरतन का पूर्व सीएम पर कटाक्ष

■ **कहा- छत्तीसगढ़ में कांग्रेस शासनकाल में कार्यकर्ता घुटते-दबते रहे और अब खुलकर बोल रहे**

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने राजनांदगांव में कांग्रेस के आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में पूर्व सीएम भूपेश बघेल पर निशाना साधा। पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुरेंद्र दाऊ द्वारा भूपेश बघेल के सामने कांग्रेस के शासनकाल को लेकर खरी खोटी सुनाए जाने पर उन्होंने तीखा कटाक्ष किया है। शर्मा ने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले सत्ता-मद में चूर तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आईना भेजकर जिस राजनीतिक अशिष्टता का परिचय दिया था, अब इस लोकसभा चुनाव से पहले उन्हीं भूपेश बघेल को कांग्रेस के एक नेता ने आईना दिखाया है।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शर्मा ने चुटकी लेते हुए कहा कि समय का चक्र हमेशा घूमता है और अपना बोया खुद को ही काटना पड़ता है। कांग्रेस के कार्यकर्ता सम्मेलन में एक दाऊ ने सच बोलकर दूसरे दाऊ को ऐसा आईना दिखाया है कि रायपुर से उम्मीदवारी की चर्चा से डरकर राजनांदगांव भागे बघेल अब राजनांदगांव से भागे-भागे रायपुर आने के लिए विवश हो रहे हैं। शर्मा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री बघेल को अब तो इस सच का सामना करना ही होगा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के पाँच साल के शासनकाल में कार्यकर्ता घुटते-दबते रहे और अब खुलकर बोल रहे हैं। आंतरिक लोकतंत्र की दुहाई देते नहीं अघाती कांग्रेस की विडंबना देखिए कि सच बोलने वाले दाऊ पर ही अब अनुशासनहीनता की तलवार लटकाई जा रही है। यही कांग्रेस का असली राजनीतिक चरित्र है। जहाँ सच बोलने वालों को किनारे कर उनके राजनीतिक जीवन पर ग्रहण लगा दिया जाता है। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शर्मा ने कहा कि यह प्रकरण साबित करता है कि कांग्रेस पार्टी में सिर्फ़ चाटुकारों और परिक्रमा करने वालों की ही तूती बोलती है। प्रश्न यह है कि हमेशा लोकत्रंत की दुहाई देकर घड़ियाली आँसू बहाने वाली कांग्रेस में क्या अब कहीं लोकतंत्र हैं? जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पीड़ा पार्टी फोरम में नहीं सुनी जाती तब संचित आक्रोश इसी तरह फूटता है।

रायपुर में हल्की मध्यम बारिश, गरज-चमक के साथ अंधड़

रायपुर/गोरेला-पेंड्रा-मरवाही। राजधानी रायपुर में मौसम सुहावना हो गया है। रायपुर समेत प्रदेश में हल्की माध्यम बारिश हो रही है। कई जगहों पर गरज-चमक के साथ अंधड़ और ओलावृष्टि हो रही है। इससे लोगों को बढ़ते गर्मी से राहत मिली है। बढ़ती तेज धूप और गर्मी के बीच मौसम सुहावना हुआ है। लोगों को गर्मी से रहत मिली है।

एक चक्रवाती परिसंचरण पश्चिमी विदर्भ और आसपास के क्षेत्र पर स्थित है और समुद्र तल से 1.5 किमी ऊंचाई तक विस्तारित है। एक द्रोणिका झारखंड से ओडिशा होते हुए उतरी तटीय आंधप्रदेश तक समुद्र तल से 0.9 किमी ऊपर बनी हुई है। एक द्रोणिका वायु का असातत्य दक्षिण तमिलनाडु से लेकर पश्चिमी विदर्भ और और आसपास के क्षेत्र में स्थित चक्रवाती परिसंचरण तक आंतरिक कर्नाटक होते हुए इसके औसत समुद्र तल से 0.9 किमी बना हुआ है। इसके प्रभाव से प्रदेशभर में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। वहीं प्रदेश के कई इलाकों में बारिश भी हो रही है।

प्रदेश में बीते दिनों से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। राज्य में लगातार नमी हवाओं का आगमन हो रहा है। इसके प्रभाव से अधिकतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। वहीं ठंडी हवाएं भी चल रही है। रात के तापमान में भी कमी है। रात के समय नमी हवाओं का असर देखने को

मिल रहा है।

तापमान में आई गिरावट

मौसम विभाग के अनुसार, आगमी दो दिनों तक प्रदेश में मौसम ऐसे ही रहने की संभावना है। प्रदेश में गरज चमक के साथ बारिश और वज्रपात होने की संभावना है। इसके साथ ही अंधड़ और ओलावृष्टि की व्यापक गतिविधियां होने की संभावना है। मौसम एक्सपर्ट के अनुसार, आगमी दो दिनों में प्रदेश में अधिकतम तापमान में गिरावट का दौर जारी रहने की संभावना है। इसके सब अधिकतम तापमान में वृद्धि हो सकती है। हालांकि कुछ दिनों तक मौसम ऐसे ही रहने की संभावना है।

जीपीएम में बीते तीन दिनों से मौसम खराब

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले में आज तीसरे दिन भी मौसम में बदलाव देखने को मिला है, जहां अचानक छाए हुए बदल झमाझम बरसने लगी। वहीं कल हुए ओलावृष्टि के चलते काफी किसानों की फसलों के साथ सब्जियों के फसलों का काफी नुकसान हुआ है। मौसम वैज्ञानिक ने मौसम में बदलाव की वजह द्रोणिका के प्रभाव को बताया है।

बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ाई

दरअसल पिछले तीन दिनों से जीपीएम जिले के मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा, जहां पर पिछले दो दिनों में बारिश और ओलावृष्टि के बाद आज फिर मौसम बदला और आसमानों में छाए हुए बादल बारिश बनकर झमाझम बरसने लगे। कल जो ओलावृष्टि हुई उससे किसानों की खड़ी फसल जिसमें डोरी, चार चिरोंजी, चना, गेहूं, महुआ, आम, के साथ सब्जियों की खेती करने वालो किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। उनकी खड़ी फसल ओलावृष्टि के चलते बर्बाद हो गई है। मौसम वैज्ञानिक पेंड्रारोड आर के वैश्य ने जानकारी दी है कि द्रोणिका के प्रभाव के चलते ही मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। कल (बुधवार) के बाद मौसम साफ होने की संभावना है साथ ही कल भी बारिश के साथ कहीं-कहीं ओले भी गिर सकते हैं। उसके बाद मौसम में क्लॉडी रहेगा, जिससे हल्की बारिश होने की संभावना है। जिले में सबसे ज्यादा नुकसान पेण्ड्रा और मरवाही ब्लॉक के किसानों को हुआ है।

चार राज्यों में होगी निर्णायक चुनावी जंग

राजकुमार सिंह

उन्नीस अप्रैल से एक जून के बीच लोकसभा की 543 सीटों के लिए मतदान होगा, लेकिन लगता है कि अगली केंद्र सरकार के लिए चार राज्यों की चुनावी जंग निर्णायक साबित हो सकती है। ये राज्य हैं- महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, बिहार और कर्नाटक। इन राज्यों से लोकसभा के लिए 158 सांसद चुने जाते हैं और पिछले चुनाव में भाजपा अकेले दम 83 सीटें जीतने में सफल रही थी। उसके सहयोगियों की सीटें भी जोड़ लें तो एनडीए ने इनमें से 118 सीटें जीती थीं। आगामी लोकसभा चुनाव में वह प्रदर्शन दोहरा पाना संभव नहीं लगता। कारण भी साफ हैं- पिछले लोकसभा चुनाव से अब तक देश का राजनीतिक माहौल बदला है और समीकरण भी। 48 लोकसभा सीटोंवाले महाराष्ट्र से बात शुरू करें तो पिछली बार एनडीए 41 सीटें जीतने में सफल रहा था। तब भाजपा ने 23 और उसके मित्र दल शिवसेना ने 18 सीटें जीती थीं, लेकिन राज्य में सरकार के नेतृत्व को लेकर हुई तकरार के बाद अब दोनों अलग-अलग पाले में हैं। बेशक शिवसेना में विभाजन के बाद राज्य में उद्धव ठाकरे के नेतृत्ववाली एमवीए सरकार गिर गई। बाद में एनसीपी में भी विभाजन हो गया। दोनों दलों से बगावत करनेवाले गुट अब भाजपा के साथ एनडीए में हैं। एकनाथ शिंदे तो मुख्यमंत्री भी हैं, जबकि अजित पवार उपमुख्यमंत्री। इस राजनीतिक उठापटक के बाद महाराष्ट्र में होनेवाला यह पहला चुनाव होगा। इसलिए चुनाव में ही तय होगा कि शिंदे और अजित पवार के साथ सांसद-विधायकों के अलावा क्रमशः शिवसेना और एनसीपी का जनाधार कितना गया, पर महाराष्ट्र की राजनीति की सामान्य समझ यही कहती है कि उद्धव ठाकरे और शरद पवार के मुकाबले क्रमशः शिंदे और अजित शायद ही चुनाव में कुछ ज्यादा कर पाएं। हां, भाजपा खुद बेहतर प्रदर्शन कर सकती है, पर इसमें संशय है कि वह पिछली बार से भी ज्यादा सीटें जीत पाएगी। इसलिए देखना महत्वपूर्ण होगा कि शिंदे की शिवसेना और अजित की एनसीपी कितनी सीटें जीत पाती हैं तथा ठाकरे और शरद पवार की पार्टियों को सहानुभूति का कितना चुनावी लाभ मिलता है। अगर प्रकाश आंबेडकर की वंचित विकास आघाड़ी भी एमवीए के साथ 'इंडिया' गठबंधन में शामिल होती है, तब भाजपा की मुश्किलें और भी बढ़ सकती हैं। 42 सीटोंवाले प. बंगाल में पिछली बार भाजपा ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को जोरदार टक्कर देते हुए 18 सीटें जीती थीं। 'इंडिया' गठबंधन बन जाने के बावजूद तृणमूल सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ रही है। ऐसे में तृणमूल-भाजपा और कांग्रेस-वाम मोर्चा के बीच दिलचस्प त्रिकोणीय चुनावी मुकाबले में भाजपा पर सीटें बढ़ाने से ज्यादा बचाने का दबाव रहेगा, क्योंकि ममता सरकार के विरुद्ध सत्ता विरोधी भावना के लिए भाजपा से इतर भी एक विकल्प उपलब्ध होगा। जाहिर है, तृणमूल और कांग्रेस-वाम मोर्चा अलग-अलग लड़ कर भी जो सीटें जीतेंगे, वे चुनाव के बाद भाजपा विरोधी खेमे में ही रहेंगी। 40 सीटों वाले बिहार में पिछली बार एनडीए ने 39 सीटें जीत कर लगभग क्लीन स्वीप किया था। बेशक विपक्षी गठबंधन के सूत्रधार नजर आ रहे नीतीश कुमार फिर पाला बदल कर एनडीए में वापस लौट चुके हैं, पर रामविलास पासवान अब नहीं हैं, जिनकी लोक जनशक्ति पार्टी ने छह सीटें जीती थीं। रामविलास के निधन के बाद लोजपा भाई और बेटे की बीच दोफाड़ हो गई। पांच सांसदों के नेता के रूप में भाई पशुपति पारस केंद्र सरकार में मंत्री भी बन गए, जबकि बेटे चिराग ने भाजपा का हनुमान बन कर पिछले विधानसभा चुनाव में नीतीश के जदयू को 43 सीटों पर समेटने में भूमिका निभाई। ऐसा लग रहा है कि भाजपा इस बार चिराग पर दांव लगाएगी। उस सूरत में पशुपति 'इंडिया' गठबंधन का दामन थाम सकते हैं। बेशक चिराग और पशुपति, दोनों के ही जनाधार की चुनावी परीक्षा अभी होनी है, लेकिन ज्यादातर जानकारों का मानना है कि एनडीए के लिए 39 सीटें जीत पाना संभव नहीं लगता. अगर ऐसा होता है तो स्वाभाविक ही 'इंडिया' की सीटें बढ़ेंगी। 28 लोकसभा सीटोंवाले कर्नाटक में पिछले लोकसभा चुनाव के समय भाजपा की सरकार थी और वह अकेले दम 25 सीटें जीती थी। भाजपा समर्थित एक निर्दलीय भी जीता था, लेकिन पिछले साल कांग्रेस के हाथों राज्य की सत्ता से बेदखली के बाद उसके लिए पिछला प्रदर्शन दोहरा पाना नामुमकिन होगा।

नकारात्मक बनाम सकारात्मक प्रचार

ललित गर्ग

लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है और चुनाव का माहौल गरमा रहा है। चुनावों की तारीखें घोषित किए जाने के साथ ही जैसी कि उम्मीद थी, सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बयानबाजी और तेज हो गई। कौरव रूपी विपक्षी दल एवं पाण्डव रूपी भाजपा के बीच इस चुनाव में असली जंग सत्य और असत्य के बीच है। सत्ता पक्ष और विपक्ष की यह नोक-झोंक ही तो लोकतंत्र की खूबसूरती है, यह जितनी शालीन एवं उग्र होगी, लोकतंत्र का यह महापर्व कुंभ उतना ही ऐतिहासिक एवं खास होगा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतन्त्र है और उदार बहुदलीय राजनैतिक प्रणाली का जीवन्त उदाहरण है जिसकी वजह से चुनावों का समय एवं प्रचार विविधतापूर्ण, आक्रामक व रंग-रंगीला होना ही है मगर इसमें कहीं भी कड़वापन, उच्छृंखलता और आपसी रंजिश का पुट नहीं आना चाहिए।

इस बार के चुनाव में जहां भाजपा नेतृत्व अगले 20 वर्षों का विजन पेश कर रहा है, वहीं कांग्रेस नेतृत्व इसे लोकतंत्र बचाने का आखिरी मौका करार दे रहा है। यानी इन चुनावों का फलक पांच साल के काम के आधार पर अगले पांच साल के लिए जनादेश के सामान्य ट्रेंड तक सीमित नहीं रहा। यह चुनाव असल में आजादी के अमृतकाल यानी वर्ष 2047 के लक्ष्य को सुनिश्चित करने वाला है। इस चुनाव में सर्वाधिक चर्चा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनके भावी देश-निर्माण के संकल्प की है। असल में तो इन चुनाव में भाजपा की जीत तो निश्चित मानी जा रही है, लेकिन वह अपने 400 के लक्ष्य को हासिल कर पाती है या नहीं? भाजपा इसके इर्द-गिर्द अपना अभियान चला रही हैं। जबकि विपक्ष जीत का दावा करते हुए भाजपा के इस बड़े लक्ष्य को हास्यास्पद बता रहा है, उनके प्रति अपनी नापसंदगी से परेशान है। भाजपा के पास बड़ा उद्देश्य है, जबकि विपक्ष भाजपा की काट करने के लिये भी प्रभावी मुद्दे नहीं तलाश पा रही है। भाजपा प्रचार में शामिल हैं- आर्थिक विकास, देश और विदेश में सशक्त राष्ट्रवाद, हिंदुत्व, सांस्कृतिक पुनरुत्थान, नया भारत-सशक्त भारत, औद्योगिक क्रांति, दुनिया की महाशक्ति बनना, स्थिरता, शांति। विपक्ष इन ही बड़े उद्देश्यों की आलोचना कर रहा है। मोदी इन चुनावों के महानायक है, परिवर्तनकारी व्यक्ति हैं जो स्थिरता का वादा करते हुए वोट मांग रहे हैं। अपने आलोचकों के लिए, वह एक अत्यंत ध्रुवीकरण करने वाले व्यक्ति हैं।

इस बार का आम चुनाव रोमांचक होने के साथ देश में बड़े परिवर्तन का कारण बनेगा। इस

चुनाव में सभी पार्टियां सरकार बनाने का दावा पेश कर रही हैं और अपने को ही विकल्प बता रही हैं तथा मतदाता सोच रहा है कि देश में नेतृत्व का निर्णय मेरे मत से ही होगा। इस वक्त मतदाता मालिक बन जाता है और मालिक याचक। बस केवल इसी से लोकतंत्र परिलक्षित है। बाकी सभी मर्यादाएं, प्रक्रियाएं हम तोड़ने में लगे हुए हैं। जो नेतृत्व स्वतंत्रता प्राप्ति का शस्त्र बना था, वही नेतृत्व जब तक पुनः प्रतिष्ठित नहीं होगी तब तक मत, मतदाता और मतपेटियां सही परिणाम नहीं दे सकेंगी। आज देश को एक सफल एवं सक्षम नेतृत्व की अपेक्षा है, जो राष्ट्रहित को सर्वोपरि माने। आज देश को एक अर्जुन चाहिए, जो मछली की आंख पर निशाने की भांति भ्रष्टाचार, राजनीतिक अपराध, महंगाई, बेरोजगारी, बढ़ती आबादी, सरकारी खजाने का गलत इस्तेमाल, देश की सीमा-रक्षा आदि समस्याओं पर ही अपनी आंख गड़ाए रखें। इस दृष्टि से सबकी नजरे मोदी पर ही लगी हैं।

मोदी ही अर्जुन की मुद्रा में हैं जो मछली की आंख पर निशाना लगा सके। वे ही युधिष्ठिर है, जो धर्म का पालन करते हुए दिख रहे हैं। जो स्वयं को संस्कारों में ढाल, मजदूरों की तरह श्रम कर रहे हैं। वे आदर्शों एवं मूल्यों के साथ चुनावों में उतरे हैं, राजनीति की चकाचौंध में धृतराष्ट्र बने नेताओं के लिये वे एक चुनौती है। सभी विपक्षी दलों में आंतरिक लोकतंत्र का अभाव है और परिवारवाद तथा व्यक्तिवाद की छाया है। कोई अपने बेटे को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहती है तो कोई अपने बेटे को मुख्यमंत्री के रूप में। किसी का पूरा परिवार ही राजनीति में है, इसलिए विरासत संभालने की जंग भी जारी है। ऐसे में मोदी ही सबसे प्रभावी नेता बन कर सामने आ रहे हैं। महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी जैसे पुराने मुद्दे भी उठाए ही जा रहे हैं, लेकिन वोटर के फैसले में इनकी कितनी भूमिका रहेगी यह अभी स्पष्ट नहीं है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दो-दो यात्राओं से उपजे प्रभाव की परीक्षा भी इन्हीं चुनावों में होनी है। कुल मिलाकर, विपक्ष और सत्ता पक्ष कुछ भी कहे देशवासियों की जागरूक चेतना को देखते हुए यह तय माना जा सकता है कि आम चुनाव का यह लोकतांत्रिक पर्व एक बार फिर देश में लोकतंत्र की जड़ों को गहरा ही करेगा।

विपक्षी दलों ने देश-सेवा के स्थान पर स्व-सेवा में ही एक सुख मान रखा है। आधुनिक युग में नैतिकता जितनी जरूरी मूल्य हो गई है उसके चरितार्थ होने की सम्भावनाओं को इन विपक्षी दलों ने उतना ही कठिन कर दिया गया है। ऐसा लगता है मानो ऐसे तत्व पूरी तरह छा गए हैं। खाओ, पीओ, मौज करो। सब कुछ हमारा है। हम ही सभी चीजों के मापदण्ड हैं। हमें लूटपाट करने का पूरा अधिकार है। हम समाज में, राष्ट्र में, संतुलन व संयम नहीं रहने देंगे। यही आधुनिक चुनावों का घोषणा पत्र है, जिस पर लगता है कि सभी विपक्षी दलों ने हस्ताक्षर किये हैं। भला इन स्थितियों के बीच उन्हें वास्तविक जीत कैसे हासिल हो? आखिर जीत तो हमेशा सत्य की ही होती है और सत्य इन तथाकथित राजनीतिक दलों के पास नहीं है। महाभारत युद्ध में भी तो ऐसा ही परिदृश्य था। कौरवों की तरफ से सेनापति की बागडोर आचार्य द्रोण ने संभाल ली थी।

एक दिन दुर्योधन आचार्य पर बड़े क्रोधित होकर बोले-''गुरुवर कहां गया आपका शौर्य और तेज? अर्जुन तो हमें लगता है समूल नष्ट कर देगा। आप के तीरों में जंग क्यों लग गई। बात क्या है?'' आज लगभग हर राजनीतिक दल और उनके नेतृत्व के सम्मुख यही प्रश्न खड़ा है और इस प्रश्न का उत्तर भी और कहीं नहीं, उन्हीं के पास है। राजनीति की दूषित हवाओं ने हर राजनीतिक दल और उसकी चेतना को दूषित कर दिया है। सत्ता और स्वार्थ ने अपनी आकांक्षी योजनाओं को पूर्णता देने में नैतिक कायरता दिखाई है। इसकी वजह से लोगों में विपक्षी दलों के प्रति विश्वास इस कदर उठ गया है कि चौराहे पर खड़े आदमी को सही रास्ता दिखाने वाला भी झूठा-सा लगता है। आंखें उस चेहरे पर सच्चाई की साक्षी ढूंढ़ती हैं। यही कारण है कि दुर्योधन की बात पर आचार्य द्रोण को कहना पड़ा, ''दुर्योधन मेरी बात ध्यान से सुनो। हमारा जीवन इधर ऐश्वर्य में गुजरा है। मैंने गुरुकुल के चलते स्वयं 'गुरु' की मर्यादा का हनन किया है। हम सब राग रंग में व्यस्त रहे हैं। सुविधाभोगी हो गए हैं, पर अर्जुन के साथ वह बात नहीं। उसे लाक्षागृह में जलना पड़ा है, उसकी आंखों के सामने द्रौपदी को नग्न करने का दुःसाहस किया गया है, उसे दर-दर भटकना पड़ा है, उसके बेटे को सारे महारथियों ने घेर कर मार डाला है, विराट नगर में उसे नपुंसकों की तरह दिन गुजारने को मजबूर होना पड़ा। अतः उसके वाणों में तेज होगा कि तुम्हारे वाणों में, यह निर्णय तुम स्वयं कर लो। लगभग यही स्थिति आज के राजनीतिक दलों के सम्मुख खड़ी है। किसी भी राजनीतिक दल के पास आदर्श चेहरा नहीं है, कोई पवित्र एजेंडा नहीं है, किसी के पास बांटने को रोशनी के टुकड़े नहीं हैं, जो नया आलोक दे सकें। जो मोदी रूपी अर्जुन के देश-विकास के बाणों का मुकाबला कर सके।%%

यह वक्त विपक्षी दलों और उनके उम्मीदवारों को कोसने की बजाय मतदाताओं के जागने का है। आज मतदाता विवेक से कम, सहज वृति से ज्यादा परिचालित हो रहा है। इसका अभिप्रायः यह है कि मतदाता को लोकतंत्र का प्रशिक्षण बिल्कुल नहीं हुआ। सबसे बड़ी जरूरत है कि मतदाता जागे, उसे लोकतंत्र का प्रशिक्षण मिले। हमें किसी पार्टी विशेष का विकल्प नहीं खोजना है। किसी व्यक्ति विशेष का भी विकल्प नहीं खोजना है। विकल्प तो खोजना है भ्रष्टाचार का, अकुशलता का, प्रदूषण का, भीड़तंत्र का, गरीबी के सन्नाटे का, महंगाई का, राजनीतिक अपराधों का। यह सब लम्बे समय तक त्याग, परिश्रम और संघर्ष से ही सम्भव है। धृतराष्ट्र रूपी दलों की आंखों में झांक कर देखने का प्रयास करेंगे तो वहां शून्य के सिवा कुछ भी नजर नहीं आयेगा। इसलिए हे मतदाता प्रभु! जागो! ऐसी रोशनी का अवतरण करो, जो दुर्योधनों के दुष्टों को नंगा करें और अर्जुन के नेक इरादों से जन-जन को प्रेरित करें।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-36)

गतांक से आगे...

अभ्यास एवं वैराग्य का आश्रय आत्म-रहित प्राप्त करके बुद्धिमत्तापूर्वक यत्न से भोग की आकांक्षा को दूर से ही छोड़कर, निर्विकल्प होकर पूर्ण सुखमय जीवन व्यतीत करो। यह मेरा पुत्र मेरा धन मैं यह हूँ मैं वह हूँ, यह मेरा है आदि समस्त वासनायें ही प्रपञ्च फैलाकर भिन्न-भिन्न क्रीड़ा कर रही हैं। तुम अज्ञानी मत बनो, ज्ञानवान् बनो, समस्त सांसारिक भावनाओं को विनष्ट कर दो।

अनात्म विषयों में आत्मभावना से युक्त होकर मूर्खी की तरह क्यों रो रहे हो? यह मांस का पिण्ड, अशुद्ध, मूक, जड़ शरीर तुम्हारा कौन है, जिसके लिए बलपूर्वक दुःख-सुख से अभिभूत हो रहे हो? अरे ! कितना महान् आश्चर्य है कि जो अविनाशी ब्रह्म सत्य है, उसे मनुष्य ने विस्मृत कर दिया है। तुम अपने कर्तृतव्य-कर्मों में सदा लगे रहो। मन को अविद्यादि कर्मों में लिप्त न होने दो। अरे! कितने आश्चर्य की बात है कि कमलनाल के तन्तुओं को रस्सी मानकर उनसे पर्वत आबद्ध कर दिये गये हैं। जो अविद्या अस्तित्व रहित है, उसी के द्वारा यह विविध रूपात्मक जगत् अभिभूत हो रहा है। उस अविद्या के प्रभाव से तृणवत् तुच्छ, जाग्रत, सुषुप्तावस्था आदि तीनों जगत् वज्र के समान दृढ़ परिलक्षित हो रहे हैं।

पुनः महर्षि ऋभु ने कहा-हे पुत्र! मेरे द्वारा कहे वचनों को भली प्रकार सुनो। अज्ञान और ज्ञान इन दोनों की सात-सात भूमिकायें हैं। इनके बीच में अनेक दूसरी भूमिकायें उत्पन्न होती हैं। अहंभाव ही मूल स्वरूप से पृथक् करने वाला है। स्वरूप में अवस्थित होना ही मुक्ति है।

शुद्ध सत्तारूप बोध ही आत्मा का रूप है, जो उस बोध की अवस्था से हटते नहीं, ऐसे साधकों को अज्ञान से पैदा हुए राग-द्वेषादि दूषित विकार प्रभावित नहीं कर पाते।

क्रमशः ...

अंग्रेजों से जमकर लोहा लिया था वीरांगना अवंतीबाई लोधी ने

ब्रह्मानंद राजपूत

भारत में पुरुषों के साथ आर्य ललनाओं ने भी देश, राज्य और धर्म, संस्कृति की रक्षा के लिए आवश्यकता पड़ने पर अपने प्राणों की बाजी लगाई है। गोंडवाने की रानी दुर्गावती और झाँसी की रानी वीरांगना लक्ष्मीबाई के चरण चिन्हों का अनुकरण करते हुए रामगढ़ (जनपद मंडला- मध्य प्रदेश) की रानी वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी ने सन 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजो से खुलकर लोहा लिया था और अंत में भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने जीवन की आहुति दे दी थी। वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी का जन्म 16 अगस्त 1831 को मनकेहणी के जमींदार राव जुझार सिंह के यहां हुआ था। 20 मार्च 1858 को इस वीरांगना ने रानी दुर्गावती का अनुकरण करते हुए युद्ध लड़ते हुए अपने आप को चारों तरफ से घिरता देख स्वयं तलवार भोंक कर देश के लिए बलिदान दे दिया।

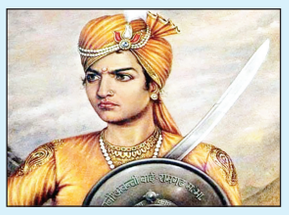

उन्होंने अपने सीने में तलवार भोंकते वक्त कहा कि ''हमारी दुर्गावती ने जीते जी वैरी के हाथ से अंग न छुए जाने का प्रण लिया था। इसे न भूलना। उनकी यह बात भी भविष्य के लिए अनुकरणीय बन गयी। वीरांगना अवंतीबाई का अनुकरण करते हुए उनकी दासी ने भी तलवार भोंक कर अपना बलिदान दे दिया और भारत के इतिहास में इस वीरांगना अवंतीबाई ने सुनहरे अक्षरों में अपना नाम लिख दिया।

आज उसी वीरांगना की शहादत की उपेक्षा देखकर दुःख होता है। कहा जाता है कि वीरांगना अवंतीबाई लोधी 1857 के स्वाधीनता संग्राम के नेताओं में अत्यधिक योग्य थीं। वीरांगना अवंतीबाई लोधी का योगदान भी उतना ही है, जितना 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में वीरांगना झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई का था। लेकिन हमारे देश की सरकारों ने चाहे केंद्र की जितनी सरकारे रही हैं या राज्यों की जितनी सरकारें रही हैं उनके द्वारा हमेशा से वीरांगना अवंतीबाई लोधी की उपेक्षा होती रही है। वीरांगना अवंतीबाई जितने सम्मान की हकदार थीं वास्तव में उनको उतना सम्मान नहीं मिला। इससे देश के इतिहासकारों और नेताओं की पिछड़ा विरोधी मानसिकता झलकती है।

वीरांगना अवंतीबाई लोधी ने वीरांगना झाँसी की रानी की तरह ही अपने पति विक्रमादित्य के अस्वस्थ होने पर ऐसी दशा में राज्य कार्य संभाल कर अपनी सुयोग्यता का परिचय दिया और अंग्रेजों की चूलें हिला कर रख दीं। सन् 1857 में जब देश में स्वतंत्रता संग्राम छिड़ा तो क्रान्तिकारियों का सन्देश रामगढ़ भी पहुंचा। रानी तो अंग्रेजों से पहले से ही जली भुनी बैठी थीं क्योंकि उनका राज्य भी झाँसी की तरह कोर्ट कर लिया गया था और अंग्रेज रेजिमेंट उनके समस्त कार्यों पर निगाह रखे हुई थी। रानी ने अपनी ओर से क्रान्ति का सन्देश देने के लिए अपने आसपास के सभी राजाओं और प्रमुख जमींदारों को चिट्ठी के साथ कांच की चूड़ियां भिजवाईं उस चिट्ठी में लिखा था- ''देश की रक्षा करने के लिए या तो कमर कसो या चूड़ी पहनकर घर में बैठो तुम्हें धर्म ईमान की सौगंध जो इस कागज का सही पता बैरी को दो।

अति उत्साह में भाजपा कहीं गलती ना कर दे!

राकेश सैन

एक कहानी है, देवराज इन्द्र के गजराज अक्सर गन्ने खाने के लिए पृथ्वीलोक पर एक खेत में आते थे। उस खेत का मालिक बहुत परेशान था, क्योंकि फसल का नुकसान तो होता परन्तु उसे चोर के कहीं पदचिन्ह नहीं मिलते। एक रात गुस्साया किसान चोर को पकड़ने के लिए खेत में छिप कर बैठ गया, जब गजराज धरती पर उतरे तो किसान ने उस एरावत की पूंछ पकड़ ली। गजराज घबरा गए और जान बचाने के लिए तुरन्त इन्द्रलोक की ओर उड़ लिए और उसके साथ-साथ किसान भी पूंछ पकड़े उड़ चला। गजराज को चिन्ता हो गई कि जीवित व्यक्ति स्वर्गलोक पहुंचा तो सारी मर्यादा भंग हो जाएगी, तो उसने अपनी पूंछ मुक्त करवाने के लिए खूब मेहनत की। गजरात उड़ते-उड़ते कभी उल्टा-पुल्टा हुए तो कभी शरीर को झटकाया, लेकिन ज्यों-ज्यों झटके लगे किसान की पकड़ त्यों-त्यों मजबूत होती जाए। अब गजराज ने युक्ति से काम लिया और रणनीति बदली। उसने किसान से बातचीत करनी शुरू कर दी। एरावत ने पूछ लिया कि तुम इतने मीठे गन्ने उगाते कैसे हो? अपनी बड़ाई सुन फूल कर कुप्पा हुए किसान ने सारी तकनीक बता दी। बातचीत करते-करते दोनों में मित्रता हो गई। मौका देख कर एरावत ने कहा, आज तक जितने गन्ने मैंने तुम्हारे खेत के खाए हैं चलो मैं महाराज इन्द्रदेव से बोल कर उतना सोना तुम्हें पुरस्कार में दिलवा देता हूं। सोने का नाम सुनते ही किसान इतना खुश हुआ कि ताली बजाने लगा, उसने जैसे ही ताली बजाने के लिए हाथ खोले तो धड़ाम से धरती पर आ गिरा और गजराज महोदय स्वर्गलोक को प्रस्थान कर गए। जो किसान हाथी के साथ संघर्ष के समय विकट परिस्थितियों में भी

उसकी पूंछ पकड़े रहा वह अनुकूल परिस्थिति होते ही धड़ाम से धरती पर आ गिरा। प्रतिकूल परिस्थितियों के खतरे तो सर्वज्ञात हैं परन्तु कहानी बताती है कि अनुकूल हालात भी खतरे से खाली नहीं होते, प्रतिकूल हालातों में इंसान संघर्ष करता है परन्तु महौल बदलेत ही अक्सर असावधान हो जाता है और यहीं चूक कर जाता है।

देश में लोकसभा चुनावों का शंखनाद हो चुका है। आज परिस्थितियां सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पक्ष में बताई जा रही हैं। वर्तमान में द्रुत गति से हो रहा विकास, कुलांचे भरती अर्थव्यवस्था, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता को लक्ष्य बना अग्रसर हो रहा भारत व विदेशी कूटनीतिक मोर्चों पर देश को मिलती सफलता या बात करें सांस्कृतिक उत्थान और साम्प्रदायिक सौहार्द की, तो थोड़ी बहुत नुक्ताचीनी के बाद कमोबेश हर विरोधी भी मान रहा है कि वर्तमान सरकार का कार्यकाल अच्छा रहा है। इन परिस्थितियों से ही तो उत्साहित हो कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अबकी बार चार सौ पार का उत्साही नारा दिया है, सत्ताधारियों की दृष्टि से हर कहीं बम-बम है, बस यहीं से शुरू हो सकता है अनुकूल परिस्थिति के खतरे पैदा होने का क्रम। अतिउत्साही भाजपा को यह विस्मृत नहीं होना चाहिए कि साल 2004 में भी उसके पास नरेन्द्र मोदी व अमित शाह की तरह अटल बिहारी वाजपेयी व लालकृष्ण आडवाणी जैसे करिश्माई नेतृत्व की छत्रछाया थी। उस लोकसभा चुनावों में भारत उदय का आकर्षक नारा दिया गया था, अर्थव्यवस्था व विकास तब भी मृगझुण्डों के साथ चुंगियां भरने की स्पर्धा कर रहे थे परन्तु पार्टी की दृष्टि से परिणाम निराशाजनक रहे। छोटे-छोटे दलों को साथ लेकर कांग्रेस की तत्कालीन अध्यक्षा सोनिया गान्धी ने राजग को ऐसी पटकनी दी कि अगले दस साल तक केंद्र में कांग्रेस की सरकार सत्ता में रही।

माना कि इस तरह की चेतावनी पहली बार नहीं दी जा रही और भाजपा नेतृत्व इस प्रकरण से कुछ सीखा नहीं होगा परन्तु इसके बावजूद भी पार्टी को संघर्ष के मार्ग को हर हालत में पकड़ कर रखना होगा। वैसे भी मोदी-शाह की जुगलबन्दी और अटल-आडवाणी की जोड़ी की कार्यप्रणाली में गांधी जी व सरदार पटेल जैसी भिन्नता सर्वज्ञात है और विपक्ष की डांवाडोल हालत में 2004 दोहराया जाना फिलहाल सम्भव नहीं लगता परन्तु भाजपा को अपनी संघर्षमयी कार्यप्रणाली को बनाए रखना होगा।

देश में केवल भाजपा व वामदलों को ही कार्यकर्ता आधारित दल होने का श्रेय प्राप्त है। कार्यकर्ता के गुणों की पहचान, कार्यकर्ता निर्माण, उसे रुचि व क्षमता अनुसार काम और पूरा सम्मान व इसके साथ जनता से निरन्तर सम्पर्क भारतीय जनता पार्टी की प्रमाणिक कार्यप्रणाली मानी जाती है। पालने से लेकर पार्लियामेण्ट तक पार्टी इसी पद्धति से आगे बढ़ी है। आज चाहे भाजपा को लक्ष्य सरल लग रहा है परन्तु मार्ग इतना भी आसान नहीं है कि लोकसभा में चार सौ सदस्यों को बिना संघर्ष किए शपथ दिलवाई जा सके। चाहे कांग्रेस कमजोर दिख रही है परन्तु तृणमूल कांग्रेस, सपा, डीएमके, एआईएडीएमके, बसपा, आम आदमी पार्टी, पीडीपी, नेशनल कान्फ्रेंस सहित अनेक क्षत्रप अपने-अपने क्षेत्रों में मजबूती के साथ पांव जमाए हुए हैं। कहीं-कहीं इण्डिया गठजोड़ के प्लेटफार्म पर मिल कर ये सूबेदार भाजपा की कड़ी परीक्षा लेने वाले हैं। दूसरी ओर विकसित और आत्मनिर्भरता के मार्ग पर बढ़ रहा भारत बहुत-सी शक्तियों के आंखों की किरकिरी बना हुआ है। जो भारत दुनिया हथियारों की दुनिया का सबसे बड़ा आयातक था वो आज सैन्य सामग्री निर्यात करने लगा है, भला देसी-विदेशी शस्त्रलॉबी इसे कैसे बर्दाश्त कर सकती है? प्रतिबन्ध के बाद से देश में जिन लाखों विदेशी एनजीओ की दुकानदारी बन्द हो गई क्या वे सत्ता परिवर्तन नहीं चाह रही होंगी? इन सबके मद्देनजर भाजपा को कार्यपद्धति पर चलते हुए पूरी शक्ति के साथ चुनावों में उतरना होगा और अनुकूलता के खतरों से सावधान रहना होगा।

आज का इतिहास

1861 अर्जेंटीना का मेंडोना शहर शक्तिशाली भूकंप की वजह से पूरी तरह से तबाह हो गया।
1876 संवैधानिक सुधार के माध्यम से कानूनी प्रभाव लेते हुए, लुई डे गेयर स्वीडन के पहले प्रधान मंत्री बने।
1916 अल्बर्ट आइंस्टीन की किताब जनरल थ्योरी ऑफ रिलेटिवली का प्रकाशन हुआ।
1923 द आर्ट्स क्लब ऑफ़ शिकागो ने पाब्लो पिकासो के संयुक्त राज्य अमेरिका के उद्घाटन की मेजबानी की, जिसमें पाब्लो पिकासो द्वारा ओरिजिनल ड्रॉइंग का शीर्षक दिया गया, जो यू.एस. में आधुनिक कला का प्रारंभिक प्रस्तावक बन गया।
1942 द्वितीय विश्व युद्ध-फिलीपींस भागने के लिए मजबूर होने के बाद, दक्षिण अफ्रीका के टेरीवे में यू.एस.गेंगल डगलस मैकआर्थर ने घोषणा की, ईशाल वापसी।
1944 द्वितीय विश्व युद्ध-चार हजार अमेरिकी मरीन ने बिस्मार्क द्वीपसमूह में एमिरू द्वीप पर एक एयरबेस को आंशिक ऑपरेशन कार्टव्हील के रूप में विकसित करने के लिए लैंडिंग की।
1952 संयुक्त राज्य अमेरिका के सीनेट ने जापान के साथ शांति संधि की पुष्टि की।
1966 नेशनल फिल्म अवार्ड विजेता गायिका अल्का याग्निक का जन्म कोलकाता में हुआ था।
1969 अमेरिका के राष्ट्रपति निक्सन ने वर्ष 1970 में वियतनाम युद्ध की समाप्ति की घोषणा की।
1981 अर्जेंटीना के पूर्व राष्ट्रपति इसाबेल पेरोन को आठ वर्ष की सजा हुई।
1987 एंटीरेट्रोवायरल ड्रग ज़िदोवुदीन एचआईवी और एड्स के खिलाफ इस्तेमाल के लिए स्वीकृत पहली दवा है।
1987 फूड एंड ड्रग एडमिनिशट्रेशन ने एंटी एड्स दवा AZT को मंजूरी दी। अमेरिकी सरकार द्वारा एड्स के इलाज के लिए मंजूरी दी जाने वाली यह पहली दवा थी।
1991 बेगम ख़ालिदा जिया बांग्लादेश की राष्ट्रपति निर्वाचित।
1993 द ट्रबल- इंग्लैंड के वॉरिंगटन में प्रोविजनलआईआरए द्वारा किए गए दो बम हमलों में दो बच्चों की मौत हो गई।

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल क्यों?

उमेश चतुर्वेदी

अब से पहले तक आम चुनावों की घोषणा होने के बाद राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के अभियान में जुट जाते थे। लेकिन वक्त के साथ अब स्थितियां बदल गई हैं। 2019 से विपक्षी दलों के सियासी एजेंडे में एक और काम जुड़ गया है। वह काम है, चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए उसे मोदी सरकार की कठपुतली साबित करना। वर्तमान आम चुनावों के लिए सात चरणों के कार्यक्रम की जैसे ही घोषणा हुई, पिछली बार की तरह एक बार फिर चुनाव आयोग सवालों के घेरे में आ गया। कांग्रेस समेत समूचा विपक्ष लंबे समय तक चलने वाले चुनाव कार्यक्रम के लिए मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को कठघरे में खड़ा कर रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल और तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग को सीधे-सीधे प्रधानमंत्री मोदी का आयोग घोषित कर दिया है। इनका लगता है कि चुनाव आयोग ने इलेक्शन का इतना लंबा शेड्यूल इसलिए बनाया ताकि मोदी और बीजेपी को फायदा मिल सके। लेकिन सवाल यह है कि क्या पहली बार इतनी लंबी अवधि तक चुनाव प्रक्रिया चलने वाली है? इस तथ्य को समझने के लिए अतीत के चुनावों पर निगाह डाल लेते हैं।

साल 2014 का आम चुनाव पूरे नौ चरणों में संपन्न हुआ था। तब पहला मतदान 13 अप्रैल को हुआ था और उस लोकसभा के लिए आखिरी मतदान 12 मई को हुए थे। इसके बाद 16 मई को नतीजे आए थे। तब देश में करीब 81 करोड़ 45 लाख वोटर थे। जब ये आम चुनाव हुए थे, तब मनमोहन सिंह की अगुआई वाली यूपीए की सरकार थी। जिस तरह विपक्ष मौजूदा चुनाव आयोग और चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठा रहा है, उस हिसाब से कह सकते हैं कि तब के चुनाव आयोग ने तत्कालीन सरकार और प्रधानमंत्री के इशारे पर चुनाव प्रक्रिया लंबे समय तक चलाई थी। मौजूदा विपक्षी तर्कों के हिसाब से कह सकते हैं कि तब मनमोहन सरकार चलाने वाली ताकतों के इशारे पर लंबी चुनाव प्रक्रिया इसलिए चली ताकि मनमोहन सरकार के खिलाफ गुस्सा धीरे-धीरे कम होता जाए और उसका फायदा तत्कालीन यूपीए को मिले? साल 2014 की चुनाव प्रक्रिया लोगों को उम्मीदभरी लगी। उसके पहले के तीन दशकों से चूंकि देश अल्पमत की सरकारों को देख रहा था, इसलिए 2014 में भी कुछ ऐसे ही चुनाव नतीजों की उम्मीद लगाए बैठे लोगों की संख्या भी कम नहीं थी। लेकिन 2014 के नतीजों ने तीन दशकों से जारी चुनावी नतीजों की परंपरा को बदल कर रख दिया। इसके बाद कुछ दल जहां चकित नजर आए, वहीं कुछ को इन नतीजों से मिले झटके से उबरने में वक्त लगा।

जैसे ही वे इस झटके से उबरे, उन्होंने ईवीएम पर सवाल उठाना शुरू कर दिया। इसमें 2009 के आम चुनावों के दौरान बीजेपी के एक वर्ग द्वारा ईवीएम पर उठाए गए सवालों को आधार भी बनाया गया। जब 2019 के आम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को पहले की तुलना में ज्यादा समर्थन मिला तो ईवीएम पर सवालों की बौछार भी तेज हुई और चुनाव आयोग पर सवालों के घेरे भी बढ़ते गए। जब चर्चा 2019 के आम चुनावों की चली है तो हमें उस बार की चुनावी प्रक्रिया को भी याद कर लेना चाहिए। तब पहला मतदान 11 अप्रैल को हुआ था, जबकि आखिरी बार 19 मई को वोट डाले गए। तब कुल सात चरणों में मतदान हुआ था। जिसके

नतीजे 23 मई को घोषित किए गए। उस बार करीब नब्बे करोड़ मतदाता थे। इस बार चुनाव आयोग ने 16 मार्च को चुनाव प्रक्रिया और तारीखों की घोषणा की। इस दौरान मीडिया ने लंबे वक्त तक चलने वाली मतदान प्रक्रिया को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार से सवाल भी पूछे। तब राजीव कुमार ने जो कहा था, उसकी ओर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की भौगोलिक स्थिति अलग है। देश का भूभाग बड़ा है। एक ही समय में कहीं बर्फ गिर रही होती है तो कहीं तेज गर्मी पड़ रही होती है। इसी दौरान स्थानीय और महत्वपूर्ण त्यौहार भी होते हैं। इसलिए चुनावी तारीखों का ऐलान करते वक्त भौगोलिक स्थिति और स्थानीय सांस्कृतिक आयोजन और त्योहार आदि का ध्यान रखना पड़ता है।

राजीव कुमार ने इस सवाल के जवाब में यह भी कहा कि चुनाव आयोग का मकसद पूरे देश में स्वच्छ और निष्पक्ष चुनाव कराना है। इसके लिए उसे सुरक्षा बलों की जरूरत होती है। सुरक्षा बलों और पुलिस पर स्थानीय प्रशासन के साथ ही चुनाव की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। बलों को एक जगह से दूसरी जगह भेजने और तैनात करने में वक्त लगता है। इसलिए चुनाव की प्रक्रिया लंबे समय तक चलती है। वैसे ध्यान रखने की बात यह है कि इस बार पिछले आम चुनाव की तुलना में करीब सात करोड़ ज्यादा यानी करीब 97 करोड़ मतदाता हैं। इतनी तो यूरोप की कुल जनसंख्या नहीं है। आंकड़ों के मुताबिक, समूचे यूरोप की जनसंख्या करीब 75 करोड़ ही है। चुनाव आयोग का दावा है कि वह हर वोटर के पास पहुंचना चाहता है और हर राजनीतिक दल या चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी को समान मौका और सहूलियतें मुहैया कराना चाहता है। लंबे वक्त तक चुनाव प्रक्रिया का कार्यक्रम बनाने के लिए चुनाव आयोग कानून व्यवस्था का भी तर्क देता है। मणिपुर की एक लोकसभा का मतदान दो चरणों में होना है। आयोग का कहना है कि स्थानीय स्तर पर कानून व्यवस्था को बनाए रखने और इलाका छोड़कर मजबूरी में अपने मतदान केंद्र से दूर रह रहे लोगों की सहूलियत के लिए उसे ऐसा करना पड़ा है।

विपक्षी दलों, विशेषकर तृणमूल कांग्रेस को पश्चिम बंगाल में सात चरणों में होने वाले चुनावों को लेकर ज्यादा आपत्ति है। उनका तर्क है कि चुनाव आयोग ने ऐसा प्रधानमंत्री मोदी के इशारे पर किया है, ताकि वे हर चरण में प्रचार कर सकें और इसका फायदा बीजेपी को मिल सके। अगर विपक्ष के ही तर्क पर भरोसा करें तो दो बातें साफ होती हैं कि वे प्रधानमंत्री मोदी की छवि और प्रचार की ताकत से आशंकित हैं। इसका मतलब यह है कि पश्चिम बंगाल में विपक्षी दलों को ममता बनर्जी की छवि और ताकत पर भरोसा नहीं है। वैसे पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति कैसी है, यह आए दिन देखने को मिलता रहा है। वहां का स्थानीय प्रशासन जिस तरह काम करता रहा है, वह भी दिखता रहा है। पश्चिम बंगाल के लिए चुनाव कार्यक्रम तय करते वक्त चुनाव आयोग ने इसका भी तो ध्यान रखा होगा। पश्चिम बंगाल के अलावा उत्तर प्रदेश में भी सभी सात चरणों में चुनाव होने हैं। विपक्षी दलों का आरोप है कि ऐसा इसलिए किया गया है, ताकि प्रधानमंत्री हर चरण में जाकर अपने दल का प्रचार कर सकें। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर भारतीय जनता पार्टी की मौजूदा सरकार के बड़े दावे हैं। ऐसे में एक सवाल तो जरूर उठता है कि चुनाव आयोग को क्या यूपी की मौजूदा कानून व्यवस्था पर भरोसा नहीं है जो सात चरणों में चुनाव कराने की जरूरत महसूस हुई? या 80 सीटों पर करोड़ों मतदाताओं के लिए एक साथ व्यवस्था करना आसान नहीं है।

चार चरणों में चुनाव महाराष्ट्र, उड़ीसा और झारखंड में भी होने हैं, जबकि छत्तीसगढ़ और असम में तीन चरणों में होने हैं। इसे लेकर महाराष्ट्र से सवाल उठे हैं, लेकिन ना तो उड़ीसा से और न ही झारखंड से कोई सवाल सवाल उठा है। बेशक नक्सलवाद पहले की तुलना में अब काबू में है, लेकिन झारखंड और उड़ीसा में चार चरणों में होने वाले चुनाव की एक वजह नक्सलवाद का खतरा भी है। इस खतरे को स्थानीय प्रशासन समझता है, शायद यही वजह है कि इन राज्यों की गैर बीजेपी सरकारों ने अब तक सवाल नहीं उठाया है। विपक्षी दलों की ओर से चुनाव आयोग पर उठाए जा रहे सवालों को लेकर एक अवधारणा यह भी बन रही है कि उन्होंने किंचित चुनावी नतीजों को अभी से ही स्वीकार करना शुरू कर दिया है। बहरहाल जनता-जनार्दन का जो फैसला होगा, वह तो चार जून को नतीजों के बाद पता चलेगा। अभी चुनाव प्रक्रिया शुरू ही हुई है। जैसे-जैसे प्रचार अभियान बढ़ेगा, ऐसे ढेर सारे आरोपों के लिए लोगों को तैयार रहना होगा।

गोवा-पुर्तगाली अतीत से सनातन की ओर

विवेक शुक्ला

गोवा की इमेज इस तरह की बनाई जाती रही कि मानो यह भारत में यूरोप का कोई अंग हो। हां, गोवा पर लंबे समय तक पुर्तगाल का नियंत्रण रहा. उसका असर होना लाजिमी है पर अब गोवा अपने सनातन और भारतीय मूल्यों से जुड़ने को बेकरार है। शताब्दियों लंबे विदेशी प्रभाव और हस्तक्षेप के बावजूद गोवा लगातार भारतीय परंपरा के साथ जुड़ा रहा। जिस गोवा के सांस्कृतिक आकर्षण को लेकर कभी एलेक पद्मसी जैसे दिग्गज लेखक कहते थे कि समुद्र के किनारे भारत का यह हिस्सा वेस्टर्न कल्चर का ईस्टर्न गेटवे है, वह गोवा आज सनातन और अध्यात्म के साथ अपने कल्चरल डीएनए पर नाज कर रहा है। गोवा का यह नाज वहां के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत के संकल्प के साथ और मजबूत हुआ है। उन्होंने गोवा के पर्यटन को आध्यात्मिक राष्ट्रवाद का नया टेम्प्लेट दिया है। बेशक, डॉ. प्रमोद सावंत आज जब अपने प्रदेश की परंपरा और संस्कृति के बारे में बात करते हैं तो यह साफ दिखता है कि वे अपने प्रदेश के विकास और समृद्धि के बीज सनातन मूल्य में देखते हैं, भारत की अध्यात्म यात्रा में देखते हैं. राजनीतिक तौर पर देखें तो गोवा वह राज्य है, जहां जनसंघ के जमाने से भाजपा की जड़ें गहरी रही हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अक्सर कहा करते थे कि गोवा ने न सिर्फ पुर्तगालियों के खिलाफ लंबा संघर्ष किया, बल्कि गुलामी के खिलाफ भारतीय मूल्य और संस्कार का शानदार आदर्श भी दुनिया के सामने रखा. गौरतलब है कि अंग्रेजों ने भारत पर करीब दो सौ साल शासन किया, लेकिन गोवा के लोगों ने साढ़े चार सौ साल तक पुर्तगालियों को सहा। इतिहास बताता है कि तमाम प्रतिकूलताओं के बावजूद गोवा भारत का वह हिस्सा है, जहां मंदिरों का पुनर्निर्माण हुआ. 16वीं शताब्दी में जो मंदिर पुर्तगालियों ने नष्ट किया था, उस सप्त कोटेश्वर मंदिर को छत्रपति शिवाजी ने बनवाया। अब जब सावंत सरकार ने छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा बनवाए गए इस मंदिर के पुनरुद्धार का बीड़ा उठाया है तो यह निस्संदेह एक बड़ी सांस्कृतिक पहल है। श्रेय देना होगा वहां के मुख्यमंत्री डॉ. सावंत को कि वे यह सब शोर-शराबे के बजाय धीर और प्रशांत चित्त के साथ कर रहे हैं। उनका संकल्प और उनकी प्रतिबद्धता गोवा के सांस्कृतिक इतिहास का ऐसा आख्यान साबित होने जा रहा है, जिसका मूल्यांकन महज राजनीतिक आधार पर नहीं किया जा सकता। गोवा की निर्माण और वास्तु परंपरा में हिंदू प्रभाव साफ दिखाई देता है। मंगेशी मंदिर, शांता दुर्ग मंदिर, महादेव मंदिर, चंद्रेश्वर भूतनाथ मंदिर, ब्रह्मा मंदिर, महालसा नारायणी मंदिर, महालक्ष्मी मंदिर, सप्तकोटेश्वर मंदिर और कामाक्षी मंदिर हिंदू आस्था से लंबे समय से जुड़े रहे हैं। 1000-1200 साल पहले तक तो स्थिति यह थी कि गोवा की सांस्कृतिक पहचान कोंकण की काशी के रूप में थी।

इलेक्टोरल बॉन्ड्स से कांग्रेस का मकसद पूरा नहीं हुआ

अजय सेतिया

अरविन्द केजरीवाल के दो पुराने साथी थे प्रशांत भूषण और योगेन्द्र यादव। इन दोनों को अरविन्द केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी से बाहर निकाल दिया था, क्योंकि केजरीवाल इन दोनों को खुराफाती और जरूरत से ज्यादा महत्वाकांक्षी मानते थे। ये दोनों ही आजकल राहुल गांधी के सलाहाकार बने हुए हैं। योगेन्द्र यादव ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्राओं का जिम्मा संभाला हुआ है। प्रशांत भूषण सुप्रीमकोर्ट के माध्यम से राहुल गांधी और कांग्रेस की हरसंभव मदद की कोशिश में जुटे हैं। प्रशांत भूषण अहमदाबाद के एनजीओ एडीआर के माध्यम से अक्सर कोई न कोई याचिका लगा कर मोदी सरकार को कटघरे में खड़ा करने के प्रयास में दिखाई देते हैं। अडानी की कंपनियों के शेयरों की कीमतें बढाने के मामले में जब हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आई थी, तब भी याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ही थे।

सरकार को कटघरे में खड़ा करने के लिए चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के क़ानून, इलेक्टोरल बॉन्ड, ईडी संजय मिश्रा के एक्सटेंशन को चुनौती देने जैसी सभी याचिकाएं प्रशांत भूषण ने एडीआर और कांग्रेस की नेता जया ठाकुर का वकील बनकर दाखिल की हैं। राहुल गांधी हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने से पहले ही अडानी के खिलाफ मुहिम चला रहे हैं। उन्होंने लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर दिए अपने भाषण में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अडानी समूह को बेजा फायदा पहुँचाने के कई आरोप लगाए थे। एडीआर के नाम से इलेक्टोरल बांड के खिलाफ याचिका भी प्रशांत भूषण ने दाखिल की थी। इसके अलावा एक याचिका कांग्रेस की नेता जया ठाकुर और एक अन्य याचिका मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की भी थी। राहुल गांधी ऐसा मानते थे कि इलेक्टोरल बांड का बंद ढक्कन खुल गया, तो चुनाव में उनका अडानी कार्ड चल निकलेगा। उन्हें पूरी उम्मीद थी कि अडानी ने ही भाजपा को सबसे ज्यादा चंदा दिया होगा।

सुप्रीमकोर्ट में दाखिल याचिका का उतना ही प्रचार किया गया, जितना अडानी समूह पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट का किया गया था। जिस दिन सुप्रीमकोर्ट ने पारदर्शिता को

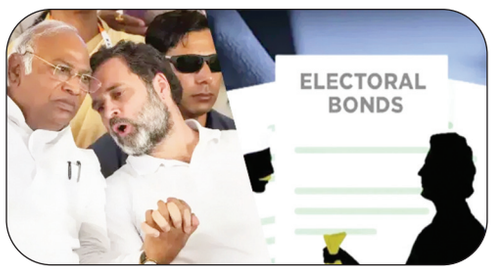

आधार बनाकर इलेक्टोरल बांड को असंवैधानिक करार दिया था, उस दिन विपक्ष ने ऐसी खुशी मनाई थी कि जैसे मोदी के खिलाफ सेमीफाइनल जीत लिया हो। विपक्ष को उम्मीद थी कि राहुल गांधी का यह आरोप सही साबित हो जाएगा कि मोदी अडानी की जेब भर रहे हैं, और अडानी भाजपा की जेब भर रहे हैं। लेकिन 14 मार्च को जब इलेक्टोरल बॉन्ड की बंद मुठ्ठी खुल गई, तो सबके मुहं लटक गए, क्योंकि अडानी ने एक भी इलेक्टोरल बांड नहीं खरीदा था, न अंबानी ने खरीदा था, न टाटा ने खरीदा।

अब नया मुद्दा बनाया जा रहा कि कांग्रेस को तो सिर्फ 1400 करोड़ मिला, लेकिन भाजपा को 6000 करोड़ से अधिक मिल गया। वैसे राजनीतिक हिस्सेदारी के अनुपात से देखें, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं लगता। लोकसभा में भाजपा के सांसद कांग्रेस से छह गुना है, उसे चंदा तो कांग्रेस से पांच गुना भी नहीं मिला। राहुल गांधी आज कल जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी का नारा भी लगा रहे हैं, तो यह नारा चुनावी चंदे पर भी फिट बैठता है। जनता ने जिसको जितनी हैसियत में रखा, चंदा देने वाली कंपनियों ने भी उन्हें उतनी ही हैसियत में रखा। अब अगर लोकसभा की संख्या के हिसाब से देखें, तो कांग्रेस को उसकी संख्या से ज्यादा चंदा मिला है। इसमें कोई शक ही नहीं कि बड़े औद्योगिक घराने अपने हितों को देख कर और संरक्षण के लिए राजनीतिक दलों को चंदा देते हैं, चंदा देने का माध्यम इलेक्टोरल बॉन्ड हो या कोई अन्य माध्यम। चंदा किसी भी माध्यम से दिया जाए, वह है भ्रष्टाचार ही।

कांग्रेस को भी अगर इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम 1400 करोड़ चंदा मिला है, तो वह उन उद्योगपतियों से मिला होगा, जिनकी कंपनियों को राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकारों या महाराष्ट्र और झारखंड की कांग्रेस के समर्थन से चल रही सरकारों से कोई कांट्रेक्ट मिला होगा। इस हमाम में सब नंगे हैं। इसलिए अब यह सवाल कोई नहीं उठाएगा कि तृणमूल कांग्रेस को और भारत राष्ट्र समिति को कांग्रेस से ज्यादा या थोड़ा कम चंदा क्यों और कैसे मिला। कांग्रेस को 1400 करोड़ मिला, लेकिन तृणमूल कांग्रेस को 1600 करोड़ और केसीआर की बीआरएस को 1200 करोड़ मिले। क्योंकि इन दोनों दलों की राज्य सरकारें थीं। नैतिकता का सवाल जितना भाजपा पर खड़ा होता है, उतना ही कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, बीआरएस, डीएके और वाईआरएस कांग्रेस पर भी खड़ा होता है, जिनकी राज्यों में सरकारें थीं, और उन्हें इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से गोपनीय चंदा मिला। अब प्रशांत भूषण इलेक्टोरल बॉन्ड पर यूनिक नंबर नहीं होने को लेकर फिर सुप्रीमकोर्ट में पहुंच गए। सुप्रीमकोर्ट ने इस पर स्टेट बैंक इंडिया को नोटिस भी जारी कर दिया है, जिस पर सोमवार को आगे सुनवाई होगी, लेकिन जब इलेक्टोरल बॉन्ड अवैध ही हो गए, तो स्टेट बैंक वह सब भी उपलब्ध करवा देगा। वह कोई बहुत बड़ा मसला नहीं है। इलेक्टोरल बॉन्ड की बंद मुठ्ठी खुलने से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा को कटघरे में खड़ा करने का कांग्रेस का बड़ा मकसद हल नहीं हुआ क्योंकि अडानी और अंबानी ने भाजपा को इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से चंदा ही नहीं दिया, जिसके लिए वह विभिन्न माध्यमों से सुप्रीमकोर्ट गए थे। प्रशांत भूषण अब इलेक्टोरल बांड के डाटा की चीरफाड़ करके कुछ कंपनियों पर सवाल उठा रहे हैं। जिनमें मेघा इंजीनियरिंग एक है, जिसने 100 करोड़ के बांड खरीदे थे। प्रशांत भूषण का आरोप है कि महाराष्ट्र की भाजपा सरकार ने मेघा इंजीनियरिंग को 14000 करोड़ रूपए का कांट्रेक्ट दिया था। लेकिन क्या इन आरोपों से राहुल गांधी और कांग्रेस का कोई मकसद हल होगा। राहुल गांधी ने पिछले चुनाव में राफेल और अनिल अंबानी को लेकर मुद्दा बनाया था, वह मोदी को चोर कह रहे थे। इस बार वह अडानी को मुद्दा बनाकर देश को गुमराह करने की कोशिश कर रहे थे। इसमें कोई शक ही नहीं है कि राहुल गांधी ने जया ठाकुर से यह सोच कर याचिका दाखिल करवाई थी कि अडानी ने ही मोदी को सबसे ज्यादा इलेक्टोरल बॉन्ड दिए होंगे।

पूर्वोत्तर में क्या होगा सीएए का चुनावी असर?

प्रभाकर मणि तिवारी

केंद्र की भाजपा सरकार ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले नागरिकता (संशोधन) कानून को लागू कर दिया है। लेकिन खासकर पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों में इसके विरोध को देखते हुए यह बहस तेज हो रही है है कि आगामी चुनाव में इसका क्या और कितना असर होगा? पक्ष और विपक्ष इसे लेकर परस्पर विरोधाभासी दावे जरूर कर रहा है। लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों की राय में इस कानून के कारण धार्मिक आधार पर वोटरों के ध्रुवीकरण का अंदेशा है। इसके बारे में अधिसूचना जारी होते ही पश्चिम बंगाल के साथ समूचे पूर्वोत्तर भारत में इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। अंतर यह है कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी सरकार इसके खिलाफ है और पूर्वोत्तर में छात्र और सामाजिक संगठन व विपक्षी राजनीतिक दल। असम में इसकी कमान राज्य के ताकतवर छात्र संगठन अखिल असम छात्र संघ (आसू) के हाथों में है। उसके बैनर तले इस कानून की प्रतियां जलाई गई हैं और मशाल जुलूस निकाले जा रहे हैं। वैसे, दशकों से घुसपैठ की समस्या से जूझ रहे असम में इस कानून के सबसे कड़े विरोध का ठोस कारण है। इस कानून के तहत 31 दिसंबर 2014 से पहले पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत आने वाले हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को भारतीय नागरिकता देने का प्रावधान है।

असम के लोगों को डर है कि इससे पड़ोसी देशों में आने वाले शरणार्थियों की बाढ़ के कारण असमिया लोगों की भाषा, संस्कृति, इतिहास और पहचान खतरे में पड़ जाएगी। यहां इस बात का जिक्र जरूरी है कि करीब चार साल पहले इस कानून के संसद में पेश होने पर भी असम में इसके खिलाफ भारी हिंसा और आगजनी हुई थी। उसमें कई लोगों की मौत हो गई थी और यह राज्य लंबे समय तक कर्फ्यू और अशांति की चपेट में रहा था।

इस कानून का विरोध करने वालों की दलील है कि

यह साल 1985 के उस असम समझौते का उल्लंघन है जिले राज्य के लोगों की जीवन रेखा माना जाता है। उस समझौते में कहा गया था कि 25 मार्च 1971 के बाद असम में अवैध रूप से आने वाले तमाम लोगों को घुसपैठिया मानते हुए राज्य से निकाल दिया जाएगा। इस कानून का विरोध करने वाले संगठनों को आशंका है कि नए नागरिकता कानून से बांग्लादेश से बड़े पैमाने पर आने वाले हिंदू बंगालियों को भारतीय नागरिकता मिलने की स्थिति में राज्य की मूल आबादी अल्पसंख्यक हो जाएगी। आसू के अध्यक्ष उत्पल शर्मा कहते हैं कि केंद्र ने तानाशाही तरीके से नागरिकता कानून थोप दिया है। यह असम समेत समूचे पूर्वोत्तर के लोगों के लिए विनाश की वजह साबित होगा। इलाके के दो अन्य राज्यों-त्रिपुरा और मेघालय में भी छात्र और सामाजिक संगठन इस कानून के विरोध में सड़कों पर उतर आए हैं। इन संगठनों की दलील है कि उक्त कानून के तहत भारी तादाद में नागरिकता हासिल करने वाले लोगों के कारण इलाके में जनसांख्यिकी संतुलन गड़बड़ा जाएगा। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस कानून का विरोध करते हुए कहा है कि यह नेशनल रजिस्टर आफ सिटीजंस (एनआरसी) से जुड़ा है और वो इसे यहां लागू नहीं होने देंगी। ममता ने इस कानून को बंगाल के दोबारा विभाजन का खेल बताया है। ममता इस कानून और इससे होने वाले कथित नुकसान को ही अपना प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाने का प्रयास कर रही हैं। इसके जरिए उनका लक्ष्य भाजपा के मतुआ वोट बैंक में सेंध लगाना है। दरअसल, साल 2019 में इस कानून के संसद में पारित होने के बाद पश्चिम बंगाल में हुए तीन उपचुनावों में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था। साल 2021 के विधानसभा चुनाव पर भी ध्रुवीकरण के तौर पर इसका असर नजर आया था। ममता इस समय भी इस कानून को नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजंस (एनआरसी) से जोड़ते हुए कह रही हैं कि इसके तहत नागरिकता का आवेदन करने वालों को देर-सबेर देश से बाहर खदेड़ दिया जाएगा। हालांकि, पश्चिम बंगाल में एक तबका ऐसा भी है जो इस कानून के लागू होने से बेहद खुशी है। मतुआ समुदाय के यह लोग उत्तर और दक्षिण 24-परगना जिले के अलावा नदिया जिले में भी भारी तादाद में रहते हैं। करीब तीन करोड़ की आबादी वाला यह समुदाय राज्य विधानसभा की कम से कम 50 सीटों पर निर्णायक स्थिति में हैं। इस समुदाय को बीजेपी का समर्थक माना जाता है। यह समुदाय लंबे अरसे से नागरिकता कानून की मांग कर रहा था।

विश्लेषकों के मुताबिक, केंद्र सरकार ने इस कानून के जरिए बंगाल के मतुआ समुदाय और असम में बंगाली बिंदू वोटरों को साधने की कोशिश की है। साल 2011 की जनगणना के अनुसार असम की 3।12 करोड़ की आबादी में 70 लाख से ज्यादा बंगाली हिंदू है। राज्य में असमिया हिंदुओं के बाद बंगाली हिंदू दूसरा सबसे बड़ा हिंदू समुदाय है। इस खतरे को ध्यान में रखते हुए भाजपा इस बात का प्रचार करने में जुट गई है कि इस कानून के लागू होने के बाद असमिया लोगों पर कोई खतरा नहीं पैदा होगा। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा का कहना है कि राज्य में इस कानून का कई खास असर नहीं होगा। अब तक एक भी व्यक्ति ने इसके तहत नागरिकता के लिए आवेदन नहीं किया है। पूर्वोत्तर में विपक्षी कांग्रेस और त्रिपुरा और मेघालय के स्थानीय आदिवासी राजनीतिक दल इस मुद्दे को भुनाने में जुट गए हैं। त्रिपुरा में टिपरा स्टूडेंट्स फेडरेशन की दलील है कि यह कानून आदिवासियों के हितों के खिलाफ है। इससे इस तबके लोग अपने ही घर में बेगाने बनने पर मजबूर हो जाएंगे। मेघालय में तमाम आदिवासी संगठन इस कानून के खिलाफ एकजुट हो गए हैं।

चुनावी मौसम में जरा देखिए बंगाल को, ममता को नकदी बांटने वाली योजनाओं पर भरोसा

बिमल राय

संदेशखाली मामले पर पूरे देश में शर्मसार बंगाल के चुनावी अखाड़े में आखिर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एकला चलो रे का ही रास्ता अपनाया। ममता की प्रधानमंत्री पद की महत्वाकांक्षाएं जब-तब पोस्टरों में दिखती रही हैं और उनके उत्तराधिकारी अभिषेक तो आज भी जनसभाओं में 71 साल की बुआ को पीएम पद के लिए योग्य उम्मीदवार बता रहे हैं। दीदी ने गठबंधन के लिए कांग्रेस की करुण पुकार को अनसुना करते हुए अपने 42 प्रत्याशियों की घोषणा करवा दी। चलिए, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी से गठबंधन की बात को अप्राकृतिक मान लेते हैं, पर उनका उदय तो कांग्रेस से ही हुआ है। तृणमूल को लगता है कि वह अकेले ही पीएम मोदी का अश्वमेध का घोड़ा बांध लेगी। 2019 के चुनाव में कांग्रेस को 5.7 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि 2021 के चुनावों में उसे लगभग तीन प्रतिशत मत मिले। लोकसभा चुनाव में तृणमूल को 43.7 और भाजपा को 40.6 प्रतिशत वोट मिले थे। कांग्रेस का पिछला वोट प्रतिशत भले ही मामूली हो, पर राज्य में लंबी उड़ान भरती दिख रही भाजपा को रोकने की कोशिश या प्रयोग वे कर सकती थीं। वामपंथी दल, खासकर सीपीएम का भी अब तक कांग्रेस से कोई चुनावी तालमेल नहीं हो पाया है। वहां भी यही सवाल बाधा बना हुआ है कि वाम वोट तो कांग्रेस को मिल जाते हैं, पर 35 साल तक विपक्ष में रहकर कामरेडों का चाबुक खाने वाले कांग्रेसी अपने घाव नहीं भुला पाते। हां, मुस्लिमों व दलितों में तेजी से जनाधार बढ़ा रहे इंडियन सेक्युलर फ्रंट और वाम दलों से तालमेल की बात चल रही है। ममता को सबसे ज्यादा भरोसा नकदी बांटने वाली सरकारी योजनाओं पर है। हालांकि संदेशखाली कांड के बाद महिलाओं ने मुखर होकर कहा कि अपनी इज्जत और स्वाभिमान के बदले उन्हें यह राशि नहीं चाहिए। बताया जाता है कि सागरदीघी विधानसभा सीट पर उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के जीतने के बाद क्षेत्र में लक्ष्मी भंडार सुविधा बंद कर दी गई थी और दोबारा यह सुविधा तब चालू हुई, जब वहां से जीते कांग्रेस प्रत्याशी बायरन विश्वास तृणमूल में लौटे। सीएए लागू होने के बाद और घायल होने से पहले ममता ने घुमा-फिराकर मंचों से ही ऐलान किया कि नागरिकता के लिए आवेदन करते ही वे अवैध नागरिक हो जाएंगे और राज्य सरकार की सारी सुविधाएं बंद हो जाएंगी। इधर, भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद सत्ता में आने पर हर महिला को 3-3 हजार रुपये देने का वादा कर रहे हैं। ममता ने केंद्र की ओर से जनकल्याण की योजनाओं का धन रोक देने को चुनावी मुद्दा बनाया है। हालांकि भाजपा इन योजनाओं में भ्रष्टाचार के मामलों को उछाल रही है। प्रधानमंत्री ने अपनी आरामबाग रैली में साफ कहा कि लूटने वालों को लौटाना ही पड़ेगा। भाजपा पूछ रही है कि बंगाल सरकार अदालत क्यों नहीं जाती? हम देख चुके हैं कि केंद्र से पावना के मामले पर केरल हाल ही में सुप्रीम कोर्ट गया और उसे इस मसले का हल मिला। ममता अपनी दूसरी ताकत बहुचर्चित धर्मनिरपेक्षता को मानती हैं। लेकिन बदले माहौल में यह ताकत कमजोरी के तौर पर देखी जा रही है। संदेशखाली मामले में ईडी टीम पर जानलेवा हमला करवाने वाले शेख शाहजहां को 55 दिन तक पकड़ा नहीं गया, उससे तुष्टीकरण की अवधारणा ही बलवती हुई। वैसे कुछ साल पहले ईद मिलन समारोह में सीएम ममता ने जब मंच से कह दिया कि दुधारू गाय की लात भी सही जाती है, तो इसमें छिपाने लायक कुछ रह नहीं जाता। इसके मुकाबले में राज्य की 70 फीसदी हिंदू आबादी के ध्रुवीकरण की भी संभावना बन सकती है। इस बीच, चुनावों की घोषणा के साथ ही राज्य में रक्तपात शुरू हो चुका है। इस माहौल में एक दिन देश ने यह भी देखा कि घर में गिरकर घायल होने के बाद एक सीएम के माथे से बहता खून सूख जाता है और उनकी पार्टी अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इसी तस्वीर को सर्कुलेट करती है।

तेज गर्मी में भी नहीं होगी डिहाइड्रेशन की समस्या, बस लाइफस्टाइल में करने होंगे ये बदलाव

गर्मियों के मौसम में ज्यादातर लोगों को डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है। ये दिक्कत तब होती है जब शरीर में पानी की गंभीर कमी और इलेक्ट्रोलाइट्स की मात्रा में बहुत ज्यादा अंतर होता है। उल्टी आना, डायरिया, ज्यादा पसीना आना, जलन, किडनी की खराबी, और डाईयूरेटिक के इस्तेमाल से डिहाइड्रेशन होता है। हालांकि, लाइफस्टाइल में अगर कुछ आदतों को बदल लिया जाए तो इस समस्या से बचा जा सकता है।

लगातार पानी पीएं

डिहाइड्रेशन को रोकने का सबसे अच्छा तरीका पर्याप्त पानी पीना है। पूरे दिन नियमित अंतराल पर पानी पीना जरूरी है। ध्यान रखिए एक बार में बहुत ज्यादा पानी पीना सही नहीं है, क्योंकि यह किडनी पर दबाव डाल सकता है। कभी-कभी और अपर्याप्त रूप से पानी पीने से आपके शरीर में सोडियम का स्तर बढ़ जाता है जो ब्लडप्रेशर को प्रभावित करता है।

मौसम के मुताबिक कपड़े पहनें

गर्मियों में लू के कारण पसीना आता है जिससे आपको बार-बार प्यास लगती है। डिहाइड्रेशन से बचने के लिए ऐसे कपड़े चुनें जो मौसम के अनुकूल हों। गर्मियों में, हल्के रंग और सूती कपड़े चुनें, जो आपकी स्किन को सांस लेने दें।

मूत्रवर्धकों से दूर रहें

शराब और कैफीन दो सामान्य मूत्रवर्धक हैं, इनकी वजह से पेशाब ज्यादा आता है और डिहाइड्रेशन की दिक्कत हो सकती है। इनसे बचना पूरी तरह से अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। अगर कैफिन युक्त चीजें पीने की बहुत ज्यादा तलब हो तो आप दिनभर में एक या दो कप पर सीमित रहें।

डायट को करें ठीक

अपनी रोजाना की डायट में ज्यादा मात्रा में पानी वाली कच्ची सब्जियों और फलों को शामिल करें। इससे आपके पानी, विटामिन और मिनरल्स का सेवन बढ़ जाता है। चिया सीड्स डिहाइड्रेशन को रोकने के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में इन बीजों को भी अपनी डायट में शामिल करें।

खर्राटों से परेशान है तो करे 4 योगासन, मिलेगा आराम

खर्राटों की आवाज केवल दूसरों की नींद ही खराब नहीं करता बल्कि ये सेहत के लिए भी नुकसानदेह होती है। खर्राटे नींद में कमी का संकेत देते हैं। साथ ही खर्राटे लेने वालों में हाई कोलेस्ट्रॉल और दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा होता है। खर्राटों को अगर आप रोकना चाहते हैं तो इन 4 योगासन को अपने डेली रूटीन में शामिल करें। जिससे खर्राटे की समस्या कम हो सके।

भुजंगासन

भुजंगासन करने से चेस्ट की मसल्स रिलैक्स होती है और खुलती है। जिससे फेफड़े ज्यादा तेजी से सांस ले पाते हैं और क्लियर होते हैं। साथ ही ये आसन शरीर में ऑक्सीजन के फ्लो को बेहतर बनाता है और ब्लड सर्कुलेशन को सही करता है।

धनुरासन

धनुरासन करने से केवल रीढ़ की हड्डी में लचीलापन नहीं आता बल्कि ये डाइजेशन को सुधारने में भी मदद करता है। वहीं जिन लोगों को खर्राटों की समस्या रहती है उन्हें धनुरासन का अभ्यास करना चाहिए। इससे सांस को रेगुलेट करने में मदद मिलती है और चेस्ट की मसल्स खुलती है। जिससे खुलकर सांस लेना आसान हो जाता है।

भ्रामरी प्राणायाम

जिन लोगों को ध्यान और फेफड़े से जुड़ी दिक्कत होती है। उन्हें भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास जरूर करना चाहिए। ये गुस्से और तनाव को दूर करने के साथ ही एकाग्रता बढ़ाने में मदद करता है।

उज्जायी प्राणायाम

उज्जायी प्राणायाम करने से गले और चेहरे की मसल्स को मजबूती मिलती है। साथ ही स्लीप पैटर्न को सुधारने में मदद मिलती है। उज्जायी प्राणायाम दिमाग को शांत करने में भी मदद करता है। इसलिए उज्जायी प्राणायाम को रूटीन में जरूर शामिल करें।

खाना खाने के बाद भूलकर भी ना करें ये काम, सेहत को होते हैं ये बड़े नुकसान

सेहतमंद बने रहने के लिए लोग अकसर नियमित वर्कआउट और अच्छी डाइट लेने की सलाह देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए आपको अच्छी डाइट के साथ भोजन से जुड़े कुछ नियमों का भी पालन करना होता है। जिनकी अनदेखी करने पर आपको सेहत से जुड़े बड़े नुकसान उठाने पड़ सकते हैं। भोजन शरीर को एनर्जी,ताकत और मजबूती देता है। लेकिन खाना खाने के बाद अगर कुछ गलतियां कर दी जाएं तो इससे मिलने वाले सारे फायदे खत्म हो जाते हैं। ऐसे में आइए जान लेते हैं खाना खाने के बाद वो कौन सी गलतियां हैं, जिन्हें करने से व्यक्ति को बचना चाहिए।

खाना खाकर सोना

कई बार दोपहर का खाना खाने के बाद व्यक्ति काफी स्लीपी महसूस करता है। जिसकी वजह से वो खाना खाने के तुरंत बाद लेट जाता है या हल्की नैप ले लेता है। लेकिन ऐसा करना बिल्कुल उचित नहीं है। भोजन करने के तुरंत बाद सोने से खाना सही तरह से डाइजेस्ट नहीं होता है। जिसकी वजह से आपको अपच,पेट फूलना,एसिडिटी व हार्ट बर्न जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

चाय-कॉफी

भोजन के बाद चाय या कॉफी की चुस्की, कई लोगों की आदत होती है। लेकिन चाय और कॉफी में मौजूद टैनिन खाने के पोषक तत्वों के अवशोषण में रुकावट डाल सकते हैं। ऐसे में अपनी इस क्रेविंग को शांत करने के लिए आप हर्बल टी पी सकते हैं।

स्मोकिंग

यूं तो किसी भी समय स्मोकिंग करना सेहत के लिए नुकसानदेह होता है। लेकिन खाना खाने के बाद स्मोकिंग करना सेहत के लिए और भी ज्यादा घातक हो सकता है। ऐसा कहा जाता है कि भोजन के बाद धूम्रपान करना 10 सिगरेट पीने के बराबर होता है।

मीठा खाना

भारत में भोजन के बाद स्वीट डिश खाने का ट्रेंड ज्यादातर घरों में फॉलो किया जाता है। मगर आपकी यह आदत आपके ब्लड ग्लूकोज को तेजी से बढ़ा सकता है। ऐसे में भोजन के बाद मीठा खाने के क्रेविंग को शांत करने के साथ ब्लड शुगर कंट्रोल रखने के लिए डार्क चॉकलेट का एक टुकड़ा या नेचुलर स्वीटनर चुनें।

पानी पीना

खाना खाने के तुरंत बाद एक दो घूंट पानी पी सकते हैं ताकि आहारनली साफ हो जाएं। लेकिन भोजन करने के बाद पेट भरकर पानी पीने से आपके पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचता है। ऐसा करने से पाचन तंत्र को भोजन पचाने में समस्याएं आती हैं जो कि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

क्या रोजे में इफ्तारी के बाद एसिडिटी और गैस से रहते हैं परेशान? ये उपाय देंगे राहत

इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार रमजान का पवित्र महीना चल रहा है। इस पाक महीने में मुस्लिम समुदाय के लोग 13 घंटे की फास्टिंग करने के बाद इफ्तार करते हैं। लेकिन कुछ लोगों को इफ्तारी के बाद एसिडिटी और गैस्टिक की समस्या होने लगती है। एक्सपर्ट के मुताबिक एसिडिटी कमजोर पाचन तंत्र, लंबे समय तक खाली पेट रहने और चाय और कॉफी का अधिक सेवन करने से होती है। दरअसल, लोग जानकारी के अभाव में रोजा खोलते समय कई बार डाइट में कुछ ऐसी चीजें शामिल कर लेते हैं, जिनसे उन्हें एसिडिटी की शिकायत होने लगती है। अगर आप भी इफ्तारी के बाद एसिडिटी या गैस्टिक की समस्या से परेशान रहते हैं तो इससे राहत पाने के लिए अपनाएं ये आसान असरदार उपाय।

रोजा के दौरान एसिडिटी और गैस्टिक की समस्या से बचाएंगे ये टिप्स-

काला नमक-

एसिडिटी से राहत पाने के लिए आप जीरा में काला नमक मिलाकर सेवन कर सकते हैं। जीरे के इस उपाय को करने के लिए जीरा भूनकर दरदरा पीस लें। आधे चम्मच भुने जीरे के पाउडर में चौथाई चम्मच काला नमक मिलाकर गुनगुने पानी के साथ खा लें। इस उपाय को करने से एसिडिटी में राहत मिलेगी।

सौंफ पाउडर-

एक्सपर्ट की मानें तो खट्टी डकार या गले में जलन महसूस होने पर आप एक गिलास गर्म पानी के साथ एक चम्मच सौंफ पाउडर उबालकर पी लें। ऐसा करने से सीने में जलन और खट्टी डकार में राहत मिलने के साथ पाचन में भी सुधार होता है।

दालचीनी-

एसिडिटी से बचने के लिए आप दालचीनी का भी इस्तेमाल कर सकते है। दालचीनी पाचन तंत्र को बेहतर बनाकर भोजन को जल्दी पचाने में मदद करती है। इतना ही नहीं इस उपाय को करने से एसिडिटी खत्म होने के साथ मुंह की बदबू भी दूर होती है। इस उपाय को करने के लिए दालचीनी के साथ लौंग और पिसी हुई इलाइची मिलाकर सेवन करें।

अजवाइन-

अजवाइन का उपाय भी पेट की सेहत को दुरुस्त बनाए रखने में मदद करता है। एसिडिटी या पेट की दिक्कतों से परेशान रहने वाले लोगों को रोजाना अजवाइन का पानी पीना चाहिए। इस उपाय को करने के लिए रात में एक चम्मच अजवाइन को एक गिलास पानी में भिगोकर रखें। इसके बाद सुबह खाली पेट इस पानी को पिएं। इस घरेलू नुस्खे को आजमाने से पेट हेल्दी रहेगा और कई दूसरी समस्याएं भी दूर होंगी।

बच्चों में है ज्यादा मीठा खाने की आदत, तो तुरंत अपना लें ये खास टिप्स

मीठा खाना हर किसी को पसंद होता है. चाहे वह मिठाई हो, चॉकलेट हो या फिर कोई भी मीठा व्यंजन. लेकिन जरूरत से ज्यादा मीठा खाना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है. बात करें छोटे बच्चों की तो उनमें मीठा खाने की लत लग जाती है, जिससे कई सारी बीमारियों का खतरा होता है. मां-बाप चाहे कितनी भी कोशिश कर ले लेकिन बच्चा मीठा खाएं बिना रहता नहीं है. ऐसे में कई माता-पिता परेशान रहते हैं. आप भी बच्चों के मीठा खाने से परेशान है, तो यह खबर आपके लिए है.

ज्यादा मीठा सेहत के लिए खतरनाक

मीठे का नाम सुनते ही हमारे मुंह में पानी आने लगता है. लेकिन ज्यादा मीठा खाना हमारी सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है. छोटे बच्चे अधिक मात्रा में मीठा खाते हैं, जिससे उनका वजन बढ़ने लगता है और कम उम्र में ही उन्हें बीमारियों का सामना भी करना पड़ सकता है. यही नहीं ज्यादा मीठा खाने से भविष्य में डायबिटीज जैसी बीमारी होने का खतरा बना रहता है. बच्चे जब जरूरत से ज्यादा चॉकलेट, टॉफी या मिठाई खा लेते हैं, तो उनके दांत सड़ने लग जाते हैं, जिससे धीरे-धीरे बच्चा बीमार होने लगता है. इसलिए मीठे का सेवन करते समय सावधानी बरतनी चाहिए.

मीठा खाने से मिलेगा छुटकारा

मीठा खाने की लत आसानी से नहीं छूटती, इसके लिए धीरे-धीरे शुरुआत करनी पड़ेगी. छोटे बच्चों को मीठा खाने की इच्छा होने पर आप उन्हें दही, फल या जूस का सेवन करा सकते हैं, ऐसा करने से उनका पेट भरा हुआ रहेगा साथ ही बच्चों की मीठा खाने की इच्छा भी कम हो जाएगी. कभी-कभी हम भावनाओं में आ कर बच्चों को चॉकलेट दे देते हैं, लेकिन ऐसा करना बेहद गलत है. इसलिए कोशिश करें कि अपनी भावनाओं को समझें और मीठे पर कंट्रोल करें. इसके अलावा आप अपने घर में मौजूद जितने भी मीठे पदार्थ हो, उन्हें किसी को दे दें. इससे मीठे व्यंजन नजर में नहीं आएंगे और बच्चे जिद भी नहीं करेंगे. इन सरल उपाय को कर आप धीरे-धीरे मीठे पर कंट्रोल कर सकते हैं.

रोजाना मेकअप करना सही या गलत? क्या इससे स्किन पर पड़ता है असर?

मेकअप करना महिलाओं की पहली पसंद होता है. जो उनकी सुंदरता को निखारता है. लेकिन क्या आप जानते हैं रोजाना मेकअप करने से हमारी स्किन पर किस प्रकार का असर पड़ता है? अगर नहीं जानते हैं, तो यह खबर आपके लिए है. लंबे समय तक त्वचा पर मेकअप लगाएं रखना स्किन पर प्रभाव डालता है. इस आर्टिकल में हम बताएंगे किस तरह मेकअप स्किन के लिए खतरनाक हो सकता है.

स्किन पर पड़ता है सकारात्मक प्रभाव

स्वाभाविक है कि मेकअप करने से महिलाओं की सुंदरता बढ़ जाती है. लेकिन यही मेकअप कब आपकी स्किन डैमेज कर देता है, आपको पता भी नहीं चलता है. आजकल इस फैशन के दौर में छोटी-छोटी लड़कियां भी रोजाना मेकअप करती है, कम उम्र में रोजाना मेकअप

भविष्य में स्किन खराब कर सकता है. रोजाना मेकअप करने के कई सारे नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं. इसके प्रयोग से त्वचा पर नुकसान हो सकता है और कई स्किन से संबंधित समस्याएं हो सकती है.

स्किन के लिए मेकअप है खतरनाक

रोजाना मेकअप करना अब महिलाओं की आदत बन गया है. मेकअप लगाने से त्वचा के पोर्स बंद हो जाते हैं, जिससे स्किन सेल डैमेज होने लगते हैं. यही नहीं फेस पर मुंहासे, पिंपल्स और एलर्जी जैसी समस्याएं होने लगती है, जिससे पूरा फेस लाल होने लगता है. रोजाना मेकअप त्वचा को सांस लेने में दिक्कत दे सकता है. इसके अलावा इससे स्किन का रंग फीका होने लगता है. बाजार में मिलने वाले कुछ मेकअप में केमिकल होने की वजह से स्किन से संबंधित समस्याएं होने लगती है.

अपनाएं ये टिप्स

1. रोजाना मेकअप करने के बदले आप कभी-कभी मेकअप करें.
2. भारी मेकअप के बदले आप हल्का मेकअप करें, जिससे त्वचा को नुकसान नहीं पहुंचेगा.
3. मेकअप हटाने के लिए मेकअप रिमूवर का इस्तेमाल करें.
4. अगर आप रोजाना मेकअप करती हैं, तो सोने से पहले पूरा फेस साफ करके सोए.

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

राष्ट्रपति ने किया तेलंगाना की राज्यपाल का इस्तीफा स्वीकार

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तेलंगाना की

राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। राष्ट्रपति भवन ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति ने ''नियमित नियुक्ति होने तक झारखंड के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन को अपने कर्तव्यों के अतिरिक्त तेलंगाना के राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल के रूप में कार्यों का निर्वहन करने के लिए नियुक्त करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है।'' सौंदरराजन ने सोमवार को पद से इस्तीफा दे दिया था। वह पुडुचेरी की उपराज्यपाल भी थीं। उन्होंने कहा था, ''मैंने अपनी मर्जी से इस्तीफा दिया है क्योंकि मेरी इच्छा सीधे जनता की सेवा करने की है। मैं खुद को जनता की सेवा में समर्पित करना चाहती हूं।'' सौंदरराजन ने उन खबरों के बीच इस्तीफा दिया है कि उनकी तमिलनाडु से आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने की योजना है। सौंदरराजन ने 2019 में भाजपा के टिकट पर दक्षिणी तमिलनाडु की तुत्तुकुडि सीट से संसदीय चुनाव लड़ा था।

पशुपति पारस ने केंद्रीय मंत्रिमंडल से दिया इस्तीफा

नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री का पद संभाल रहे पशुपति कुमार पारस ने मंगलवार को एनडीए से अपना गठबंधन खत्म कर लिया और इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी प्रमुख लोकसभा चुनाव के लिए बिहार में सीट बंटवारे के मुद्दे पर उनकी पार्टी को उचित तरजीह नहीं देने के लिए भाजपा नेतृत्व से नाराज थे और उन्होंने कहा कि भाजपा नेतृत्व को अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा, मैंने अपना इस्तीफा भेज दिया है। एनडीए की सीटों की घोषणा हो गई है। मैं अब भी प्रधानमंत्री का आभारी हूं लेकिन मेरे और मेरी पार्टी के साथ अन्याय हुआ। पशुपति कुमार पारस ने कहा कि कल, एनडीए गठबंधन ने बिहार लोकसभा के लिए 40 उम्मीदवारों की सूची की घोषणा की। हमारी पार्टी के पांच सांसद थे और मैंने पूरी ईमानदारी से काम किया। हमारे और हमारी पार्टी के साथ अन्याय हुआ है। इसलिए मैं केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा देता हूं।

बेल को राहत न समझे आम आदमी पार्टी : संबित पात्रा

नईदिल्ली। ईडी ने पहली बार अपनी प्रेस विज्ञप्ति में शराब नीति घोटाले में गिरफ्तार आरोपियों के साथ अरविंद केजरीवाल का भी नाम लिया है। दिल्ली शराब घोटाले में ईडी ने केजरीवाल के खिलाफ बड़ा दावा किया है कि कविता और केजरीवाल ने मिलकर साजिश रची। बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने आप पर निशाना साधते हुए कहा, ईमानदार लोग जांच की बात करते थे, सीएम अरविंद केजरीवाल समन से भाग रहे हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल समन के नाम पर डरा रहे हैं। बेल को राहत समझने की कोशिश न करें। नौ समन पर 18 बहाने लगा रहे हैं। पात्रा ने कहा कि वो लोग जो हर दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दूसरों पर इल्जाम लगाते थे और कहते थे कि आप जांच कराइये और जांच के बाद चुनावी मैदान में उतरिये। आज वो लोग समन से भाग रहे हैं, आज वो लोग समन से डर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विगत 6 महीनें में अरविंद केजरीवाल को लगभग 9 समन दिए जा चुके हैं।

पश्चिम बंगाल के नए डीजीपी होंगे संजय मुखर्जी

कोलकाता। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के नए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पद पर संजय मुखर्जी की नियुक्ति की। आयोग ने एक प्रेस रिलीज जारी कर यह जानकारी दी है। आयोग ने सोमवार को ही पश्चिम बंगाल के डीजीपी राजीव कुमार को हटाकर विवेक सहाय को नियुक्त किया था। हालांकि, इसके 24 घंटे के अंदर मंगलवार को ही विवेक सहाय को पद से हटा दिया गया। चुनाव आयोग ने बंगाल सरकार को उनके स्थान पर संजय मुखर्जी को नियुक्त करने का निर्देश दिया। एक वरिष्ठ अफसर ने बताया कि सहाय को वरिष्ठता क्रम के आधार पर नियुक्त किया गया था। लेकिन वह लोकसभा चुनाव खत्म होने से पहले मई के पहले सप्ताह में सेवानिवृत्त हो रहे थे, इसलिए आयोग ने मुखर्जी को डीजीपी नियुक्त करने को कहा है। निर्वाचन आयोग ने राज्य को फैसले को तत्काल लागू करने और मंगलवार शाम पांच बजे तक नियुक्ति की पुष्टि करने के निर्देश दिए हैं।

हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन भाजपा में शामिल

रांची। लोकसभा चुनाव से पहले झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन को बड़ा झटका लगा है। जेएमएम की पूर्व विधायक और झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन बीजेपी में शामिल हो गईं। जामा की विधायक सीता सोरेन ने परिवार पर कई आरोप लगा दी। सीता ने कहा कि उन्हें और उनके परिवार को नजरअंदाज किया जा रहा है। पार्टी सुप्रीमो और अपने ससुर शिबू सोरेन को लिखे इस्तीफा पत्र में सीता ने कहा कि उनके पति दुर्गा सोरेन के निधन के बाद पार्टी उन्हें तथा उनके परिवार को पर्याप्त सहयोग मुहैया कराने में नाकाम रही। सीता ने कहा कि वह उपेक्षित महसूस कर रही थी और उन्होंने भारी मन से पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने का फैसला किया है। सीता सोरेन ने भाजपा में शामिल होने से कुछ घंटों पहले ही झामुमो को छोड़ दिया था और दावा किया था कि झारखंड के सत्तारूढ़ दल में उनकी उपेक्षा की जा रही थी।

तमिलनाड में बोले प्रधानमंत्री- आज मोदी के साथ सुरक्षा कवच बन कर खड़ी है नारी शक्ति

जानबूझकर हिंदू धर्म का अपमान करता है विपक्ष : मोदी

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिन पास के कोयंबटूर में एक रोड शो के बाद मंगलवार को तमिलनाडु के सलेम में एक रैली को संबोधित किया। सार्वजनिक बैठक में पीएमके संस्थापक एस रामदास सहित गठबंधन दलों के नेताओं ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि आज हमारा पूरा देश तमिलनाडु में भाजपा को मिल रहे अपार जनसमर्थन और प्यार को देख रहा है। लोग भाजपा को लेकर उत्साहित हैं और यही बात भारतीय गठबंधन को परेशान कर रही है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु ने तय कर लिया है कि 19 अप्रैल को हर वोट बीजेपी को, एनडीए को जाएगा। तमिलनाडु ने तय कर लिया है कि अबकी बार, 400 पार।

मोदी ने हुंकार भरते हुए कहा कि विकसित भारत के लिए हमें 400 पार की जरूरत है। विकसित तमिलनाडु के लिए हमें 400 पार की जरूरत है। आत्मनिर्भर भारत के लिए हमें 400 पार की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज मुझे ऑडिटर रमेश की याद आ रही है। वह हमारी पार्टी के समर्पित नेता थे। वह एक महान वक्ता और बहुत मेहनती व्यक्ति थे। मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ! विपक्ष पर वार करते हुए मोदी ने कहा कि अभी तो चुनाव अभियान की शुरुआत हुई है। लेकिन इंडी एलायंस के प्लान मुंबई में हुई उनकी पहली रैली में ही खुलकर सामने आ गए हैं। ये कह रहे हैं कि हिंदू धर्म की जिस शक्ति में आस्था होती है, उन्हें इस शक्ति का विनाश करना है। हिंदू धर्म में शक्ति किसे कहते हैं, ये तमिलनाडु का हर व्यक्ति जानता है।

भाजपा नेता ने कहा कि इंडी एलायंस वाले लोग बार-बार, जानबूझकर हिंदू धर्म का अपमान करते हैं। हिंदू धर्म के खिलाफ इनका हर बयान बहुत सोचा समझा हुआ होता है। आप देखिए, और किसी धर्म का अपमान डीएमके और कांग्रेस का इंडी एलायंस नहीं करता, किसी और धर्म के खिलाफ इनकी जुबान से एक शब्द नहीं निकलता। लेकिन हिंदू धर्म को गाली देने में ये एक सेकंड नहीं लगाते। उन्होंने कहा कि हमारे शास्त्र साक्षी हैं कि विनाश उनका होता है, जो शक्ति को खत्म करने का विचार रखते हैं। ऐसे खतरनाक विचारधारा को हराने की शुरुआत 19 अप्रैल को सबसे पहले मेरा तमिलनाडु करेगा। उन्होंने कहा कि आज नारी शक्ति मोदी के साथ उसका सुरक्षा कवच बन कर खड़ी है! उन्होंने कहा कि हिन्दू धर्म में शक्ति का अर्थ है मातृ शक्ति, नारी शक्ति...लेकिन, कांग्रेस और डीएमके का भारतीय गठबंधन कह रहा है कि वह इस शक्ति को नष्ट कर देगा! उन्होंने कहा कि मोदी, देश की नारीशक्ति की हर परेशानी के आगे ढाल बनकर खड़ा है। महिलाओं को धुआं मुक्त जीवन देने के लिए हमने उज्ज्वला एलपीजी गैस कनेक्शन दिए, हमने फ्री मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए आयुष्मान योजना शुरू की। इन सभी योजनाओं के केंद्र में नारीशक्ति ही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार तमिलनाडु में विकास और समृद्धि सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। नि:शुल्क चिकित्सा उपचार से लेकर घरों में नल के पानी के कनेक्शन प्रदान करने तक, नि:शुल्क राशन सुविधाओं से लेकर मुद्रा योजना के माध्यम से तमिलनाडु की महिलाओं को लाभान्वित करने तक, हमने सर्वोत्तम देना, सर्वोत्तम सेवा देना सुनिश्चित किया है।

मोदी ने केरल के पलक्कड़ में किया रोड शो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार, 19 मार्च को केरल के पलक्कड़ जिले में एक रोड शो किया। रोड शो सुबह 10:45 बजे कोट्टामैदान अन्चुविलक्कू से शुरू हुआ, जो शहर के मुख्य डाकघर की ओर बढ़ा। मोदी के रोड शो से पहले भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार शाम कस्बे में बाइक रैली निकाली। मोदी का पलक्कड़ रोड शो 15 मार्च को पथानामथिट्टा शहर में एक सार्वजनिक बैठक में उनकी हालिया भागीदारी के बाद हुआ, जहां उन्होंने दक्षिणी केरल निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ रहे एनडीए उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटाया। मोदी लगातार तीन दिन से दक्षिण के दौरे पर हैं।

पीएम मोदी के रोड शो के दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, यह रोड शो एक बड़ी सफलता है। लोगों ने खुले दिल से पीएम मोदी का स्वागत किया और उनका अभिवादन किया। जनता और पार्टी के कार्यकर्ताओं में बहुत उत्साह है। जनता एलडीएफ और यूडीएफ से तंग आ चुकी है। अब केवल पीएम मोदी से उन्हें उम्मीद है।

पलक्कड़ लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार कृष्णकुमार ने कहा कि मैं ये चुनाव लड़ने के लिए तैयार हूं। यहां पीएम मोदी के दौरे को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। हम राज्य में दो अन्य (राजनीतिक) मोर्चों से काफी आगे हैं। इस बार केरल में बदलाव होगा और यह नतीजों में दिखेगा। प्रधानमंत्री ने इस साल कई बार दक्षिणी राज्य का दौरा किया। उन्होंने केरल के प्रसिद्ध मंदिरों का भी दौरा किया है। इससे पहले सोमवार को प्रधानमंत्री ने कर्नाटक के शिवमोग्गा और तमिलनाडु के कोयंबटूर का दौरा किया। पीएम मोदी ने राज्य की कांग्रेस शासित सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, कांग्रेस नेता केवल सफेद झूठ बोलने में सक्षम हैं। कर्नाटक कांग्रेस में कई सीएम पद के दावेदार हैं जो अपनी अक्षमता के लिए मोदी और केंद्र सरकार को दोषी ठहराते रहते हैं... कर्नाटक के लोगों के लिए इस आम चुनाव में राज्य से कांग्रेस का सफाया करने और उसे साफ करने का सही समय आ गया है। प्रधानमंत्री ने सोमवार को तमिलनाडु के कोयंबटूर में 1998 के विस्फोटों के पीड़ितों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की। पीएम उस वक्त शहर में रोड शो कर रहे थे। प्रधानमंत्री का रोड शो मेट्टुपालयम रोड में साईबाबा मंदिर के पास शुरू हुआ और आरएस पुरम में समाप्त हुआ।

मोदी सरकार की गारंटी का वही हश्र होगा जो इंडिया शाइनिंग नारे का हुआ था: खरगे

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि देश बदलाव चाहता है तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की गारंटी का वही हश्र होने जा रहा है जो 2004 में इंडिया शाइनिंग (भारत उदय) नारे का हुआ था। उन्होंने कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में यह भी कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को कांग्रेस के घोषणा पत्र को घर-घर तक ले जाना होगा। कार्य समिति की बैठक घोषणा पत्र को अंतिम रूप देने के लिए बुलाई गई थी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी इस लोकसभा चुनाव में जो वादे करने जा रही है, उन्हें वह पूरा करेगी। उन्होंने कहा, हम वादे करने के पहले गहराई से यह पड़ताल कर लेते हैं कि उनको पूरा कर पाएंगे या नहीं। खरगे ने कहा, देश बदलाव चाहता है। मौजूदा सरकार की गारंटी का वही हश्र होने जा रहा है जो 2004 में इंडिया शाइनिंग नारे का हुआ था। उन्होंने यह भी कहा कि इसीलिए कांग्रेस का घोषणापत्र 1926 से देश के राजनीतिक इतिहास में भरोसे का दस्तावेज बना हुआ है।

कांग्रेस का घोषणा पत्र पार्टी के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम की अध्यक्षता वाली समिति ने तैयार किया है। खरगे के अनुसार, समिति ने प्रयास किया कि हमारा घोषणा पत्र सिर्फ अकादमिक कवायद न रहे, बल्कि उसमें व्यापक जन भागीदारी हो। इसके लिए संपर्क और संवाद किया गया। वेबसाइट आवाज भारत की के जरिये लोगों से सुझाव आमंत्रित किए गए थे। उन्होंने राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा, इस यात्रा से जुड़े मुद्दों की देश विदेश में बहुत चर्चा हुई है। इससे हम देश का ध्यान जनता के असली मुद्दों पर खींच पाए। इस यात्रा का समापन 16 मार्च को मुंबई में हुआ।

खरगे ने कहा, मुंबई हमारे लिए ख़ास तौर से महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारी पार्टी की स्थापना मुंबई में ही हुई थी। हमारे स्वाधीनता आंदोलन को ताक़त भी 1942 में 'भारत छोड़ो' आंदोलन के दौरान मुम्बई से ही मिली थी। बड़ी खुशी की बात है कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा का समापन भी मुंबई में ही हुआ। खरगे ने कहा, ये यात्राएं सिर्फ़ राजनीतिक रूप से ही महत्वपूर्ण नहीं हैं बल्कि हमारे राजनीतिक इतिहास में एक ऐसे प्रयास के रूप में दर्ज हो गई हैं जो जन संपर्क का सबसे बड़ा प्रयास है। इतनी लंबी पदयात्रा लम्बे समय से किसी राजनेता ने नहीं की है, जिसे कोई चाहे तो भी नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता।

उन्होंने कांग्रेस की पांच गारंटी का उल्लेख करते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का आह्वान किया, आप सभी वरिष्ठ नेताओं की बहुत अहम भूमिका होगी। आप सभी से मेरा अनुरोध है कि इसके सभी प्रमुख मुद्दों को पूरे देश में, गांव-मुहल्ला और घर-घर तक पहुंचाने में प्रेरक की भूमिका निभाएं।

सीडब्ल्यूसी की बैठक सिर्फ घोषणापत्र के लिए नहीं, बल्कि न्यायपत्र के लिए भी थी

लोकसभा चुनाव होने में सिर्फ एक महीना बचा है। इसके मद्देनजर राजनीतिक दलों ने भी तैयारियां तेज कर रखी हैं। सात चरण में होने वाले आम चुनाव के लिए 19 अप्रैल से मतदान शुरू होगा। इस बीच, आज कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक हुई। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लोकसभा चुनाव के लिए घोषणा पत्र को मंजूरी देने और इसे जारी करने की तिथि निर्धारित करने के लिए अधिकृत किया। पार्टी का कहना है कि यह उसका सिर्फ एक चुनावी घोषणा पत्र नहीं, बल्कि न्याय पत्र होगा।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नवंबर में हो सकती है टेस्ट सीरीज

नईदिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच इस साल के आखिर में होने वाली पांच टेस्ट मैचों की बहुप्रतीक्षित श्रृंखला का पहला मैच पर्थ में खेला जाएगा।'सिडनी मार्निंग हेराल्ड' की रिपोर्ट के अनुसार इस श्रृंखला के बाकी मैच एडिलेड, ब्रिस्बेन, मेलबर्न और सिडनी में खेले जाएंगे। रिपोर्ट में कहा गया है,''एडिलेड दूसरे टेस्ट मैच जबकि ब्रिस्बेन तीसरे टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा।

बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच हर बार की तरह मेलबर्न में होगा जबकि नए साल पर दोनों टीम सिडनी में अंतिम मैच खेलेंगे।'' एडिलेड में खेले जाने वाला दूसरा मैच दिन रात्रि का होगा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक अगले सत्र का कार्यक्रम जारी नहीं किया है लेकिन वह इस महीने के आखिर तक अंतिम घोषणा कर सकता है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट श्रृंखला की शुरुआत इस साल नवंबर में हो सकती है। यह 1991-92 के बाद पहला अवसर होगा जबकि भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलेगी। इससे पहले 1991-92 में भारतीय टीम को 4-0 से हार का सामना करना पड़ा था।

भारत ने जब 2018-19 में ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था तब पर्थ में दूसरा टेस्ट मैच खेला गया था जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 146 रन से जीता था। इन दोनों देश के बीच 2020-21 में खेली गई श्रृंखला से पहले पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट संघ ने पर्थ को एक भी मैच की मेजबानी नहीं मिलने पर नाराजगी व्यक्त की थी।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स का 736 अंक का गोता निफ्टी 22 हजार के नीचे आया

नईदिल्ली। एशियाई बाजारों में कमजोर रुख के बीच भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को जोरदार गिरावट दर्ज की गई। इंडेक्स में हैवी वेटेज रखने वाले टीसीएस, इन्फोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे शेयरों में गिरावट के चलते बाजार गिरकर बंद हुआ। गिरावट में खुलने के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 736.37 अंक या 1.01 प्रतिशत गिरकर 72,012.05 पर बंद हुआ। दिन के दौरान यह 815.07 अंक या 1.12 प्रतिशत तक गिरकर 71,933.35 पर आ गया। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 238.25 अंक या 1.08 प्रतिशत की गिरावट लेकर 21,817.45 के लेवल पर बंद हुआ। एक्सपर्ट्स की माने तो अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को लेकर इस सप्ताह होने वाले निर्णय से पहले निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं।

चालू वित्त वर्ष में देश का निर्यात 450 अरब डॉलर तक संभव

नईदिल्ली। लाल सागर संकट जैसी भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद चालू वित्त वर्ष के अंत तक देश का वस्तुओं का निर्यात 450 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। निर्यातकों के शीर्ष संगठन फियो के निर्वाचित अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने मंगलवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि लाल सागर संकट से पैदा हुई चुनौतियों का समाधान समुद्री बीमा और माल ढुलाई शुल्क में तर्कसंगत वृद्धि करके किया जा सकता है। कुमार ने कहा कि देश के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए निर्यात क्षेत्र को आसान और कम लागत वाले ऋण तथा विपणन समर्थन की जरूरत है। ब्रिटेन और ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को जल्द अंतिम रूप देने से भी निर्यात को मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, मैं एमएसएमई के मुद्दों का समाधान करने पर ध्यान केंद्रित करूंगा, क्योंकि वे प्रमुख भूमिका निभाने जा रहे हैं।

सिग्नोरिया क्रिएशन के आईपीओ की बाजार में धमाकेदार एंट्री

नईदिल्ली। सिग्नोरिया क्रिएशन के आईपीओ की शेयर बाजार में धमाकेदार एंट्री हुई है। कंपनी के शेयर एनएसई एसएमई पर मंगलवार को 101.5 प्रतिशत के शानदार प्रीमियम के साथ 131 रुपये पर लिस्ट हुआ। बता दें कि आईपीओ के लिस्ट होने से पहले ही निवेशक एक मजबूत लिस्टिंग की उम्मीद कर रहे थे और ऐसा ही कुछ रिस्पांस मजबूत सब्सक्रिप्शन और ग्रे मार्केट प्रीमियम से मिल रहा था। इन्वेस्टरगेन.कॉम के अनुसार, सिग्नोरिया क्रिएशन के आईपीओ के लिए ग्रे मार्केट प्रीमियम 60 रुपये से ज्यादा था। इससे पता चला कि ग्रे मार्केट में सिग्नोरिया क्रिएशन के शेयरों की कीमत 60 रुपये के प्रीमियम पर कारोबार कर रही थी। साथ ही, इससे संकेत मिलता है कि आईपीओ प्राइस बैंड के अपर एंड और ग्रे मार्केट में मौजूदा प्रीमियम को ध्यान में रखते हुए सिग्नोरिया क्रिएशन की अपेक्षित लिस्टिंग कीमत 125 रुपये प्रति शेयर थी, जो आईपीओ कीमत 65 रुपये से 92.31 फीसदी ज्यादा है।

बैंक ऑफ जापान ने 17 वर्षों में पहली बार ब्याज दर बढ़ाया

नईदिल्ली। जापान के केंद्रीय बैंक ने अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए 17 वर्षों में पहली बार मंगलवार को अपनी प्रधान उधारी दर को बढ़ा दिया। इसके साथ ही वहां नकारात्मक ब्याज दरों की लंबे समय से चली आ रही नीति समाप्त हो गई है। बैंक ऑफ जापान ने अपनी नीति बैठक में शार्ट टर्म ब्याज दर को ऋणात्मक 0.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.1 प्रतिशत कर दिया। ब्याज दरों में फरवरी 2007 के बाद पहली बार बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय बैंक ने दो प्रतिशत मुद्रास्फीति का लक्ष्य तय किया था, जिससे यह संकेत मिलता है कि जापान आखिरकार अपस्फीति की प्रवृत्ति से बच गया है। मुद्रास्फीति के विपरीत अपस्फीति में कीमतें कम होने लगती हैं। बैंक ऑफ जापान के प्रमुख काजुओ उएदा ने इससे पहले कहा था कि अगर दो प्रतिशत मुद्रास्फीति लक्ष्य पूरा हो जाता है, तो बैंक अपनी नकारात्मक ब्याज दर की समीक्षा करेगा।

भारतीय रिजर्व बैंक ने किया सराहनीय प्रदर्शन

अजय छिब्बर

महामारी के बाद देश आर्थिक सुधार की प्रक्रिया से गुजर रहा है और वित्त वर्ष 24 में सकल घरेलू उत्पाद के 7.5 फीसदी से अधिक होने की उम्मीद है। पहले इसके छह से 6.5 फीसदी तक रहने का अनुमान जताया गया था। इससे पहले वित्त वर्ष 23 में सात फीसदी और वित्त वर्ष 22 में 9.7 फीसदी की वृद्धि हासिल हुई थी। वृद्धि में कुछ असमानता है। खासतौर पर कृषि अभी भी संघर्ष कर रही है लेकिन सुधार ने सकारात्मक रूप से चौंकाया है।

इस सुधार में भारतीय रिजर्व बैंक ने अहम भूमिका निभाई है लेकिन उसे उतनी सराहना नहीं मिली जितनी मिलनी चाहिए। जिस तरह बतख पानी के ऊपर सहजता से तैरती रहती है जबकि पानी के नीचे वह बहुत तेजी से अपने पैरों से पानी काटती रहती है उसी तरह रिजर्व बैंक ने प्रमुख वैश्विक झटकों से देश को उबारा जबकि कई अन्य देशों का पतन हो गया। मेरे लिए तीन बातें हैं। पहली बात, भारत बिना मुद्रास्फीति में भारी इजाफा किए महामारी के बाद सुधार हासिल करने में कामयाब रहा। ध्यान रहे वैश्विक वित्तीय संकट के बाद हमें मुद्रास्फीति से जूझना पड़ा था। इसकी एक वजह वैश्विक कीमतें भी हैं। 2012-13 में तेल की कीमतें हाल के वर्षों की तुलना में कहीं अधिक तेजी से बढ़ी थीं और भारत रियायती रूसी कच्चे तेल की मदद से अपनी अधिकांश जरूरत पूरी करने में कामयाब रहा।

बहरहाल जवाब का एक बड़ा हिस्सा मौद्रिक नीति में निहित है जिसे महामारी के दौरान शिथिल किया गया था लेकिन उसे पूरी तरह नियंत्रण से बाहर नहीं होने दिया गया। वैश्विक वित्तीय संकट के बाद वह पूरी तरह बेलगाम हो गई थी। उसके बाद वास्तविक रीपो दर यानी मुद्रास्फीति को घटाकर हासिल रिजर्व बैंक की रीपो दर को 2009 में 5 फीसदी ऋणात्मक होने दिया गया जबकि 2010 में यह 6.2 फीसदी ऋणात्मक हो गई। अगले तीन वर्षों तक यह ऋणात्मक ही बनी रही। उच्च राजकोषीय घाटे को लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बनाए रखने के अलावा उसने यह सुनिश्चित किया कि 2009 से 2013 तक पांच वर्षों की अवधि के लिए मुद्रास्फीति में इजाफा किया जाए। इसके विपरीत मौद्रिक नीति को शिथिल बनाकर महामारी के कारण कमजोर हुई आर्थिक परिस्थितियों से निपटने का प्रयास किया गया और वास्तविक रीपो दरें 2020 से 2022 तक पुन: ऋणात्मक रहीं।

इस अवधि में मुद्रास्फीति में इजाफा हुआ और रीपो दर धनात्मक समायोजन के साथ 6.5 फीसदी हो गई और वास्तविक रीपो दर धनात्मक हो गई। इसके परिणामस्वरूप भारत की मुद्रास्फीति की दर सीमित हो गई और अब उसमें गिरावट आ रही है। दूसरा, वर्तमान रिजर्व बैंक यह भी नहीं भूला है कि उसका काम वृद्धि और मुद्रास्फीति पर ध्यान देना है। 2015 में जब मुद्रास्फीति को लक्षित करने का काम शुरू हुआ था तब रिजर्व बैंक ने वास्तविक रीपो दर को लंबे समय तक यानी 2015 से 2019 तक दो फीसदी धनात्मक से ऊपर बनाए रखा। रिजर्व बैंक ने उस समय मुद्रास्फीति को लेकर कुछ ज्यादा ही उत्साह दिखाना शुरू किया और आर्थिक वृद्धि की अनदेखी करनी शुरू कर दी। रिजर्व बैंक के मुद्रास्फीति संबंधी अनुमान जो मौद्रिक नीति समिति को निर्देशित करते हैं, वे निरंतर वास्तविक मुद्रास्फीति से ऊंचे बने रहे। इसके परिणामस्वरूप रिजर्व बैंक ने रीपो दर को बहुत ऊंचा बनाए रखा और 2017 से 2019 तक यह औसतन 2.5 फीसदी से अधिक रही जबकि इस दौरान वास्तविक मुद्रास्फीति में कमी आई। इसके परिणामस्वरूप जीडीपी वृद्धि 2016 के 8.2 फीसदी से घटकर 2019 में 3.9 फीसदी तक आ गिरी। सामान्य दिनों में वास्तविक रीपो दर को एक फीसदी के आसपास रखना ही वृद्धि और मुद्रास्फीति के बीच सही संतुलन है और रिजर्व बैंक ने इसे गंवा दिया। तीसरा, रिजर्व बैंक का मुद्रा प्रबंधन भी वैश्विक वित्तीय संकट के दौर में और हाल के समय में एकदम अलग-अलग रहा है। जब अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व तथा अन्य केंद्रीय बैंकों ने क्वांटिटेटिव ईजिंग को अपनाया था, उस समय भारत तथा दुनिया के अन्य हिस्सों में आवक बढ़ी जिससे वृहद आर्थिक प्रबंधन जटिल हो गया।

भाजपा की विभिन्न समितियों व विभागों की बैठकों में चुनावी तैयारियों पर हुई चर्चा, प्रदेश सह-प्रभारी नबीन और प्रदेश अध्यक्ष देव ने किया मार्गदर्शन,

प्रदेश की सभी 11 सीटों पर भाजपा जीतेगी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की विभिन्न समितियों और विभागों की मंगलवार को बैठकें हुईं। आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों के संदर्भ में कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में हुईं इन बैठकों में प्रदेश सह-प्रभारी और बिहार सरकार के कैबिनेट मंत्री नितिन नबीन ने उपस्थित पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए आगामी चुनाव की रणनीति तैयार की। नबीन ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से प्रदेश की सभी 11 सीटों पर भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए रणनीति और उसके क्रियान्वन की समीक्षा की।इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने भी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करने मौजूद थे।

नबीन ने भाजपा की चुनाव प्रबंध समिति, चुनाव कार्यालय, कॉल सेंटर, कार्यालय प्रबंधन, मीडिया विभाग, मीडिया संपर्क, विज्ञापन अभियान, वीडियो वेन, सोशल मीडिया व हाईटेक अभियान, डिजिटल विभाग, वाहन, प्रवास, अतिथि विभाग, न्यायिक मामले व चुनाव आयोग, प्रलेखीकरण, साहित्य सामग्री निर्माण, साहित्य छपवाना, प्रचार सामग्री व साहित्य वितरण, भाषण बिन्दु, सांस्कृतिक, विशेष संपर्क, प्रवासी कार्यकर्ता, महिला अभियान, युवा अभियान, एससी अभियान, एसटी अभियान, झुग्गी झोपड़ी अभियान, सामाजिक सपंर्क अभियान, लाभार्थी अभियान, संकल्प पत्र अभियान समिति की बैठकों में सभी पदाधिकारी और अपेक्षित कार्यकर्ताओं से चर्चा की। नबीन ने अब तक के संगठनात्मक कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की। इस अवसर पर प्रबंधन समिति प्रमुख शिवरतन शर्मा, भूपेंद्र सवन्नी, सौरभ सिंह ,प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, भरतलाल वर्मा, रामजी भारती, जगदीश (रामू) रोहरा, श्रीमती सरला कोसरिया, प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा, विधायक अनुज शर्मा, खुशवंत साहेब, कार्यालय प्रभारी नरेश चंद्र गुप्ता, सह प्रभारी रजनीश शुक्ला ,प्रदेश प्रवक्ता केदार गुप्ता, नलिनीश ठोकने, दीपक म्हस्के, रंजना साहू, रसिक परमार ,अनुराग अग्रवाल , विजय शंकर मिश्रा, सुरेन्द्र पाटनी, मोहन पवार, ओंकार बैस, उज्जवल दीपक, योगी अग्रवाल, किरण बघेल, कृतिका जैन, अवधेश जैन, हेमंत पाणिग्राही, सोमेश पांडेय मितुल कोठारी, सुनील पिल्लई, सहित भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

आदर्श आचरण संहिता के प्रति प्रतिबद्धता आवश्यकः कलेक्टर

चुनावी जुलूस ,रैली की सूचना पूर्व में स्थानीय पुलिस थाने में दी जानी चाहिएः एसपी सिंह

रायपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ गौरव सिंह ने कहा है कि सभी राजनीतिक दलों एवं अभ्यर्थियों को निर्वाचन आयोग की आदर्श आचरण संहिता के प्रति प्रतिबद्धता आवश्यक है तथा आदर्श आचार संहिता का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सभी का उद्देश्य स्वतंत्र निष्पक्ष चुनाव कराना है। इस प्रक्रिया में राजनैतिक दलों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हैं। सभी के सहयोग से आगामी लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया को सफलता पूर्वक संपन्न कर पाएंगे। लोकसभा निर्वाचन 2024 के संदर्भ में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ सिंह द्वारा विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में ली गई। बैठक के दौरान आदर्श आचरण संहिता के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई तथा संहिता का आवश्यक रूप से पालन करने की अपेक्षा राजनीतिक दलों से की। कलेक्टर डॉ सिंह ने कहा कि नामांकन के समया किसी प्रत्याशी एवं उसके समर्थकों के तीन से अधिक वाहन आरओ या एआरओ कार्यालय के 100 मीटर के दायरे के भीतर नही आएंगे। मतदान के दिन प्रत्याशियों को केवल तीन वाहनों की संचालन की अनुमति होगी.एक स्वयं के लिए एक निर्वाचन अभिकर्ता के लिए और एक कार्यकर्ताओं के लिए। इन वाहनों के लिए अनुमति पत्र सक्षम प्राधिकारी जारी करेंगे और यह अनुमति पत्र वाहनों के सामने शीशे पर प्रदर्शित किया जाएगा। प्रचार में लगे वाहन किसी भी स्थिति में तीन से अधिक के काफिले में नही चलेंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक राजनीतिक दल एवं अभ्यर्थी को जातीय, धार्मिक विषयों से बचकर अपना प्रचार-प्रसार करना चाहिए। वोट के लिए अपील करते समय धार्मिक स्थल या संस्थान का उपयोग नही किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि कोई दल या प्रत्याशी स्वयं किसी की निजी संपत्ति पर, भवन, भूमि अथवा परिसर पर झंडे,पोस्टर बैनर आदि उसकी पूर्वानुमति के बिना नही लगाएगा और न ही अपने समर्थको को ऐसा करने दें। अस्थायी प्रचार कार्यालयों की अनुमति किसी भी अतिक्रमित भूमि या भवन पर नहीं दी जायेगी। साथ ही शैक्षणिक संस्थान या अस्पताल से लगे हुए भवनों में भी अस्थायी प्रचार कार्यालय की अनुमति नहीं दी जाएंगी। किसी भी मतदान केंद्र के 200 मीटर की परिधि में ये किसी भी कार्यालय के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी। ये कार्यालय किसी धार्मिक भवनों में नहीं संचालित किए जा सकेंगे ।इसकी अनुमति सक्षम प्राधिकारी द्वारा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हेलीकॉप्टर, विमान का उपयोग करने वाले राजनीतिक दलों को अनुमति के लिए सक्षम प्राधिकारी को तीन दिन पहले आवेदन किया जाना चाहिए । हेलीकॉप्टर में यात्रा करने वाले व्यक्तियों और उसमे ले जाने वाली सामग्री का भी आवेदन में उल्लेख किया जाएगा। साथ ही हेलीकॉप्टर में किसी भी बदलाव के बारे में कम से कम 3 घंटे पूर्व सूचित किया जाना चाहिए।

एसपी संतोष सिंह ने कहा कि जुलूस आदि के दौरान यदि किसी व्यक्ति द्वारा बाधा पहुंचायी जाती है तो राजनीतिक दल स्वंय उस पर कार्यवाही न करें तथा कानून अपने हाथ में न ले, इसकी सूचना पुलिस को दें साथ ही जुलूस के दौरान उपस्थित पुलिस बल इस पर कार्यवाही करेगा। चुनावी सभा या जुलूस के आयोजन के पूर्व स्थानीय पुलिस को सूचित किया जाएगां। यदि कोई प्रतिबंधात्मक प्रावधान लागू हो तो उनका पालन किया जाए। यदि ऐसे सभा या जुलूस में ध्वनिविस्तारक आदि का उपयोग किया जाना हो तो उसकी अनुमति ली जाए। इस अवसर बैठक में नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, एडीएम कीर्तिमान राठौर, देवेन्द्र पटेल, उप निर्वाचन अधिकारी उमाशंकर बंदे, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि सहित संबंधित अधिकारी गण उपस्थित थे।

आदर्श आचार संहिता लगने के बाद दो करोड़ रुपए नगदी जब्त

रायपुर। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने लोकसभा आम निर्वाचन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्यवाही किए जाने के संबंध में सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन दिशा-निर्देशों के परिपालन में राज्य में विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों के माध्यम से धन और वस्तुओं के अवैध परिवहन तथा संग्रहण पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

भूपेश का भरोसा तार-तार, एक गांव के कार्यकर्ताओं के बीच में भी भरोसा कायम नहीं कर पाए

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पिछले 5 वर्षों में भरोसा के नाम पर जो छद्म जाल बुना था आज वह जाल तार-तार हो चुका है। मुख्यमंत्री रहते हुए 5 साल में अपने एक लोकसभा क्षेत्र के चंद कार्यकर्ताओं के बीच ही भरोसा कायम नहीं कर पाए, जबकि भूपेश है तो भरोसा है की ब्रांडिंग के नाम पर करोड़ों रुपए फूंक दिए। भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा कि प्रत्याशी घोषित होने के बाद भूपेश बघेल सोमवार को पहली बार कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे तो कार्यकर्ताओं ने उन्हे आइना दिखाना शुरू कर दिया। ग्राम खुटेरी में आयोजित ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस के कार्यकर्ता सम्मेलन में जिला पंचायत सदस्य रह चुके सुरेंद्र वैष्णव ने पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ जमकर भड़ास निकालते हुए उन्हें बाहरी प्रत्याशी बताकर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। यही नहीं कांग्रेस शासनकाल में कार्यकर्ताओं की उपेक्षा का भी गंभीर आरोप लगाया। इस दौरान वे बार-बार स्वयं को क्षमा कर देने और पार्टी से निष्कासित कर देने की बात भी कहते रहे। उन्होंने कहा कि 5 वर्षों तक किसी प्रदेश का मुख्यमंत्री रहने के बाद एक वरिष्ठ नेता की इतनी छवि तो बन ही जाती है कि उन्हें प्रदेश में किसी भी जगह से लोकसभा या विधानसभा चुनाव लडने पर उस क्षेत्र के कार्यकर्ता अपना सौभाग्य समझते हैं लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री अपने कार्यकर्ताओं के बीच यह छवि बनाने में पूरी तरह नाकामयाब रहे हैं। उनके मूल निवास और विधानसभा क्षेत्र से महज 40 किमी दूर के कार्यकर्ताओं के बीच भी उनका भरोसा कायम नहीं रहा तो यह उनके लिए चुल्लू भर पानी में डूब मरने वाली बात है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा कि उल्लेखनीय है की भूपेश बघेल मुख्यमंत्री रहने से पूर्व करीब 5 वर्ष तक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुखिया रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए एक नेता प्रदेश भर के कार्यकर्ताओं के बीच लोकप्रिय हो जाता है। जबकि भूपेश को इससे बढ़कर 5 साल तक मुख्यमंत्री बनकर जनता की सेवा करने और कार्यकर्ताओं की सहायता करने का भरपूर अवसर मिला लेकिन वे इस दौरान घपले घोटाले करके अपना और अपने दिल्ली के आकाओं की झोली भरते रहे। भूपेश दिल्ली के लिए एटीएम मशीन तो बन गए लेकिन अपने दरी चादर उठाने वाले कार्यकर्ताओं की लगातार उपेक्षा करते रहे।

भाजपा में फिर से महाप्रवेश

80 सरपंच, पंच सहित 16 सौ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा में किया प्रवेश

रायपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की मौजूदगी में 80 सरपंच, पंच सहित 1597 कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा का दामन थामा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने राजिम में विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में सभी कांग्रेसियों को बीजेपी का गमछा पहनाकर सदस्यता दिलाई।

इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण ने कहा कि कई कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए हैं। सभी लोगों ने मोदी जी पर भरोसा जताया है। सभी ने यह माना कांग्रेस अब राष्ट्र हित में कोई योगदान नहीं दे पा रही।

वहीं किरण सिंहदेव ने भूपेश बघेल के राजनांदगांव लोकसभा सीट से भारी बहुमत से चुनाव जीतने के बयान पर कहा कि वो दुर्ग छोड़कर राजनांदगांव से क्यों चुनाव लड़ रहे हैं, वो दावे तो विधानसभा चुनाव में भी 75 पार के किया करते थे, क्या हुआ वो सबके सामने है।

इस दौरान किरण सिंहदेव ने भूपेश बघेल के बयान पर कहा कि महादेव सट्टा ऐप से कांग्रेस का नाम शुरू से जुड़ा है । भूपेश बघेल जी का नाम पहले ही पूर्वार्ति कांग्रेस सरकार में सामने आ चुका था।

एक एजेंसी जांच कर रही है। उनको जांच का सामना करना चाहिए।

इस दौरान प्रवेश कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा, महासमुन्द लोकसभा प्रत्याशी श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, विधायक मोतीलाल साहू, रोहित साहू, भावना बोहरा, प्रदेश मंत्री किशोर महानंद, पूर्व सांसद चंदूलाल साहू, जिलाध्यक्ष राजेश साहू, संध्या परगनिया, सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

निर्वाचन के दौरान प्राप्त शिकायतों का होगा त्वरित निराकरण

रायपुर। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 के दौरान विभिन्न माध्यमों से प्राप्त निर्वाचन संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा 'कंप्लेंट मॉनिटरिंग सिस्टम' सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले के दिशा-निर्देशों के अनुरूप अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नीलेशकुमार महादेव क्षीरसागर और संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी पी.एस. ध्रुव ने प्रशिक्षण आयोजित कर विभागीय नोडल अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित निराकरण के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। कंप्लेंट मॉनिटरिंग साफ्टवेयर के माध्यम से निर्वाचन संबंधी शिकायतों के प्रभावी निराकरण के संबंध में आईटी विभाग के अधिकारियों ने नोडल अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। बैठक में एनआईसी से असीम थवाईत ने जानकारी दी कि निर्वाचन संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा 'कंप्लेंट मॉनिटरिंग सिस्टम' (सीएमएस) तैयार किया गया है। इस सिस्टम के माध्यम से संबंधित विभाग के नोडल अधिकारी को डिजिटाइज्ड शिकायत भेजकर त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाता है।

जगदलपुर सीएसपी पुष्कर की तबीयत बिगड़ी, रायपुर रिफर

रायपुर। जिम में कसरत कर सोमवार की देर शाम घर वापस लौटते ही जगदलपुर के सीएसपी उदित पुष्कर की देर रात तबीयत अचानक बिगड़ गई और उन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया है, जहां डॉक्टरों ने एहतियातन मंगलवार की सुबह राजधानी रायपुर रिफर किया गया है।

आईपीएस उदित पुष्कर 2021 बैच के आईपीएस अफसर है। वर्तमान में वे जगदलपुर के सीएसपी है तथा पुलिस ऑफिसर कॉलोनी में अकेले रहते हैं। कल देर शाम वे जिम से कसरत कर वापस घर लौटे जहां करीबन रात 11 बजे अपने स्टॉफ से कहा कि उन्हें कुछ अच्छा नहीं लग रहा है, जिसके बाद जगदलपुर मेडिकल कॉलेज लाया गया।

यहां ईसीजी और अन्य जांच में सब कुछ नार्मल पाया गया। डॉक्टरों के अनुसार हैवी वर्क आउट के चलते ऐसी स्थिति बनी फिर भी एहतियातन मंगलवार की सुबह रायपुर के एमएमआई हॉस्पिटल रेफर किया गया है जिससे उनका कंप्लीट बॉडी चेकअप किया जा सके और बीमारी का पता लगाया जा सकें।

जमानत पर छूटे चाकूबाजों को थानें में बुलाकर समझाईश

रायपुर। पुरानीबस्ती थाना अंतर्गत आने वाले थाना में दर्ज पुराने चाकूबाजी के प्रकरण में गिरफ्तार आरोपियों को होली के त्यौहार एवं आगामी लोकसभा चुनाव को मद्देनजर रखते हुए थाना तलब कर आवश्यक समझाईस दिया गया। पुरानीबस्ती अनुभाग के समस्त थाना टिकरापारा, थाना पुरानीबस्ती, थाना डी.डी. नगर, थाना न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर के थाना प्रभारियों द्वारा पहले राउंड में थाना टिकरापारा रायपुर परिसर में कुल 40 चाकूबाजो को लेकर उपस्थित हुए जिसे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दौलत राम पोर्ते, नगर पुलिस अधीक्षक पुरानीबस्ती रायपुर राजेश देवांगन द्वारा होली के त्यौहार एवं आगामी लोकसभा चुनाव को मद्देनजर रखते हुए क्षेत्र में शांति बनाये रखने हेतु चाकूबाजो को अपराधिक गतिविधियों में सम्मिलित नही होने व किसी प्रकार के अपराधिक घटना कारित नही करने एवं प्रत्येक सप्ताह संबंधित थाना में अपना उपस्थिति देने हेतु सक्त हिदायत दिया गया। वारंटियों की भी धरपकड़ जारी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर ऐसे स्थाई वारंटी जो लंबे समय से फरार थे उनके पतासाजी कर तामिल करने हेतु थाना प्रभारी दुर्गेश रावटे थाना टिकरापारा द्वारा अधीनस्थ स्टॉफ प्रधान आरक्षक महेश नेताम, देवशरण साहू, आरक्षक नंद किशोर, धनंजय नेताम, सुरजीत सेंगर, का सयुक्त टीम तैयार कर किया गया टीम के सदस्यों द्वारा वारेंटियो का पतासाजी प्रारंभ किया गया.

पार्थिवी कंस्ट्रक्शन पर 22 लाख संपत्ति कर बकाया

रायपुर। नगर पालिक निगम द्वारा निरन्तर नगर निगम के बड़े बकायादारों पर बकाया राजस्व वसूलने कड़ी कार्यवाही की जा रही है। इस क्रम में मंगलवार को नगर निगम रायपुर के जोन 8 राजस्व विभाग की टीम ने अभियान चलाकर बड़े बकायादार पार्थिवी कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के संचालक शैलेश वर्मा पर 2241918 रू. का राजस्व बकाया वसूलने स्थल पर कार्यवाही प्रारम्भ की। कार्यवाही के दौरान संचालक बकायादार ने पूर्ण बकाया राशि का भुगतान करने 24 घंटे का समय लिखित रूप से माँगा, इस पर जोन 8 जोन कमिश्नर की सहमति पर स्थल पर कार्यवाही रोकी गयी है। बकायादार द्वारा पूर्ण बकाया भुगतान 24 घंटे में नहीं किये जाने पर सीलबंदी की कार्यवाही की जाएगी । जोन 8 के सहायक राजस्व अधिकारी ने जानकारी दी है कि जोन क्षेत्र के बड़े बकायादार पार्थिवी कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड टाटीबंध के संचालक शैलेश वर्मा पर पंचमेवा बिल्डिंग का 965692 रू, एक्सिस बिल्डिंग का 254643 रू, व्यावसायिक काम्पलेक्स का 582523 रू. एवं खुली भूमि का 939030 रू. इस प्रकार भिन्न 4 स्थानों का करते कुल 2241918 रू. राजस्व बकाया है ।

गंदगी फैलाने पर 8 दुकानदारों से जुर्माना वसूला

रायपुर। नगर पालिक निगम क्षेत्र में सघन स्वच्छता अभियान निरन्तर चलाया जा रहा है। कचरा एवं गंदगी फैलाने वाले एवं दुकानों में डस्टबिन नहीं रखने सहित प्रतिबंधित पॉलीथिन रखने वाले दुकानदारों से तत्काल प्रतिबंधित पॉलीथिन की जब्ती करके उनसे जुर्माना वसूला जा रहा है। इसके साथ ही सम्बंधित दुकानदारों से दुकान में अनिवार्य रूप से डस्टबिन रखने एवं सूखा एवं गीला कचरा पृथक करके सफाई मित्र को सफाई वाहन में नियमित देकर राजधानी शहर रायपुर को स्वच्छ स्मार्ट सिटी बनाने सहभागिता दर्ज करवाने अपील की जा रही है। इसके तहत जोन 7 स्वास्थ्य विभाग की टीम ने आमापारा सब्जी बाजार क्षेत्र में 8 दुकानों में गंदगी कचरा फैलाने पर 2700 रूपये , 2 दुकानों में प्रतिबंधित पॉलीथिन मिलने पर 200 रूपये, कुल 10 दुकानों पर कुल मिलाकर 2900 रूपये का जुर्माना वसूला। सभी जोनों के जोन स्वास्थ्य अधिकारियों ने बाजार क्षेत्रों में दुकानदारों को डस्टबिन अनिवार्य रूप से रखने एवं स्वच्छता बनाये रखकर दुकान का सूखा एवं गीला कचरा पृथक - पृथक डस्टबिन में रखकर सफाई मित्र को नियमित देकर राजधानी शहर को स्वच्छ स्मार्ट सिटी बनाने सहभागिता दर्ज करवाने अपील की गई।

कांग्रेस की दूसरी लिस्ट पर बीजेपी प्रवक्ता केदार गुप्ता का बयान, कहा-

5 साल सत्ता में रहने के बाद लोस प्रत्याशी समझ में नहीं आ रहे हैं या मिल नहीं रहे

रायपुर। भाजपा-कांग्रेस समेत तमाम राजनीतिक दल लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटे हुए हैं. मध्य प्रदेश में भाजपा ने प्रदेश की सभी सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नाम का ऐलान कर दिया है. जबकि कांग्रेस ने अब तक केवल 5 सीटों पर ही प्रत्याशी घोषित किए हैं. दूसरी लिस्ट में बची हुई 6 सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए जा सकते हैं. दिल्ली में मंगलवार को कांग्रेस की चुनाव समिति की बैठक है, जिसमें प्रत्याशियों के नाम पर फाइनल मुहर लग सकती है. जिसके बाद कांग्रेस उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी हो सकती है. इस बीच बीजेपी प्रवक्ता केदार गुप्ता ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस द्वारा लोकसभा प्रत्याशियों के चयन पर देरी को लेकर तंज कसते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया हैं. बीजेपी प्रवक्ता केदार गुप्ता ने कहा- ' वे कहते हैं कि कांग्रेस सबसे पुरानी पार्टी है, यह दुर्भाग्य का विषय है कि 5 साल सत्ता में रहने के बाद लोकसभा के प्रत्याशी समझ में नहीं आ रहे है या मिल नहीं रहे है. या तो वे किसी को उतारना नहीं चाह रहे है. कोंग्रेस के कार्यकर्ता प्रत्याशियों की घोषणा का इंतज़ार कर रहे है और दिल्ली के चक्कर लगा रहे है कि मेरी वापसी कर लो. इस दौरान उन्होंने दावा करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 11 में से 11 सीटों पर बीजेपी जीत दर्ज करेगी. क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी का सुशासन सबको भरोसे का लग रहा है.

'छत्तीसगढ़ को हमने बनाया है, हम ही सवारेंगे'- छत्तीसगढ़ में सभी मंत्रीयों के आवास के बाहर छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीर लगाने पर बीजेपी प्रवक्ता केदार गुप्ता ने इसे एक अनुभूति बताया. उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा भारत माता कि बात करती है. हमने भारत को कभी भी भूमि का टुकड़ा नहीं माना, हमने भारत को हमेशा माता के रूप में माना है. वहीं छत्तीसगढ़ महतारी की कल्पना पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने की है. हम छत्तीसगढ़ की भूमि को छत्तीसगढ़ महतारी मानते है. 'छत्तीसगढ़ को हमने बनाया है, हम ही सवारेंगे' यह हमारा नारा है.

विश्व की सबसे बड़ी पार्टी को मिले सिर्फ 6 हजार करोड़- इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर कांग्रेस की 5 संभागो में प्रेसवार्ता पर बीजेपी प्रवक्ता केदार गुप्ता ने कहा कि सीधा गणित है, इनके पास दो नंबर का काला धन है. राजनीतिक पार्टियों को चंदा दिया जाता है जिसका कोई हिसाब किताब नहीं रहता था. भारतीय जनता पार्टी ने इलेक्टोरल बॉन्ड इसलिए लाया ताकि काले धन का दुरुपयोग रुक जाए. यह साफ हो चुका है कि इसमें भारतीय जनता पार्टी को 6 हजार करोड़ मिले.

रायपुर में चौक-चौराहों में होर्डिंग्स में लगा गुड सेमेरिटन के फोटो

रायपुर। एसएसपी संतोष सिंह द्वारा प्रतिमाह यातायात पुलिस रायपुर को सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सड़क दुर्घटना में घायलों को त्वरित चिकित्सा उपलब्ध कराने वाले व्यक्तियों को गुड सेमेरिटंस अर्थात नेक व्यक्ति की पहचान करते हुए इन्हे प्रोत्साहित व पुरस्कृत करने हेतु निर्देशित किया गया है।

इसी क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा सड़क दुर्घटना में घायलों को त्वरित सहायता पहुचा कर जान बचाने वाले छह गुड सेमेरिटंस को कंट्रोल रूम में सम्मानित किया गया। सड़क दुर्घटना के दौरान प्रथम तीस मिनट का समय गोल्डन आवर कहलाता है। इस दौरान यदि घायल व्यक्ति को किसी भी प्रकार से हास्पिटल तक पहुंचा दिया जाता है या फिर चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध करा दिया जाता है तो घायल की जान बचाई जा सकती है। किन्तु अधिकांश सड़क दुर्घटनों में लोगों द्वारा मोबाइल से विडियों फोटो बना लिया जाता है किन्तु घायल की जान बचाने हेतु कोई उपाय नही किया जाता। साथ ही बार बार पेशी जाना पड़ेगा व परेशानी होगी सोचकर मदद नहीं की जाती, जिससे घायल व्यक्ति त्वरित उपचार के अभाव में तड़प-तड़प कर दम तोड़ देता है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.